बालाघाट
शनिवार 07 नवम्बर 2026
कार्तिक कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 47
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

PMG

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 79,310.01
निफ्टी - 24,536.60
सोना - 1,54,409
चांदी - 2,10,000
डॉलर - 94.47

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

**खास खबर**

## पंडित धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ केस दर्ज

आगरा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ उत्तर प्रदेश के आगरा में आपराधिक मानहानि का केस दायर किया गया है। यह मामला भगवान श्रीकृष्ण को टेढ़ा बताने वाले बयान से जुड़ा है। आगरा के वकील अजय प्रताप सिंह ने सिविल कोर्ट में परिवाद दाखिल किया है। उनका आरोप है कि टिप्पणी से भगवान श्रीकृष्ण के वंशजों की सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। परिवाद में जादौन, जडोजा और भाटी क्षत्रिय वंश का जिक्र है। कोर्ट ने गुरुवार को परिवाद दर्ज किया था। अगली सुनवाई 14 दिसंबर को होगी। दरअसल, 29 अक्टूबर को शिवपुरी के करैरा में रामकथा के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था कि हमारे राम सीधे हैं, तुम्हारे कृष्ण टेढ़े। विवाद बढ़ने पर उन्होंने हाथ जोड़कर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि राम और कृष्ण एक ही हैं और उनका किसी तरह का भेद करने का इरादा नहीं था।

## राजपाल यादव के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

इंदौर। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की कानूनी मुश्किलें बढ़ गई हैं। 25 लाख रुपए के चेक बाउंस मामले में महू की अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। लगातार पेशियों पर अनुपस्थित रहने और पहले जारी जमानती वारंट के बावजूद अदालत में पेश नहीं होने पर कोर्ट ने यह सख्त कदम उठाया है। अदालत ने मुंबई पुलिस को निर्देश दिए हैं कि वारंट की तामीली कर अभिनेता को गिरफ्तार किया जाए और अगली सुनवाई से पहले महू कोर्ट में पेश किया जाए। यह मामला महू निवासी फिल्म फाइनेंसर प्रकाश जाजू की शिकायत से जुड़ा है। शिकायत के मुताबिक, राजपाल यादव और प्रकाश जाजू के बीच 25 लाख रुपए का वित्तीय लेनदेन हुआ था। इस रकम की वापसी के लिए अभिनेता की ओर से पोस्ट डेटेड चेक दिए गए थे।

## 30 हजार करोड़ के स्वदेशी रक्षा सौदे को जल्द मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली। भारत अपनी हवाई सीमाओं की सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने वाला है। केंद्र सरकार करीब 30 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली क्यूआरएसएएम प्रणाली के सौदे को जल्द मंजूरी दे सकती है। इस महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की अंतिम स्वीकृति का इंतजार है। मंजूरी मिलने के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को इसका ठेका मिलने की संभावना है। यह स्वदेशी रक्षा प्रणाली भारतीय सेना की हवाई सुरक्षा क्षमता में महत्वपूर्ण इजाफा करेगी। इसकी खासियत यह है कि यह केवल मिसाइलों की आपूर्ति तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इसमें आधुनिक वायु रक्षा से जुड़ा पूरा तंत्र शामिल रहेगा।

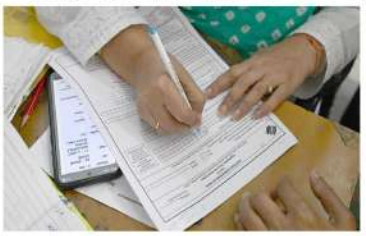
**कुछ ना कहना**




# एसआईआर में छूटे मतदाताओं को एक और मौका

## दिल्ली, महाराष्ट्र समेत 7 राज्यों के वोटर फिर नाम जुड़वा सकेंगे

मुंबई। चुनाव आयोग की ओर से देशभर में चलाई जा रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की आशंका का सामना कर रहे लोगों को चुनाव आयोग ने एक और मौका देने का निर्णय लिया है। इसके तहत अनुपस्थित, दूसरे स्थान पर पलायन कर चुके, मृत और डुप्लीकेट मतदाताओं के रूप में चिह्नित किए गए लोगों को अपनी पात्रता साबित करने का अवसर मिलेगा।



### डुप्लीकेट नामों पर भी रहेगी कड़ी नजर

चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची में किसी भी व्यक्ति का नाम एक से अधिक बार दर्ज नहीं होना चाहिए। इसलिए नामों को दोबारा शामिल करते समय डुप्लीकेट पंजीकरण रोकने के लिए विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पात्र मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में शामिल हो सकें, यह सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को अलग से निगरानी व्यवस्था तैयार करने को कहा गया है।

### प्रारूप मतदाता सूची से हटाए गए नामों को मिलेगा एक और मौका

दरअसल, एसआईआर अभियान के दौरान मतदाताओं को गणना फॉर्म दिए गए थे। लेकिन कई मतदाताओं की ओर से निर्धारित समय में ये फॉर्म वापस जमा नहीं किए गए। इसके चलते अनुपस्थित, पलायन कर चुके, मृत और डुप्लीकेट श्रेणी में चिह्नित मतदाताओं के नाम प्रारूप मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। अब चुनाव आयोग ने ऐसे मतदाताओं को दोबारा मौका देने के निर्देश जारी किए हैं, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के अधिकार से वंचित न रह जाए।

### महाराष्ट्र समेत सात राज्यों को लागू होंगे निर्देश

चुनाव आयोग के ये निर्देश कुल सात राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों पर लागू होंगे। इनमें दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नागालैंड शामिल हैं। आयोग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसे मतदाताओं के मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाए और पात्र लोगों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल होने का पर्याप्त अवसर मिले।

## ओबीसी क्रीमी लेयर पर केंद्र सरकार की याचिका खारिज, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

# पैरेंट्स की सैलरी से तय नहीं होगा आरक्षण का लाभ

नई दिल्ली। ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर पर केंद्र सरकार की अर्जी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। केंद्र ने इस साल 11 मार्च को आया फैसला लागू करने में राहत मांगी थी। उस फैसले में कोर्ट ने कहा था कि क्रीमी लेयर तय करते समय माता-पिता की आमदनी देखना काफी नहीं है। उनका पद और सामाजिक स्थिति को भी देखा जाना चाहिए।

केंद्र ने अचानक इसे लागू करने से जटिलता बढ़ने का हवाला देते हुए यूपीएससी परीक्षा 2025 और 2026 के लिए छूट की मांग की थी। केंद्र की दलील थी कि फैसले को तुरंत लागू करने से कई प्रशासनिक परेशानियां पैदा हो सकती हैं। निजी क्षेत्र के पदों को सरकारी पदों के बराबर मानने के लिए भी काफी समय लग सकता है। केंद्र सरकार ने अगस्त महीने में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर फैसले पर स्पष्टीकरण की मांग की थी। राज्यों से बातचीत और बड़ी संख्या में सरकारी संस्थानों को देखते हुए इसमें करीब 2 साल तक का समय लग सकता है। सिविल सेवा परीक्षा 2025 के कैडर और सेवाओं का आवंटन, ट्रेनिंग और दूसरी प्रशासनिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। 2016 के बाद केंद्र सरकार, रेलवे, बैंक, अर्धसैनिक बलों और विश्वविद्यालयों में करीब 3 लाख 70 हजार ओबीसी नियुक्तियां हुई हैं। अगर फैसले को पिछली तारीख से लागू किया गया तो बड़ी संख्या में नए विवाद और मुकदमे हो सकते हैं।

## वोटर आईडी से सरकारी योजनाओं का लाभ देने के मामले पर राहुल बोले..

# गरीबों के अधिकार छीनने की हो रही गहरी साजिश

–पहले मतदाता सूची से नाम कटेंगे, फिर योजनाओं के पैसे पर भी आएगा संकट

नई दिल्ली। चुनाव में कथित वोट चोरी के आरोपों के बाद कांग्रेस ने अब केंद्र सरकार पर 'हक की चोरी' का आरोप लगाकर नया राजनीतिक मोर्चा खोल दिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ आधार के बजाय वोटर आईडी से देने की तैयारी एक गहरी साजिश का हिस्सा है। उन्होंने आशंका जताई कि पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर मतदाता सूची से करोड़ों लोगों के नाम काटे जाएंगे और फिर सरकारी योजनाओं के लाभ से भी उन्हें वंचित किया जा सकता है।

राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने पंचायती राज मंत्रालय की योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान के लिए आधार कार्ड की जगह मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) के इस्तेमाल की बात कही थी। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार के मंत्री का एलान है कि योजनाओं का लाभ अब आधार से नहीं, वोटर आईडी से तय होगा। उन्होंने कहा कि एसआईआर के नाम पर करोड़ों मतदाताओं के नाम सूची से काटे जा रहे हैं। यदि इसे नहीं रोका गया तो आगे और भी नाम हटाए जा सकते हैं। राहुल ने दावा किया कि इनमें बड़ी संख्या उन लोगों की है, जो भाजपा सरकार के खिलाफ नाराजगी रखते हैं।

### चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल

कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची एक निष्पक्ष चुनाव आयोग के नियंत्रण में होनी चाहिए, लेकिन अब यह मोदी सरकार के कर्मचारी ज्ञानेश कुमार के हाथ में है। राहुल ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस वोट चोरी के मामले में सबूत सामने ला चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी मतदाता सूची तैयार करने की कोशिश हो रही है, जिसमें भाजपा का बहुमत सुनिश्चित



रहे। अब इसी सूची के आधार पर यह भी तय होने लगेगा कि किसे सरकारी योजनाओं का पैसा मिलेगा।

### राशन, पेंशन और आवास तक पर उठाए सवाल

राहुल गांधी ने इस मुद्दे को सिर्फ चुनावी अधिकार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे गरीबों के कल्याणकारी अधिकारों से जोड़ दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि आज पंचायती राज की योजनाओं के लिए वोटर आईडी अनिवार्य करने की बात हो रही है, कल राशन, पेंशन, मनरेगा, आवास, छात्रवृत्ति और आरक्षण जैसी सुविधाओं के लिए भी यही व्यवस्था लागू की जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसी गरीब की पेंशन उसके वोटर कार्ड की गुलाम नहीं हो सकती। वोट देना नागरिक का अधिकार है, सरकारी योजनाओं का लाभ पाने की शर्त नहीं। राहुल ने इसे सिर्फ वोट चोरी नहीं, बल्कि हक की चोरी करार देते हुए कहा कि कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी।

### लोकतंत्र को लेकर सरकार पर हमला

राहुल ने आरोप लगाया कि इस पूरी प्रक्रिया के जरिए ऐसी स्थिति पैदा की जा रही है, जिसमें नागरिकों के पास लोकतांत्रिक अधिकार तो कागजों पर होंगे, लेकिन व्यवहार में वे सरकार की नीतियों और फैसलों पर निर्भर हो जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मतदाता सूची और सरकारी योजनाओं के लाभ को आपस में जोड़ दिया गया तो लोकतंत्र की चुनियाद प्रभावित हो सकती है। राहुल ने इसे 'अपहृत लोकतंत्र' बताते हुए कहा कि ऐसी व्यवस्था में जनता सरकार नहीं चुनेगी, बल्कि सरकार अपनी पसंद की जनता चुनेगी।

### शिवाली लड़ाई को नया मुद्दा

एसआईआर और वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ियों को लेकर पहले से भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। अब आधार और वोटर आईडी के इस्तेमाल का मुद्दा जुड़ने से विपक्ष को सरकार पर हमला करने का एक और आधार मिल गया है। कांग्रेस इसे चुनावी अधिकार के साथ सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को जोड़कर बड़ा जनहित का सवाल बनाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, सरकारी योजनाओं में पहचान के नए तरीके को लेकर सरकार की विस्तृत व्यवस्था और उसके वास्तविक दायरे पर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

## बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, अमिताभ बच्चन का जलसा बंगला भी निशाने पर, बीएसई और रेसकोर्स को लेकर भी आया धमकी भरा ई-मेल

### - धमकी भरे ई-मेल से मुंबई में मचा हड़कंप, पुलिस ई-मेल भेजने वाले की तलाश में जुटी

मुंबई। मुंबई में बम धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब मुंबई हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि धमकी भरे ई-मेल में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले जलसा को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। इसके अलावा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और महालक्ष्मी रेसकोर्स का भी ई-मेल में उल्लेख किया गया है।

### - धमकी भरा ई-मेल मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई हाईकोर्ट में बम विस्फोट करने की धमकी वाला ई-मेल प्राप्त हुआ है। ई-मेल सामने आने के बाद न्यायालय परिसर और अन्य प्रमुख स्थानों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। संबंधित अधिकारियों को सूचना दिए जाने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। धमकी की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ते ने हाईकोर्ट परिसर में जांच की। लेकिन कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिला।

### - बीएसई, महालक्ष्मी रेसकोर्स और जलसा भी निशाने पर

धमकी भरे ई-मेल में मुंबई हाईकोर्ट के अलावा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई), महालक्ष्मी रेसकोर्स और अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले जलसा का भी नाम सामने आया है। एक ही ई-मेल में शहर के कई महत्वपूर्ण और चर्चित स्थानों को निशाना बनाए जाने की बात से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। फिलहाल धमकी की वास्तविकता और उसकी गंभीरता को लेकर जांच जारी है। पुलिस ई-मेल के स्रोत का पता लगाने के साथ यह भी जांच कर रही है कि इसे किसने और किस उद्देश्य से भेजा है।

### - कुछ दिन पहले भी मिली थीं बम धमाके की धमकियां

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय के अलावा मशुगांव, टिंडोशी और एग्मोनेरेड स्थित अदालतों को भी बम से उड़ाने की धमकी वाले ई-मेल मिले थे। इन धमकियों के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने संबंधित परिसरों में जांच की थी। अब एक बार फिर बॉम्बे हाईकोर्ट समेत कई महत्वपूर्ण स्थानों को निशाना बनाए जाने की धमकी मिलने से सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। लगातार मिल रही इस तरह की धमकियां मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

## अस्पताल में शरद पवार से मिले प्रफुल्ल पटेल...10 नवबंर के बाद सुलह की उम्मीद

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के बीच संभावित एकजुटता को लेकर चर्चाएं फिर तेज हुई हैं। अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने अस्पताल पहुंचकर शरद पवार से मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में नए समीकरणों को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी हैं। दरअसल, शरद पवार की तबीयत खराब होने के कारण अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। तभी प्रफुल्ल पटेल उनसे मिलने पहुंचे। सामने आए वीडियो में दोनों नेताओं के बीच बातचीत होती दिखाई दे रही है। इस दौरान शरद पवार को प्रफुल्ल से यह कहते सुना गया कि 10 नवंबर के बाद मिलते हैं। उनके इस बयान को राजनीतिक नजरिए से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रफुल्ल की मुलाकात ने एनसीपी के दोनों गुटों के बीच दूरियां कम होने की संभावनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। गौरतलब है कि स्व.अजित पवार के नेतृत्व में पार्टी में विभाजन के बाद शरद और अजित पवार के गुट अलग-अलग राजनीतिक राह पर चल रहे हैं। दोनों खेमों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी लगातार देखने को मिली है। इसके बाद अस्पताल में हुई इस मुलाकात और 10 नवंबर के बाद फिर मिलने की बात को संभावित सुलह के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

## वीडियोकॉन के पूर्व प्रमोटर वेणुगोपाल धूत बैंकरप्ट घोषित

नई दिल्ली। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की मुंबई बेंच ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज के पूर्व प्रमोटर और डायरेक्टर वेणुगोपाल नंदलाल धूत को बैंकरप्ट घोषित कर दिया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए ट्रिब्यूनल ने यह आदेश जारी किया है। यह कदम धूत की फर्मनल इनसोल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस और रीपेमेंट प्लान के असफल होने के बाद उठाया गया है। विनय गोयल और चरणजीत सिंह गुलाटी की बेंच ने इंसोल्वेंसी एंड बैंकप्सी कोड के तहत 5 नवंबर को यह बैंकप्सी आदेश पारित किया। एसबीएलटी ने नोट किया कि एसबीआई ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड की बैंक से ली गई क्रेडिट सुविधाओं के लिए धूत के पर्सनल गारंटर होने के नाते उनके खिलाफ बैंकप्सी कार्यवाही शुरू की थी। धूत ने कंपनी को दी गई कई क्रेडिट सुविधाओं जैसे- रुपया टर्म लोन, वीडियोकॉन टेलीकम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़ी सुविधाएं और वर्किंग कैपिटल लोन के लिए पर्सनल गारंटी दी थी।

## केरल के चर्चित मिनी कूपर हादसे में तीन आरोपियों को जमानत, मुख्य आरोपी की रिहाई 10 दिन टली

कोच्चि। केरलम हाईकोर्ट ने कोच्चि के पास हुए चर्चित मिनी कूपर कार हादसे के मामले में तीन आरोपियों को जमानत दी है। हालांकि, हादसे के मुख्य आरोपी 19 वर्षीय सुहैल सजीव की रिहाई 10 दिनों के लिए टाल दी गई है। अदालत ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कहा कि किसी मामले में जमानत का फैसला जनभावनाओं या जनमत के आधार पर नहीं, बल्कि कानून और निर्धारित न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार होना चाहिए।

यह मामला 11 अक्टूबर की सुबह कोच्चि के पास नेडुम्बस्सेरी में हुए भीषण सड़क हादसे से जुड़ा है। तेज रफ्तार मिनी कूपर कार ने स्कूटर को टक्कर मार दी थी, जिसमें दो महिलाओं और एक पुरुष सहित तीन युवाओं की मौत हो गई थी। तीनों की उम्र करीब 21 वर्ष है। हादसे के बाद मृतक आरोपी सुहैल पर शराब के नशे में गाड़ी चलाने का आरोप लगा था। हाई कोर्ट ने हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर अभियोजन पक्ष से पूछा कि क्या मामले से जुड़े सभी सबूत जुटा लिए गए हैं। इस पर सरकारी पक्ष ने बताया कि जांच और साक्ष्य जुटाने का काम जारी है तथा दो सहायक के भीतर पूरा होने की संभावना है। अदालत ने अन्य आरोपियों को तत्काल जमानत देने का आदेश दिया, जबकि मुख्य आरोपी की रिहाई 10 दिन बाद करने को कहा।

हादसे के बाद सुहैल की कथित टिप्पणियों को लेकर भी काफी विवाद हुआ था। रिपोर्टों के मुताबिक, उसने कथित तौर पर कहा था कि सड़कें गाड़ी चलाने के लिए ही बनी हैं और उसके पिता मामले को संभाल लेने वाले हैं। इन बयानों के सामने आने के बाद लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली थी।

पुलिस ने बीएमडब्ल्यू कार की जांच रिपोर्ट के हवाले से बताया कि हादसे से पांच सेकंड पहले कार की स्पीड 162 किलोमीटर प्रति घंटा थी। टक्कर से एक सेकंड पहले चालक ने ब्रेक लगाया, लेकिन उस समय भी कार 144 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दौड़ रही थी। इस मामले में अदालत के फैसले और जांच पर अब सभी की नजरें टिकी हैं।

## यात्रियों से भरी चलती ट्रेन में आग, 4 डिब्बे जले

### सवारियों ने छलांग लगाई; पटियाला में रोकी अमृतसर-बंगाल कर्मभूमि एक्सप्रेस, 8 ट्रेनें डायवर्ट

पटियाला। पंजाब में शुक्रवार दोपहर चलती कर्मभूमि एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई। आग इंजन के साथ लगे जनरल डिब्बे में भड़की और देखते ही देखते ट्रेन के 4 जनरल कोच इसकी चपेट में आ गए। आग की चपेट में आए डिब्बों में यात्री सवार थे। इससे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। ट्रेन रुकते ही यात्री जान बचाने के लिए नीचे उतरकर खेतों की ओर भागने लगे। इस दौरान कई यात्रियों ने ट्रेन से छलांग भी लगा दी।

घटना फतेहगढ़ साहिब के साधुगढ़ और पटियाला के मयाय बंजारा रेलवे स्टेशन के बीच हुई। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, दमकल विभाग और राहत टीमों को अलर्ट किया गया। रेलवे के अनुसार, ट्रेन नंबर 12508 कर्मभूमि एक्सप्रेस अमृतसर से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जा रही थी। हादसा दोपहर करीब सवा 1 बजे हुआ। सरकारी रेलवे पुलिस ने बताया कि कोच के पंखे में शॉर्ट सर्किट होने के कारण यह घटना हुई। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

### रेलवे ने वैकल्पिक ट्रेन की व्यवस्था की

अंबाला मंडल के सीनियर डीसीएम यशवंतजीत सिंह ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी। फिलहाल रेलवे की प्राथमिकता यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाना है। इसके लिए वैकल्पिक ट्रेन की व्यवस्था की गई है। यात्रियों से करीब 500 मीटर दूर स्थित नजदीकी स्टेशन पहुंचने को कहा गया है, जहां से उन्हें सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचाया जाएगा।

### सीनियर डीसीएम बोले- कोई हताहत नहीं

उन्होंने बताया कि आग से तीन कोच पूरी तरह प्रभावित हुए, जबकि चौथा कोच भी आंशिक रूप से चपेट में आया। ये ट्रेन अनारक्षित थी। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीं, उत्तरी रेलवे के सीपीआरओ हिमांशु श्रेखर उपाध्याय ने बताया कि सराय बंजारा स्टेशन के पास ट्रेन का सेफ्टी सिस्टम सक्रिय होने के बाद ट्रेन रुक गई।

## टीएमसी के 10 बागी विधायकों की सदस्यता रद्द करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 10 बागी विधायकों को दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से इंकार किया है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को कलकत्ता हाईकोर्ट जाने की सलाह देकर वहां मामले की जल्द सुनवाई और निपटारे का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया है कि मामले को तत्काल सुनवाई के लिए खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने टीएमसी नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय की ओर से दायर याचिका का निपटारा कर आदेश दिया। याचिका में विधान विधानसभा अध्यक्ष की उन 10 विधायकों के खिलाफ दाखिल अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने का निर्देश देने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को इस स्तर पर कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख करना चाहिए। अदालत ने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से मामले को तत्काल विचार के लिए खंडपीठ के सामने रखने और जल्द से जल्द फैसला करने का आग्रह किया। पीठ ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष से अपेक्षा की जाती है कि वे आठ जुलाई को दाखिल अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने के भीतर निर्णय लें। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकीलों ने अदालत को बताया कि विधायकों के खिलाफ जुलाई में अयोग्यता की याचिकाएं दाखिल की गई थीं, लेकिन पांच महीने बीतने के बावजूद कोई फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने मामले का शीघ्र निपटारा करने की मांग की। जिन 10 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की मांग की गई है, उनमें जहांत चनर्जी, फिरहाद हकीम, अरूप रॉय, संदीपन साहा, अखरुज्जमां असरी, शिउली साहा, सबीना यास्मीन, बिप्लब मित्रा, जावेद खान और रथिन घोष शामिल हैं।

# दो माह से वेतन नहीं मिलने पर कर्मचारियों की हड़ताल, 50 गांवों की जलापूर्ति ठप

## विधायक ने जल निगम के अधिकारियों को फोन पर लगाई फटकार, 15 नवंबर तक समाधान का आश्वासन

**पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले में नल-जल योजना के तहत संचालित वाटर फिल्टर प्लांट में काम करने वाले कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलने का मामला अब पेयजल संकट का कारण बन गया। टुटी-देवसर्रा रियान वाटर फिल्टर प्लांट में पिछले दो माह से वेतन नहीं मिलने से नाराज कर्मचारियों ने काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दी थी। करीब एक सप्ताह से जारी इस हड़ताल के चलते प्लांट से होने वाली जलापूर्ति पूरी तरह प्रभावित हो गई और क्षेत्र के लगभग 50 गांवों के ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ा। कर्मचारियों ने इससे पहले जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर आवेदन भी दिया था, जिसमें लंबित वेतन का भुगतान कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी गई थी कि मांग पूरी नहीं होने पर वे काम बंद कर देंगे। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने पर कर्मचारियों को हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा।**

शुक्रवार 6 नवंबर को परसवाड़ा विधायक मधु भगत टुटी-देवसर्रा रियान वाटर फिल्टर प्लांट पहुंचे और हड़ताल कर रहे कर्मचारियों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। कर्मचारियों ने बताया कि दो माह से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने केवल बकाया वेतन भुगतान ही नहीं, बल्कि भविष्य में वेतन की प्रक्रिया नियमित और पारदर्शी बनाने की भी मांग रखी। कर्मचारियों का कहना था कि उनकी सैलरी सीधे बैंक



खातों में जमा कराई जाए, ताकि हर महीने वेतन के लिए कंपनी या संबंधित अधिकारियों के चक्कर न लगाने पड़ें। विधायक ने कर्मचारियों की परेशानी की गंभीरता से लेते हुए तत्काल जल निगम के संबंधित अधिकारियों से फोन पर चर्चा की और लंबित भुगतान को लेकर जवाब मांगा। इस दौरान विधायक मधु भगत कंपनी के जिम्मेदार अधिकारी से काफी तीखे लहजे में बात करते नजर आए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कर्मचारी काम कर रहे हैं तो उन्हें समय पर वेतन मिलना भी जरूरी है। वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों के परिवार प्रभावित हो रहे हैं और अब इसका असर क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। विधायक ने अधिकारियों को बताया कि वह स्वयं कर्मचारियों के साथ हड़ताल पर बैठे हैं और यदि उनकी बात पर विश्वास नहीं है तो वीडियो कॉल के माध्यम से स्थिति देखी जा सकती है। उन्होंने यह भी नाराजगी जताई कि कर्मचारियों ने एक सप्ताह पहले कलेक्टर आदित्य सिंह को आवेदन देकर अपनी समस्या बताई थी, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। विधायक ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि कर्मचारियों के साथ इसी तरह की लापरवाही जारी रही तो वह चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने अधिकारियों से तत्काल वेतन भुगतान और कर्मचारियों की मांगों का निराकरण करने को कहा। विधायक की पहल के बाद जल निगम के अधिकारियों से चर्चा में कर्मचारियों की मांगों का 15 नवंबर तक समाधान करने का आश्वासन मिला। इसमें दो माह के लंबित वेतन का भुगतान और आगे से सैलरी सीधे कर्मचारियों के बैंक खातों में जमा कराने की मांग शामिल है। आश्वासन मिलने के बाद कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल समाप्त करने पर सहमति जताई। इसके बाद विधायक मधु भगत ने स्वयं पंप हाउस का बटन दबाकर जलापूर्ति दोबारा प्रारंभ कराई। करीब एक सप्ताह से पानी की आपूर्ति बाधित होने के कारण परेशान हो रहे 50 गांवों के ग्रामीणों को इससे राहत मिली। हालांकि फिलहाल हड़ताल आश्वासन के आधार पर समाप्त हुई है, लेकिन कर्मचारियों की वास्तविक समस्या का समाधान 15 नवंबर तक भुगतान होने के बाद ही माना जाएगा। अब देखना होगा कि संबंधित कंपनी और जल निगम के अधिकारी तय समय सीमा में कर्मचारियों का बकाया वेतन देते हैं या फिर कर्मचारियों को अपनी मांगों के लिए दोबारा आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ता है।

# नपा अध्यक्ष भारती ठाकुर ने फुटकर दुकानदारों से की खरीदारी, स्वदेशी उत्पाद अपनाने का दिया संदेश

पदमेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली के पावन पर्व पर स्थानीय व्यापार और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने बाजार में पहुंचकर फुटकर व्यापारियों और आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं से खरीदारी की। उन्होंने सड़क किनारे दुकानें लगाकर अपनी आजीविका चलाने वाले छोटे दुकानदारों से दीपावली की आवश्यक सामग्री खरीदी। इस दौरान




उन्होंने मिट्टी के दीये, झाड़ू, लाई, सिंगाड़े, पूजा-पाठ की सामग्री और रंगोली सहित विभिन्न वस्तुओं की खरीदारी की। वहीं आजीविका मिशन की महिलाओं द्वारा लगाई गई दुकानों से भी सामान खरीदकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष भारती ठाकुर ने कहा कि दीपावली केवल रोशनी और खुशियों का पर्व नहीं, बल्कि जरूरतमंदों और छोटे कारोबारियों के जीवन में खुशियां बांटने का भी अवसर है। स्थानीय दुकानदार पूरे वर्ष मेहनत कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। ऐसे में त्योहार के दौरान यदि नागरिक बड़े बाजारों और बाहरी उत्पादों के बजाय स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी को प्राथमिकता दें, तो इससे उनके कारोबार को आर्थिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय बाजार से खरीदारी करने का लाभ सीधे छोटे व्यापारियों और उनके परिवारों तक पहुंचता है। उन्होंने नागरिकों से विशेष रूप से अपील की कि मुल्ला स्टेडियम के सामने आजीविका मिशन की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्वदेशी उत्पादों के स्टॉल पर पहुंचकर अधिक से अधिक खरीदारी करें। इन महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद उनकी मेहनत और आत्मनिर्भरता का आधार हैं। ऐसे में उनके उत्पादों को खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित करना समाज की भी जिम्मेदारी है। इस दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापतिगण समीर जैसवाल, संगीता खगेश कावरे, योगिता विनय बोपचे, संगीता छोटू थापा, उज्ज्वला माडारे, वकील वाघया, कमलेश पांचे सहित राजेश लिल्हारे, जयेंद्र कटरे, अखिलेश चौरे और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# महदुली में आवारा कुत्ते का कहर-3 वर्षीय मासूम के सिर को बुरी तरह नोंचा-जिला अस्पताल में भर्ती

पदमेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम महदुली में गुरुवार को शाम एक आवारा पागल कुत्ते ने 3 वर्षीय मासूम बालक पर जानलेवा हमला कर दिया। कुत्ते ने बालक के सिर पर इस कदर हमला किया कि सिर की चमड़ी तक बाहर निकल गई और बालक लहूलुहान हो गया।



बालक की चीख-पुकार सुनकर मां दौड़ी तो कुत्ता भाग गया। परिजन आनन-फानन में बालक को लेकर कटंगी के शासकीय अस्पताल पहुंचे जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में घायल बालक वर्णित पिता दुर्गा प्रसाद सलामे उम्र 3 वर्ष का इलाज जारी है।

## आंगनबाड़ी से लौटकर घर के सामने खेल रहा था मासूम

प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्गा प्रसाद सलामे खेती-किसानी के साथ-साथ मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके परिवार में पत्नी राजवंती के अलावा दो बच्चे हैं। बड़ी बेटी नवासी और छोटा बेटा वर्णित है। वर्णित गांव के ही आंगनबाड़ी केंद्र में जाता है बताया गया कि 5 नवंबर को सुबह हमेशा की तरह वर्णित आंगनबाड़ी केंद्र गया था। दोपहर करीब 2 बजे वह आंगनबाड़ी से घर लौट आया था। शाम के समय उसकी मां राजवंती घर के अंदर घरेलू काम-काज में व्यस्त थी जबकि मासूम वर्णित घर के सामने आंगन में खेल रहा था।

## अचानक झपटा लावारिस कुत्ता-सिर पर किए कई वार

इसी दौरान अचानक कहीं से एक आवारा लावारिस कुत्ता वहां आ पहुंचा। कुत्ते ने खेल रहे मासूम वर्णित को अकेला देखकर उस पर झपटा मार दिया। कुत्ते ने बालक के सिर को अपने जबड़ों में दबाकर बुरी तरह काटा और नोंच डाला। हमले में बालक के सिर की चमड़ी फटकर बाहर निकल गई और खून बहने लगा।बालक की चीख सुनकर मां राजवंती घर से बाहर दौड़ी। मां को आता देखकर कुत्ता बालक को छोड़कर वहां से भाग गया। तब तक मासूम वर्णित गंभीर रूप से घायल हो चुका था और खून से लथपथ था।

# पटाखा बाजार में डमी फायर सिस्टम मिलने पर 4 दुकानदारों को फटकार

## एसडीएम ने एक घंटे में नए फायर सिस्टम लगाने के दिए निर्देश, शहर की यातायात व्यवस्था का भी लिया जायजा

पदमेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली पर्व को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए एसडीएम कटंगी विजय सिंह यादव ने अस्पताल ग्राउंड में लगाए गए पटाखा बाजार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चार दुकानों पर फायर एक्सटिंग्विशर केवल दिखावे के लिए रखे मिले। वहीं कुछ दुकानदार फायर सिस्टम को ठीक से संचालित भी नहीं कर पाए। इस पर एसडीएम ने संबंधित दुकानदारों को जमकर फटकार लगाई और एक घंटे के भीतर नए फायर सिस्टम लगाने के निर्देश दिए। ऐसा नहीं करने पर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने पटाखा दुकानों के सामने रखे पानी से भरे ड्रम, आग बुझाने के लिए नगर पालिका द्वारा उपलब्ध कराई गई बालू, फायर एक्सटिंग्विशर, फायर ब्रिगेड एवं पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने दुकानदारों से मौके पर ही फायर एक्सटिंग्विशर चलवाकर उसकी कार्यक्षमता भी जांची। एसडीएम ने स्पष्ट कहा कि अग्निशमन उपकरण केवल औपचारिकता के लिए नहीं, बल्कि दुकानदारों और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। उन्होंने नगर पालिका एवं थाना प्रभारी को निर्देश दिए कि आदेश का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

एसडीएम ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि पटाखा बाजार में सुरक्षा के सभी इंतजाम बेहतर रखे जाएं और फायर ब्रिगेड 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहे। उन्होंने दुकानदारों को यह भी स्पष्ट किया कि पटाखा बाजार परिसर में किसी भी प्रकार की आतिशबाजी या पटाखे चलाने की गतिविधि पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

### सिनेमा चौक से बस स्टैंड तक अतिक्रमण हटवाया

पटाखा बाजार के निरीक्षण के बाद एसडीएम यादव थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुशराम, नगर पालिका सीएमओ, तहसीलदार एवं अन्य अधिकारियों के साथ नगर भ्रमण पर निकले। इस दौरान उन्होंने सिनेमा चौक से बस स्टैंड तक यातायात व्यवस्था



का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान कई स्थानों पर दुकानों के सामने बेतरतीब खड़े वाहन और निर्धारित सीमा से बाहर लगी दुकानें देखने को मिलीं।

एसडीएम ने पुलिस बल की सहायता से निर्धारित सीमा से बाहर लगी दुकानों को मौके पर ही पीछे करवाया। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकानें निर्धारित सीमा में ही लगाएं, ताकि सड़क पर आवागमन बाधित न हो और नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

### मिट्टी के दीपक विक्रेताओं को शुल्क से छूट

नगर भ्रमण के दौरान सिनेमा चौक पर सड़क किनारे मिट्टी के दीपक बेचने वाले करीब आधा दर्जन दुकानदारों की व्यवस्था भी देखी गई। एसडीएम ने इन दुकानों को निर्धारित सीमा में व्यवस्थित करवाया। इस दौरान नगर पालिका सीएमओ ने स्पष्ट किया कि मिट्टी के दीपक बेचने वाले इन दुकानदारों से नगर पालिका द्वारा कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इससे दीपावली पर दीपक बेचने वाले छोटे विक्रेताओं को राहत मिलेगी।

### बेतरतीब वाहन खड़े करने पर होगी कार्रवाई

एसडीएम ने नगर पालिका के माध्यम से पूरे शहर में अनाउंसमेंट करवाकर नागरिकों और व्यापारियों को यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी दुकान के सामने बेतरतीब वाहन खड़े होने से यातायात बाधित होता है और शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित वाहनों पर चालानी कार्रवाई कर उन्हें थाने में रखा जाएगा। साथ ही संबंधित दुकानदार के विरुद्ध भी जुर्माना लगाया जा सकता है।

एसडीएम ने कहा कि दीपावली के पावन पर्व पर विशेषकर रविवार और सोमवार को शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने नगरवासियों से प्रशासन का सहयोग करने और अनुशासन के साथ त्योहार मनाने की अपील की। निरीक्षण के दौरान शहर में यातायात की स्थिति सामान्य पाई गई और कहीं भी जाम की स्थिति नहीं मिली। निरीक्षण में थाना प्रभारी श्री धर्मेंद्र कुशराम, नगर पालिका सीएमओ, तहसीलदार कटंगी सहित राजस्व, पुलिस एवं नगर पालिका का अमला मौजूद रहा।

# सरनेम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जागृति पटले पति दिलीप पटले वार्ड न. 06 ग्राम सालेटेका तहसील किरनापुर जिला बालाघाट(म.प्र.) कि निवासी हूं।

मैं शपथ पूर्वक कथन करती हूं कि मेरा विवाह पूर्व नाम व पता जागृति बिसेन पिता श्री घनाराम बिसेन वार्ड न. 02 भटेरा चौकी बालाघाट जिला बालाघाट(म.प्र.)था। विवाह पश्चात मेरा नाम व पता जागृति पटले पति श्री दिलीप पटले वार्ड न. 06 ग्राम सालेटेका तहसील किरनापुर जिला बालाघाट(म.प्र.) हो गया है। उक्त दोनो नाम जागृति पटले पति श्री दिलीप पटले एवं जागृति बिसेन पिता श्री घनाराम बिसेन दोनो मेरे स्वयं के है।

अतः मैं विवाह पूर्व के सरनेम जागृति बिसेन पिता श्री घनाराम बिसेन के स्थान पर विवाहोपरांत का सरनेम एवं पिता के स्थान पर पति का दर्ज करवाना चाहती हूं। एवं मुझे मेरे विवाहोपरांत के नाम जागृति पटले पति दिलीप पटले के नाम से जाना पहचाना एवं पढ़ा जावें।

**शपथकर्ता**
**जागृति पटले पति श्री दिलीप पटले**
**वार्ड न. 06 ग्राम सालेटेका तहसील किरनापुर**
**जिला बालाघाट( म.प्र. )**

# न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट ( म.प्र )

क्रमांक/069/अति.कले./वि.अधि. /2026 बालाघाट दिनांक 16/10/2026

## आम-सूचना

विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अन्तर्गत विशेष/अर्न्तजातीय विवाह हेतु आवेदकगण यश गजभिये उम्र 30 वर्ष पिता श्री अशोक गजभिये जाति महार निवासी वार्ड न. 13 चुडी बालाघाट तह. व जिला बालाघाट (म.प्र.) एवं आवेदिका कु. योगेश्वरी कार उम्र 31 वर्ष पिता श्री गोरेलाल कार जाति कुनबी निवासी ग्राम बिछ्लेगांव तह. लांजी जिला बालाघाट (म.प्र.) ने उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसमे विशेष विवाह हेतु सुनवाई दिनांक 18/11/2026 को नियत की गई है।

अतः उक्त विवाह के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह सुनवाई दिनांक 18/11/2026 तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रातः 10:00 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति लिखित रूप मे प्रस्तुत करें। नियत समयवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

**अपर कलेक्टर**
**एवं विवाह अधिकारी**
**जिला-बालाघाट**

# पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव आयोजित

## विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं में दिखाया उत्साह

पदमेश न्यूज। बालाघाट। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट में 6 नवंबर 2026 को वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विवेक कुमार, माइंस मैनेजर, मंगिल भरवेली एवं विशेष अतिथि गौरव प्रताप सिंह, पूर्व छात्र एवं यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक 317 प्राप्तकर्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के खेल ध्वज फहराने के साथ हुई। प्राचार्य श्री अरुण कुमार तुमसरे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए स्वागत उद्बोधन दिया। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद एनसीसी, स्काउट एवं विद्यालय के शिवाजी, टैगोर, अशोक और रमन सदनों के विद्यार्थियों ने आकर्षक मार्च पास्ट किया। खेल शिक्षक अर्जुन कुमार आर्वे ने वार्षिक खेल प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अतिथियों ने मशाल प्रज्वलित कर एवं रंग-बिरंगे गुब्बारे आसमान में छोड़कर खेल महोत्सव का शुभारंभ किया।




महोत्सव के दौरान 100 मीटर दौड़, रिले रेस, टग ऑफ वार, बोरा दौड़ और बाधा दौड़ सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमर सिंह, डिप्टी कमांडेंट, 123वीं बटालियन सीआरपीएफ भरवेली तथा विशेष अतिथि श्रीमती फिरोजा खान, मानवाधिकार आयोग कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं यूनेस्को सदस्य उपस्थित रहीं। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी नियमित रूप से भाग लेना चाहिए। समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों एवं चरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध



निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
म्यूट टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शनिवार 07 नवम्बर 2026

# बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## दीपावली में व्यापार बढ़ाने सड़कों पर कब्जे की होड़, जाम में कराहता बालाघाट शहर!

### दुकानों के बड़े-बड़े गेट, होर्डिंग और ठेलों ने छीनी सड़क की जगह, राजघाट चौक पर चारों तरफ जाम, यातायात पुलिस की बेबसी ने खोली प्रशासनिक व्यवस्था की पोल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में दीपावली की रौनक है, बाजारों में ग्राहकों की भीड़ है और व्यापारियों के कारोबार का चरम समय चल रहा है, लेकिन इस चमक-दमक के बीच आम नागरिकों की परेशानी किसी को दिखाई नहीं दे रही। शहर की सड़कों पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है और अतिक्रमण ने हालात बद से बदतर कर दिए हैं। काली पुतली चौक से मुख्य बाजार, राजघाट चौक , चक्र चौराहा से हनुमान चौक और गुजरी की संकरी गलियों तक हर तरफ जाम के हालात बन रहे हैं। जिला मुख्यालय पहुंचने वाले ग्रामीणों से लेकर शहरवासियों तक को चंद दूरी तय करने में लंबा समय लगाना पड़ रहा है। सवाल यह है कि त्योहार के नाम पर कारोबार तो खूब हो रहा है, लेकिन आम जनता को सड़क पर चलने तक की जगह क्यों नहीं मिल रही ?,





मुख्य बाजार में व्यापारिक प्रतिस्पर्धा अब सीधे सड़कों पर दिखाई देने लगी है। दुकानों के सामने बड़े-बड़े गेट, विशाल होर्डिंग, दुकान के नाम की सरचनाएं और प्रचार सामग्री लगाकर सड़क की जगह घेर ली गई है। एक व्यापारी दूसरे से बड़ा गेट और आकर्षक सजावट दिखाने की होड़ में लगा है, लेकिन इस होड़ में सार्वजनिक सड़क किसकी है, यह मानो सब भूल गए हैं। राजघाट चौक से मुख्य बाजार तक कई स्थानों पर दुकानों के बाहर लगाए गए गेट और प्रचार सामग्री आवागमन में बाधा बन रहे हैं। वहीं छोटी सड़कों पर टिपाल डालकर और सामान बाहर फैलाकर दुकानों को सड़क तक बढ़ा दिया गया है। राजघाट चौक से गुजरी जाने वाले मार्ग और मदन मेडिकल के ठीक पहले दूसरी ओर से गुजरी जाने वाली सड़क पर हालात इतने खराब हैं कि सड़क का कुछ हिस्सा दुकानों के कब्जे में दिखाई देता है। यहां सवाल सिर्फ अतिक्रमण का नहीं, बल्कि प्रशासन की उस खामोशी का भी है, जिसके चलते सार्वजनिक सड़कें धीरे-धीरे निजी दुकानों का विस्तार बनती जा रही हैं। धनतेरस के बाद मिठाई और अन्य त्योहार संबंधी दुकानों ने भी सड़कों के किनारे अपना सामान फैलाना शुरू कर दिया है। फुटकर व्यापारियों के ठेले और बड़े-बड़े अस्थायी स्टॉल भी प्रमुख सड़कों, गलियों और चौक-चौराहों पर जगह घेर रहे हैं। दूसरी ओर यातायात पुलिस चारपहिया वाहनों को मुख्य मार्गों में जाने से रोकने के प्रयास कर रही है, लेकिन मालवाहक और अन्य चारपहिया वाहन अब भी बाजार के भीतर पहुंचकर जाम बढ़ा रहे हैं। यानी एक तरफ वाहनों पर नियंत्रण की कोशिश हो रही है, तो दूसरी तरफ सड़क पर किए गए अतिक्रमण को लेकर व्यवस्था बेअसर नजर आ रही है। जब सड़क की आधी जगह दुकानों, होर्डिंग और ठेलों के कब्जे में होगी तो यातायात सुचारू कैसे चलेगा ? केवल वाहन चालकों को रोकना और नियमों का हवाला देना समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। 6 नवंबर को दोपहर राजघाट चौक पर बने जाम ने यातायात व्यवस्था की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी। चौक की चारों दिशाओं से वाहन धीरे-धीरे फंसते चले गए और कुछ ही देर में लंबी कतारें लग गईं। मौके पर मौजूद यातायात पुलिसकर्मी खुद यह कहते नजर आया कि वह अकेले किस दिशा का जाम खुलवाए। यदि एक तरफ जाता है तो दूसरी ओर जाम और लंबा हो जाता है। पुलिसकर्मी ने भी बल की कमी स्वीकार की। यह स्थिति तब है, जब दीपावली के दौरान बाजारों में भीड़ और यातायात का दबाव पहले से तय था। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या प्रशासन को त्योहार के दौरान अतिरिक्त पुलिस बल की जरूरत का अंदाजा नहीं था ? क्या शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर यातायात व्यवस्था के लिए कोई ठोस योजना तैयार नहीं की गई ?

#### प्रचार सामग्री यातायात को प्रभावित कर रही है- योगेंद मरावी

यातायात थाना प्रभारी योगेंद मरावी ने भी दूरभाष पर चर्चा में माना कि मुख्य बाजार में दुकानों के सामने बनाए गए बड़े गेट, नेम प्लेट और अन्य प्रचार सामग्री यातायात को प्रभावित कर रही है। उन्होंने इन्हें गलत बताते हुए जल्द ही यातायात नियमों का पालन कराने की बात कही। थाना प्रभारी ने यहां तक कहा कि त्योहार के दौरान विवाद की स्थिति बने, तब भी नियमों का पालन कराया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि कार्रवाई के लिए त्योहार खत्म होने का इंतजार क्यों ?, जब अतिक्रमण आंखों के सामने है, सड़कें सिकुड़ चुकी हैं और जनता रोज जाम में फंस रही है, तो फिर कार्रवाई के लिए किस मुहूर्त का इंतजार किया जा रहा है ?, प्रशासन को समझना होगा कि सड़कें व्यापारियों की निजी संपत्ति नहीं हैं। दुकानों की सजावट और कारोबार की प्रतिस्पर्धा के नाम पर आम जनता के आवागमन का अधिकार नहीं छीना जा सकता। यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया और यातायात व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो दीपावली की खरीदारी के लिए निकले लोगों की परेशानी आने वाले दिनों में और बढ़ सकती है।

## मासूम को सीताफल का लालच देकर घर ले गया युवक- छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार

### रामपायली पुलिस ने पांच दिन बाद आरोपी को पकड़ा वारासिवनी न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बच्चों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने की घटनाएं उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती हैं। ऐसा ही एक मामला जिले के रामपायली थाना क्षेत्र से सामने आया है जहां सात वर्षीय बालिका को सीताफल खिलाने का लालच देकर अपने



घर ले जाने और उसके साथ छेड़छाड़ करने का आरोप एक 30 वर्षीय युवक पर लगा है। पीड़ित की शिकायत के आद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था जिसकी पुलिस लगातार तलाश कर रही थी। आखिरकार पांच दिनों की मशक्कत के बाद 5 नवंबर को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

#### खेलते समय आरोपी के संपर्क में आई बच्ची

जानकारी के अनुसार 1 नवंबर की शाम रामपायली थाना क्षेत्र में रहने वाली सात वर्षीय बालिका अपने घर के आसपास खेल रही थी। इसी दौरान सुशील लिल्हारे 30 वर्ष ने बच्ची को सीताफल खिलाने की बात कहकर अपने विश्वास में लिया। आरोप है कि वह उसे अपने घर ले गया जहां उसके साथ छेड़छाड़ की। घटना के बाद बच्ची घर पहुंची और परिजनों को अपने साथ हुई घटना के संबंध में बताया।

#### शिकायत मिलते ही हरकत में आई पुलिस

मासूम से घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने तत्काल रामपायली थाने पहुंचकर पुलिस को शिकायत दी। सात वर्षीय बच्ची से संबंधित मामला होने के कारण पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया और आरोपी सुशील लिल्हारे के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 75(2), 74(1) तथा एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तलाश शुरू की।

#### फरारी के पांचवें दिन हुई गिरफ्तारी

मामला दर्ज होने के बाद आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी रही। लगातार प्रयासों के बाद 5 नवंबर को आरोपी सुशील लिल्हारे को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे उसी दिन शाम करीब 5 बजे वारासिवनी न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

#### पूर्व में भी जेल जा चुका है आरोपी

पुलिस कार्रवाई के दौरान यह जानकारी भी सामने आई है कि सुशील लिल्हारे पूर्व में भी छेड़छाड़ से जुड़े एक मामले में जेल जा चुका है। इसके बावजूद उस पर दोबारा इस तरह की घटना में संलिप्त होने का आरोप लगा है। फिलहाल आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में है और रामपायली पुलिस प्रकरण की विवेचना कर रही है।

## पटाखा दुकानों का पुलिस ने किया सुरक्षा निरीक्षण, लेकिन दुकानों के बीच दूरी पर उठे सवाल!





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली पर्व पर पटाखों की खरीदारी के लिए बाजारों में बढ़ती भीड़ और संभावित अग्नि दुर्घटनाओं को देखते हुए बालाघाट पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव ने कोतवाली पुलिस और बम निरोधक एवं खोजी दस्ते (बीडीडीएस) की संयुक्त टीम के साथ उच्कृष्ट विद्यालय मैदान में लगाई गई अस्थायी पटाखा दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने दुकानों में सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेते हुए पटाखा विक्रेताओं को निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने की समझाइश दी। पुलिस का उद्देश्य त्योहार के दौरान किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकना और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया। निरीक्षण के दौरान पटाखों के सुरक्षित भंडारण, दुकानों के बीच निर्धारित दूरी, विद्युत सुरक्षा, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और आपातकालीन स्थिति में बचाव के इंतजामों पर ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को निर्देशित किया कि दुकानों के आसपास ज्वलनशील सामग्री न रखें, बिजली के तारों और अस्थायी कनेक्शनों में लापरवाही न बरतें तथा आग जैसी स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक अग्निशमन उपकरण उपलब्ध रखें। साथ ही पटाखों का सुरक्षित तरीके से भंडारण करने और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की हिदायत भी दी गई। हालांकि पुलिस अधिकारियों द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किए जाने के बावजूद पटाखा दुकानों के बीच पर्याप्त दूरी को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि दुकानों के बीच नियमानुसार लगभग तीन मीटर की दूरी रखे जाने की अपेक्षा कई स्थानों पर यह अंतर महज एक मीटर के आसपास दिखाई दे रहा है। यदि दुकानों के बीच पर्याप्त जगह नहीं है तो किसी एक दुकान में आग लगने की स्थिति में दूसरी दुकानों तक आग पहुंचने का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में केवल निरीक्षण कर सुरक्षा निर्देश देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि मैदान में लगाई गई प्रत्येक दुकान निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संचालित हो रही है। हालांकि दुकानों के बीच वास्तविक दूरी और नियमों के उल्लंघन की स्थिति की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। दीपावली जैसे पर्व पर पटाखा दुकानों में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। पुलिस अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन पर जोर दिया है, लेकिन अब यह देखना होगा कि संबंधित जिम्मेदार विभाग दुकानों के बीच दूरी सहित सभी व्यवस्थाओं की दोबारा जांच कर नियमों का पालन सुनिश्चित कराते हैं या नहीं। त्योहार के दौरान आमजन की सुरक्षा केवल औपचारिक निरीक्षण से नहीं, बल्कि मौके पर नियमों के सख्ती से पालन और लगातार निगरानी से ही सुनिश्चित हो सकती है।

## धनतेरस पर बाजार में बरसा धन, सोना-चांदी से लेकर वाहनों तक की जमकर हुई खरीदी

### यूपीआई भुगतान में देरी ने बढ़ाई थोड़ी परेशानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शुक्रवार को धनतेरस के साथ ही पांच दिवसीय दीपावली पर्व की शुरुआत हो गई। धनतेरस पर नई वस्तुओं की खरीदारी को शुभ मानने की परंपरा के चलते बालाघाट के बाजारों में सुबह से देर शाम तक ग्राहकों की चहल-पहल बनी रही। ज्वेलर्स दुकानों से लेकर बर्तन बाजार, वाहन शोरूम और कपड़ा दुकानों तक खरीदारों की भीड़ दिखाई दी। त्योहार को देखते हुए व्यापारियों ने भी ग्राहकों की पसंद और बदलते दौर की मांग के अनुरूप नए-नए उत्पाद बाजार में उतारे थे। खासकर सोना-चांदी और बर्तनों की खरीदारी को लेकर लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई दुकानों में ग्राहकों की आवाजाही लगातार बनी रही और बाजार में दीपावली की रौनक साफ नजर आई। धनतेरस पर सोने-चांदी की खरीदारी को शुभ और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। यही वजह रही कि इस दिन ज्वेलर्स दुकानों में ग्राहकों की अच्छी-खासी भीड़ रही। व्यापारियों के मुताबिक धनतेरस पर बालाघाट में ज्वेलर्स का कारोबार करोड़ों रुपये तक पहुंचता है। हालांकि इस बार के कारोबार के आधिकारिक आंकड़े सामने नहीं आए हैं, लेकिन सोने और चांदी के दामों में आई गिरावट के चलते आभूषणों की खरीदी में तेजी देखने को मिली। लोगों ने छोटे-बड़े आभूषणों के साथ सोने में निवेश को भी प्राथमिकता दी। वहीं बर्तन दुकानों में भी स्टील, पीतल और अन्य धातुओं के बर्तनों की खरीदारी के लिए ग्राहक पहुंचते रहे। परंपरा के साथ जरूरत को जोड़ते हुए लोगों ने घरेलू उपयोग की वस्तुओं की भी जमकर खरीदी की। धनतेरस पर केवल ज्वेलर्स और बर्तन बाजार ही नहीं, बल्कि वाहन शोरूम में भी अच्छी रौनक रही। विभिन्न कंपनियों के शोरूम से लोगों ने दोपहिया और चारपहिया नए वाहन खरीदे। कई परिवारों ने शुभ मुहूर्त में वाहन की खरीदारी को प्राथमिकता दी। इसके अलावा कपड़ा बाजार में भी लोगों की भीड़ रही, जहां दीपावली के लिए नए कपड़े और अन्य जरूरी सामान खरीदे गए। व्यापारियों का कहना था कि बीते दीपावली सीजन की तुलना में इस बार कारोबार बेहतर रहा और ग्राहकों



की आवाजाही से बाजार में उत्साह बना रहा। धनतेरस के दिन हुई खरीदारी ने व्यापारियों को आगामी दिनों में भी अच्छे कारोबार की उम्मीद दी है। बाजार में धन की इस आवक से व्यापारी वर्ग प्रसन्नचित नजर आया। हालांकि बाजार में दिखाई दी इस रौनक के बीच किसानों की आर्थिक स्थिति का असर भी खरीदारी पर नजर आया। फसल की बिक्री नहीं होने और किसानों के हाथ में अपेक्षित राशि नहीं पहुंचने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले ग्राहकों की खरीदारी प्रभावित होने की बात भी सामने आई। इसके बावजूद धनतेरस पर शहर के प्रमुख बाजारों में भीड़ का दबाव इतना अधिक रहा कि कई मार्गों पर वाहन रेंगते नजर आए। दुकानों के आसपास ग्राहकों और वाहनों की आवाजाही बढ़ने से यातायात व्यवस्था पर भी असर पड़ा। बाजार में उमड़ी भीड़ ने एक ओर जहां कारोबार की गति दी, वहीं दूसरी ओर लोगों की आवागमन के दौरान परेशानी का सामना भी करना पड़ा। खरीदारी के दौरान इस बार डिजिटल भुगतान की व्यवस्था भी कुछ व्यापारियों के लिए परेशानी का कारण बनी। कुछ दुकानदारों ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि सामान्य दिनों में यूपीआई के माध्यम से किए गए भुगतान की राशि तत्काल खाते में पहुंच जाती है, लेकिन धनतेरस के दिन कई ट्रांजैक्शन में भुगतान प्राप्त होने में देरी हुई। ग्राहक के मोबाइल पर भुगतान सफल होने का संदेश दिखाई देने के बावजूद दुकानदारों को खाते में राशि आने का इंतजार करना पड़ा। कुछ व्यापारियों को शुरुआत में सर्वर डाउन होने की आशंका भी हुई, लेकिन थोड़ी देर बाद भुगतान की राशि धीरे-धीरे खातों में पहुंचती रही। हालांकि यह समस्या सभी दुकानों पर नहीं रही, लेकिन अधिक बिक्री और लगातार हो रहे डिजिटल ट्रांजैक्शन के बीच कुछ व्यापारियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी।

## 608 ग्राम गांजे के साथ 57 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार

### खैरलांजी पुलिस ने कटोरी और फूलचूर के बीच की कार्रवाई

#### 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 608 ग्राम गांजे के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 8 हजार रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपी सालिकराम राहंगडाले 57 वर्ष ग्राम कटोरी निवासी बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खैरलांजी पुलिस को सूचना मिली थी कि सालिकराम राहंगडाले अवैध रूप से गांजा लेकर उसे बेचने के उद्देश्य से ग्राम कटोरी से फूलचूर की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने कटोरी और फूलचूर के बीच घेराबंदी कर दी। इसी दौरान कटोरी की ओर से एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर उसने भागने का प्रयास किया,लेकिन पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सालिकराम राहंगडाले ग्राम कटोरी निवासी बताया।पुलिस ने उसके पास रखी पॉलीथीन की तलाशी ली तो उसमें तीखी गंध वाला मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। तौल करने पर गांजे का वजन 608 ग्राम पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 8 हजार रुपये आंकी गई।पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी सालिकराम राहंगडाले को धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी शशांक राणा के नेतृत्व में की गई।

# धनतेरस पर जमकर बरसा धन, व्यापारियों के चेहरों पर लौटी रौनक

## सोने-चांदी के बढ़े दामों और महंगाई के बावजूद लोगों ने की क्षमतानुसार खरीदारी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

**हिन्दू धर्मावलंबियों का पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व धनतेरस के साथ ही हर्षोल्लास के साथ शुरू हो गया है। धनतेरस के अवसर पर 6 नवंबर को नगर मुख्यालय लालबर्रा के सराफा बाजार, कपड़ा मार्केट, बर्तन दुकानों और किराना दुकानों में ग्रामीण अंचलों से पहुंचे लोगों ने अपनी पसंद के अनुसार जमकर खरीदारी की। हालांकि इस वर्ष बढ़ती महंगाई, ऑनलाइन खरीदी के चलन, किसानों की धान कटाई में व्यस्तता और बाहर कमाने गये लोगों के न लौट पाने के कारण बाजार में कुछ मिला-जुला असर देखने को मिला, फिर भी व्यापारियों के चेहरे खिले नजर आये। इस तरह से बढ़ती महंगाई एवं ऑनलाईन खरीदी के चलन के बावजूद भी पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष धनतेरस पर जमकर बरसा धन। वही व्यापारियों का कहना है कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष का व्यापार बहुत अच्छा रहा है। जिससे यह मानकर चले कि इस वर्ष धनतेरस पर बाजार में जमकर धन बरसा है।**





### धनतेरस के दिन नई सामग्री की खरीदी को अत्यंत शुभ माना जाता है

आपको बता दे कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनतेरस के दिन नई सामग्री की खरीदी को अत्यंत शुभ माना जाता है, जिससे वर्षभर माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। इसी आस्था के चलते सुबह से लेकर रात तक बाजारों में ग्राहकों का आना-जाना लगा रहा। सोने-चांदी के दामों में हुई बढ़ोतरी से भले ही ग्राहकों का उत्साह कुछ प्रभावित हुआ हो, लेकिन अपनी सामर्थ्य और क्षमता के अनुसार लोगों ने कुछ न कुछ खरीदारी अवश्य की। ज्वेलरी दुकानों में ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ रही। वहीं स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि तमाम चुनौतियों के बावजूद पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष का व्यापार काफी अच्छा रहा है।

### दीपोत्सव का पांच दिवसीय पर्व शुरू

दीपावली पर्व की रौनक महीने भर तक बनी रहती है किन्तु दीपावली के दिनों का खास महत्व है। जिसमें प्रथम दिन धनतेरस के रूप में बाजारों में धन की वर्षा होती है। धनतेरस के दूसरे दिन 7 नवंबर को नरक चौदस मनाई जायेगी, तीसरे दिन 8 नवंबर को माँ धनलक्ष्मी की पूजा अर्चना दीपावली पर्व एवं 9 नवंबर को गोवर्धन पर्वत की पूजा की जायेगी। दीपावली पर्व के अंतिम दिन 10 नवंबर को गाय खेलनी के साथ ही भाईदूज का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। स्थानीय कपड़ा, सराफा एवं बर्तन व्यापारियों ने बताया कि महंगाई के साथ ही किसानों की धान की कटाई जारी है और जो लोग बाहर कमाने गये है वापस नही आये है। साथ ही सोने-चांदी सहित अन्य सामग्री के दामों में वृध्दि हुई है यानि की महंगाई के कारण व्यापार पर व्यापक असर देखा जा रहा है। हालांकि लोगों ने धनतेरस के शुभ अवसर को देखते हुए खरीददारी जरूर की है और पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष का व्यापार बहुत अच्छा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि ऑनलाईन खरीदी होने के कारण भी व्यापार पर असर पड़ा है। खरीदी करने मार्केट पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा दीपावली पर्व बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है और धनतेरस का पर्व शुभ माना जाता है। आज सोना-चांदी खरीदते है तो हमेशा लक्ष्मी जी की कृपा बनी रहती है इसलिए आज के दिन अपनी स्थिति के आधार पर सोना-चांदी एवं बर्तन सहित अन्य सामग्री खरीदते हैं।

### धनतेरस पर सामग्री खरीदी करना शुभ है

लोकेश सोनवाने एवं पवन गौतम ने संयुक्त रूप से बताया कि धनतेरस पर विशेष रूप से चांदी की लक्ष्मी जी की मूर्ति खरीदी है और हमारे पूर्वजों के समय से यह संस्कृति चली आ रही है कि दीपावली हिंदू धर्म का सबसे बड़ा और पांच दिनों का पवित्र त्योहार है। इस दिन लोग अपनी क्षमता के अनुसार बर्तन, सोना और चांदी जैसी शुभ वस्तुएं अवश्य खरीदें। हिंदू ग्रंथों और परंपराओं के आधार पर इस दिन लेन-देन और खरीदारी करना सु:खद और मंगलकारी माना गया है।

### पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष व्यापार बहुत अच्छा रहा - प्रसन्न

दुकानदार प्रसन्न अवधिया ने बताया कि माँ लक्ष्मी और सांवरिया सेठ की कृपा से इस वर्ष धनतेरस का व्यापार बहुत ही अच्छा रहा है। धनतेरस के दिन सोना, चांदी और बर्तन खरीदने का विशेष महत्व होता है और धनतेरस पर्व से 5 दिवसीय दीपोत्सव पर्व शुरू हो चुका है। दीपावली के इन दिनों में लोग अपने घरों में सोना, चांदी और बर्तन लाकर सुख-समृध्दि और वैभव प्राप्त करें।

### कीमतों में आई नरमी से बाजार में लौटी रौनक - विनोद

दुकानदार विनोद सोनी ने बताया कि लंबे समय से बाजार में रौनक कम थी, लेकिन इस बार धनतेरस पर बाजार का व्यापार संतोषजनक रहा है। जिसका मुख्य कारण पिछले दिनों सोने-चांदी की कीमतों में जो भारी तेजी आई थी, उसमें अब कुछ सुधार (नरमी) देखने को मिला है, जिससे बाजार में खरीदार लौटे हैं। लंबे समय से बाजार में जो सन्नाटा छाया हुआ था, आज की रौनक को देखकर यह उम्मीद है कि आने वाले समय में व्यापार बढ़ेगा।

---

# पांढरवानी पंचायत में विकास की नई रोशनी

### धनतेरस पर हाई मास्क लाइट से रोशन हुए चौक-चौराहे और मंदिर-मस्जिद

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** ग्राम पंचायत पांढरवानी में विकास और जनसुविधाओं की एक नई मिसाल कायम करते हुए ग्राम पंचायत पांढरवानी के सरपंच अनीस खान ने एक अनूठी पहल की है। पंचायत अंतर्गत आने वाले प्रमुख चौक-चौराहों, मुख्य मार्गों तथा मंदिर व मस्जिद





जैसे धार्मिक स्थलों को हाई मास्क लाइटों से रोशन कर दिया गया है। सरपंच के इस सार्थक व सराहनीय कदम से पंचायत क्षेत्र में खुशी का माहौल है। वहीं इस चौक-चौराहे और मंदिर-मस्जिद में हाई मास्क लाइट की सौगात देने पर पांढरवानी सरपंच अनीस खान एवं अन्य पंचायतकर्मियों का बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा के प्रबंधक ज्ञानचंद शर्मा, पदाधिकारी रवि अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, शिवकुमार गोलछा सहित अन्य समाजसेवियों ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया है।

### सीमित रोशनी से मुक्ति, जगमगा उठे चौक-चौराहे

गौरतलब है कि नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा और इसके अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के कई चौक-चौराहों पर पूर्व में केवल सामान्य स्ट्रीट लाइटें ही लगी हुई थीं। इन स्ट्रीट लाइटों का प्रकाश दायरा सीमित होने के कारण बड़े चौराहों और धार्मिक स्थलों पर पर्याप्त रोशनी नहीं मिल पाती थी। जिससे रात के समय आवागमन में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या की गंभीरता को समझते हुए सरपंच अनीस खान ने दीवाली और धनतेरस के पावन पर्व से पूर्व ग्राम पंचायत के सभी प्रमुख चौक-चौराहों और मंदिरों-मस्जिदों में हाई मास्ट लाइट लगवाने का दूरदर्शी निर्णय लिया। उनके इस प्रयास रंग लाये और धनतेरस के शुभ अवसर पर पांढरवानी के चौक-चौराहे और धार्मिक स्थल हाई मास्क लाइटों की तेज और फैली हुई रोशनी से जगमगा उठे। वहीं सरपंच अनीस खान की इस अनूठी पहल की क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों ने खुलकर प्रशंसा की है। बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा के प्रबंधक, समाजसेवी ज्ञानचंद शर्मा, रवि अग्रवाल, शिवकुमार गोलछा और दीपक अग्रवाल ने संयुक्त रुप से अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसी सकारात्मक पहल हर पंचायत में होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अक्सर बड़े चौराहों पर केवल स्ट्रीट लाइटें होती हैं जो नाकाफी साबित होती हैं। ऐसे में हाई मास्क लाइट लगने से न केवल क्षेत्र की सुंदरता में चार-चांद लगे हैं, बल्कि पर्याप्त रोशनी रहने से आवागमन सुरक्षित हुआ है और चोरी जैसी असामाजिक घटनाओं पर भी प्रभावी अंकुश लगेगा। वहीं सरपंच श्री खान की इस सौगात से पांढरवानी पंचायत के रहवासियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार है जब पंचायत स्तर पर इतनी बेहतर और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था की गई है, जिससे पूरा क्षेत्र दूधिया रोशनी से जगमगा उठा है।

---

# सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र के तीन गेट पर्यटकों के लिए खुलेगें 10 से

### बैठक संपन्न, विभिन्न बिन्दुओं पर हुई चर्चा, अब लंबे अंतराल के बाद पर्यटक करेंगे बाघ सहित अन्य वन्यजीवों का दीदार

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** 1 अक्टूबर से सभी नेशनल पार्कों में जंगल सफारी शुरू हो चुका है और इन क्षेत्रों में पर्यटक भ्रमण कर वन्यप्राणियों का दीदार कर रहे है। लेकिन किसी कारणवश लालबर्रा क्षेत्र के सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र (कंर्जेवेशन एरिया) में पर्यटकों के लिए जंगल सफारी शुरू नही हो पाया था। जिस कारण से क्षेत्रीय पर्यटक एवं वन्यप्रेमियों के द्वारा लगातार वन विभाग से सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र को पर्यटकों के लिए प्रारंभ करने की मांग कर रहे थे। वहीं प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक सु:खद और उत्साहजनक खबर है। दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के परिक्षेत्र लालबर्रा अंतर्गत आने वाला प्रसिध्द सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र आगामी 10 नवंबर से औपचारिक रूप से पर्यटकों के लिए खोल दिया जायेगा। यानि की 10 नवंबर को प्रात:काल से ही पर्यटक जंगल सफारी का आनंद ले सकेगें। जिसकी तैयारी को लेकर 6 नवंबर को दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। यह बैठक दक्षिण वन मंडल बालाघाट सामान्य के वन मंडलाधिकारी नित्यानंदन एल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में वन परिक्षेत्र अधिकारी वेदांत गौतम, वरिष्ठ वन्यजीव प्रेमी व जैव विविधता के मास्टर ट्रेनर ज्ञानचंद शर्मा, जिप्सी चालक संघ के अध्यक्ष राहुल शर्मा सहित क्षेत्र के समस्त गाइड एवं जिप्सी चालक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

### तीन मुख्य गेटो से मिलेगा प्रवेश, शुल्क दरें निर्धारित

बैठक में शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पर्यटकों के लिए सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। वन विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पर्यटकों के प्रवेश के लिए अभ्यारण्य के तीनों मुख्य गेट नवेगांव, अंतरा एवं रमरमा को एक साथ खोला जा रहा है। इससे पर्यटकों को अपनी सुविधानुसार किसी भी गेट से बुकिंग कराकर जंगल में प्रवेश करने में आसानी होगी। पर्यटन संचालन को पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित शुल्कों की आधिकारिक घोषणा की गई है, जो निम्न प्रकार हैं प्रवेश शुल्क 1320 रूपये प्रति वाहन, गाइड शुल्क 800 रूपयें व जिप्सी शुल्क 2800 रूपये ऐसे कुल 4920 रूपये लगेगें। वहीं वन विभाग ने इस बार पर्यटन को अधिक पेशेवर और अनुशासित रूप देने के लिए विशेष पहल की है। विभाग की ओर से अभ्यारण्य में कार्यरत समस्त गाइडों और जिप्सी चालकों को आधिकारिक ड्रेस (वर्दी) एवं जूते उपलब्ध करवाये गये है। इससे न केवल पर्यटकों को प्रशिक्षित कर्मचारियों की पहचान करने में आसानी होगी, बल्कि सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र के भीतर एक अनुशासित वातावरण भी निर्मित होगा। साथ ही बैठक के दौरान जिप्सी संचालक संघ ने व्यावहारिक संचालन में आने वाली अपनी विभिन्न समस्याओं और सुझावों से वन मंडलाधिकारी को अवगत करवाया। वहीं वन मंडलाधिकारी नित्यानंदन एल ने जिप्सी चालकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। साथ ही वन्यजीवों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों ने सख्त निर्देश जारी किये हैं। जंगल सफारी के दौरान जिप्सी चालकों के लिए अधिकतम गति सीमा 20 किमी. प्रति घंटा निर्धारित की गई है। गति सीमा का उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी, ताकि तेज आवाज या गाड़ियों की रफ्तार से वन्यजीवों को किसी प्रकार की असुविधा या खतरा न हो।





### कम खर्च और कम समय में दुर्लभ वन्यजीवों के होगें दीदार

गौरतलब है कि लालबर्रा क्षेत्र का सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र को आगामी 10 नवंबर से खोला जा रहा है। जिससे क्षेत्र के पर्यटन प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र जैव विविधता के मामले में बेहद समृध्द माना जाता है। इस परिक्षेत्र में बाघ, तेंदुआ, हिरण और बायसन (भारतीय गौर) जैसे कई दुर्लभ वन्यजीव बड़ी संख्या में मौजूद हैं, जो अक्सर मुख्य मार्गों के आसपास आसानी से विचरण करते हुए नजर आते हैं। आमतौर पर लोग वन्यजीवों को देखने के लिए बड़े नेशनल पार्कों में हजारों-लाखों रूपये खर्च करते हैं और काफी समय भी बिताते हैं। वहीं दूसरी ओर सोनेवानी वन्यजीव परिक्षेत्र में स्थानीय लोगों और सैलानियों को बेहद कम खर्च और कम समय में ही इन सभी दुर्लभ जीवों का दीदार हो जाता है। यही कारण है कि यह क्षेत्र हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है। वहीं सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता और वन्यजीवों की सघनता के कारण पूरे क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बना चुका है। इसकी बढ़ती ख्याति और महत्ता को देखते हुए स्थानीय नागरिकों तथा वन्यजीव प्रेमियों द्वारा इसे पूर्ण अभ्यारण्य का दर्जा दिये जाने की मांग लंबे समय से लगातार उठाई जा रही है। 10 नवंबर से गेट खुलने के बाद एक बार फिर यहां पर्यटकों की चहल-पहल बढ़ने की पूरी उम्मीद है।

### पर्यटक नियमों का पालन करते हुए वन्यजीवों का करें दीदार - ज्ञानचंद

दूरभाष पर चर्चा में वरिष्ठ वन्यजीव प्रेमी एवं मास्टर ट्रेनर ज्ञानचंद शर्मा ने बताया कि सोनेवानी का मिश्रित जंगल अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृध्द जैव विविधता के लिए जाना जाता है। इस सल में पर्यटक यहां खुले वातावरण में विचरण करते हुए वन्यजीव बाघ, तेंदुआ, बायसन, सांभर, चीतल, भालू और अन्य दुर्लभ वन्यजीव के साथ ही पक्षी व वनस्पतियों में राष्ट्रीय पक्षी मोर सहित विभिन्न स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां का नजदीकी से दीदार कर सकेगें। श्री शर्मा ने बताया कि 10 नवंबर से सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र पर्यटकों के लिए शुरू हो रही। इस सफारी को लेकर स्थानीय निवासियों और पर्यटन व्यवसायियों में भी भारी उत्साह है। साथ ही यह भी बताया कि वन विभाग ने सभी प्रकृति प्रेमियों से अपील की है कि वे जंगल के नियमों का पालन करें, प्लास्टिक का उपयोग न करें और शांति बनाये रखते हुए पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन का आनंद लें।

---

# गणेशपुर में प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत गणेशपुर के प्रगतिशील कृषक श्यामलाल कटरे के खेत में इफको बालाघाट के द्वारा गुरूवार को प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय मुरझड़ के डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. आर.के. ठाकुर, डॉ. उत्तम बिसेन एवं डॉ. रमेश अमूले के मुख्य आतिथ्य, परियोजना संचालक आत्मा डॉ. रामनाथ पटेल,विनोद ठाकरे प्रबंधक बल्हारपुर समिति, एईओ कु. शीतल शुक्ला, ए ई ओ अंकित शरणागत, इफको प्रतिनिधि रत्नेश शुक्ला, गणेशपुर सरपंच हेमंत कटरे के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर इफको क्षेत्रीय अधिकारी वैदिक अगाल ने उपस्थित अतिथियों एवं कृषकों को प्रगतिशील कृषक श्यामलाल कटरे के खेत पर इफको द्वारा किये गये प्रगतिशील कृषक प्रदर्शन की विस्तृत जानकारी दी और उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य किसानों को नैनो उर्वरकों की उपयोगिता एवं लाभों से परिचित कराना तथा पारंपरिक दानेदार उर्वरकों के उपयोग में कटौती करते हुए आधुनिक नैनो उर्वरक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने धान की फसल में संतुलित उर्वरक प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नैनो उर्वरकों के उचित एवं अनुशासित उपयोग से फसल की उत्पादकता बढ़ाने के संबंध में कृषकों को मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. आर.एस. रघुवंशी ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तार से जानकारी प्रदान की और फसल अवशेष (पराली) प्रबंधन में बायो डिकम्पोजर की उपयोगिता बताते हुए कृषकों को पराली जलाने के स्थान पर उसके उचित अपघटन एवं मृदा में जैविक पदार्थों की मात्रा बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. उत्तम बिसेन ने धान की फसल में इस समय दिखाई देने वाले प्रमुख कीटों एवं रोगों की पहचान, उनकी रोकथाम तथा प्रभावी प्रबंधन के संबंध में किसानों को जागरूक किया। साथ ही कृषकों को संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाने तथा अनुशंसित मात्रा में दानेदार उर्वरकों के उपयोग के साथ नैनो उर्वरकों का उचित समावेश करने की सलाह दी। डॉ. रामनाथ पटेल ने किसानों को रबी फसलों में आवश्यक शस्य क्रियाओं की जानकारी देते हुए कृषकों को इफको नैनो डीएपी से बीज उपचार करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही अपने कटनी जिले के तेवरी ब्लॉक में नैनो डीएपी बीज उपचार के अनुभव भी साझा किये तथा इसके उपयोग से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। वहीं कार्यक्रम के अंत में कृषकों को प्रक्षेत्र भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने नैनो उर्वरकों के उपयोग से संबंधित प्रदर्शन का अवलोकन किया तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के महत्व को समझा। इस अवसर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक खमरिया शाखा प्रबंधक दीपक देशमुख, पर्यवेक्षक एसडी बोपचे, निलजी प्रबंधक युगल बिसेन, खमरिया प्रबंधक राधेलाल बोरकर, डोकरबंदी प्रबंधक बीके राणा सहित अन्य कर्मचारी एवं किसानगण उपस्थित रहे।












# धनतेरस पर बाजार में उम्मीद के अनुरूप नहीं हुई खरीदारी

## सराफा ,बर्तन ,पटाखा सभी जरूरत के सामान की खरीदी तक सिमटे लोग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। दीपावली के पांच दिवसीय पर्व का आगाज धनतेरस के साथ हो गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार शुभ माने जाने वाले इस पर्व पर नगर के बाजारों में लोगों की आवाजाही तो दिखाई दी लेकिन सराफा और बर्तन बाजार में खरीदारी का उत्साह अपेक्षा के अनुरूप नजर नहीं आया। धनतेरस पर अच्छे कारोबार की उम्मीद लगाए बैठे व्यापारियों को इस बार निराशा हाथ लगी। हालांकि व्यापारियों को उम्मीद है कि दीपावली के शेष दिनों में बाजार में रौनक लौटेगी और लक्ष्मी पूजन के पहले खरीदारी में तेजी आएगी। वहीं किसानों की फसल कटाई का दौर जारी होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस बार दीपावली का पर्व सीमित खर्च के साथ मनाने की तैयारी दिखाई दे रही है।

### महंगाई ने खरीदारी पर लगाया अंकुश

बाजार में खरीदारी अपेक्षा से कम रहने के पीछे बढ़ती महंगाई को प्रमुख कारण माना जा रहा है। आम जरूरतों की वस्तुओं के दाम बढ़ने से लोगों का घरेलू बजट प्रभावित हुआ है। ऐसे में सोना चांदी और अन्य महंगी वस्तुओं की खरीदारी लोगों की प्राथमिकता में पीछे चली गई है। बाजारों में भीड़ तो रही लेकिन दुकानों तक पहुंचने वाले ग्राहकों में पहले वर्षों जैसा उत्साह दिखाई नहीं दिया। लोगों ने अपनी आर्थिक स्थिति और जरूरत को ध्यान में रखते हुए सीमित खरीदारी करना ही उचित समझा।

### त्योहारों की खरीदारी भी जरूरत तक सीमित

धनतेरस पर सराफा और बर्तन बाजार में ग्राहकों की संख्या पिछले वर्षों की अपेक्षा कम दिखाई दी। सोना चांदी के लगातार बढ़ते भाव सुनकर कई लोगों ने बड़ी खरीदारी से दूरी बनाई। वहीं कुछ ग्राहकों ने परंपरा निभाने के लिए चांदी के सिक्के अथवा आवश्यकता अनुसार सोने की वस्तुएं खरीदीं। बर्तन बाजार में भी तांबे के लोटे, गिलास, कटोरी सहित अन्य छोटी मोटी वस्तुओं की खरीदारी अधिक देखने को मिली। कुल मिलाकर इस बार धनतेरस पर लोगों का रुझान महंगी वस्तुओं की बजाय जरूरी सामान की खरीदारी की ओर रहा।

### पटाखा बाजार में भी छाई मायूसी

धनतेरस के दिन पटाखा बाजार में भी अपेक्षा के अनुरूप कारोबार नहीं हुआ। अच्छे व्यवसाय की उम्मीद लगाए बैठे पटाखा व्यापारियों को पहले दिन निराशा का सामना करना पड़ा। व्यापारियों के अनुसार इस बार पटाखा दुकानों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष जहां ८८ दुकानें लगाई गई थीं वहीं इस वर्ष इनकी संख्या बढ़कर १०३ से अधिक हो गई है। दुकानों की संख्या बढ़ने और ग्राहकों की सीमित खरीदारी का असर कारोबार पर दिखाई दे रहा है। फिलहाल बच्चों की फरमाइश के अनुसार ही परिवार पटाखों की खरीदारी कर रहे हैं। बाजार में शिवकाशी से मंगाए गए स्वदेशी पटाखे उपलब्ध हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि दीपावली के शेष दिनों में बिक्री में तेजी आएगी।

### सड़कों पर रही भीड़, दुकानों में सीमित खरीदारी

धनतेरस पर नगर की सड़कों और बाजारों में लोगों की अच्छी आवाजाही रही। किराना दुकानों पर पूजा पाठ और त्योहार में उपयोग होने वाली सामग्री खरीदने वालों की भीड़ दिखाई दी। लोगों ने रंगोली, मिठाई, बताशे, सिंघाड़े, मिट्टी के दीपक, माता लक्ष्मी की प्रतिमा सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी की। वहीं कपड़ा और अन्य दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। हालांकि सराफा और बर्तन बाजार में वैसी रौनक नजर नहीं आई जैसी धनतेरस के अवसर पर सामान्य तौर पर देखने को मिलती है। लोगों ने अपनी जरूरत के अनुसार सामग्री खरीदी और घर लौट गए।

### भगवान धन्वंतरी की विधि विधान से हुई पूजा

धनतेरस के अवसर पर लोगों ने भगवान धन्वंतरी की विधि विधान से पूजा अर्चना कर परिवार की सुख समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान धन्वंतरी को आयुर्वेद एवं आरोग्य का देवता माना जाता है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान वे अमृत कलश और औषधियों के साथ प्रकट हुए थे। इसी कारण धनतेरस पर उनकी पूजा का विशेष महत्व है। पांच दिवसीय दीपावली पर्व के पहले दिन लोगों ने परंपरानुसार पूजा अर्चना कर पर्व की शुरुआत की। धनतेरस के बाद अब नरक चतुर्दशी और दीपावली की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

### आगे के कारोबार को लेकर असमंजस में व्यापारी

धनतेरस पर अपेक्षा के अनुरूप कारोबार नहीं होने से व्यापारी वर्ग आगामी दिनों के व्यापार को लेकर असमंजस में है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार में लोगों की आवाजाही तो बनी हुई है, लेकिन अधिकांश ग्राहक केवल आवश्यक वस्तुओं की ही खरीदारी कर रहे हैं। इसके पीछे किसानों की फसल कटाई का समय महीने के प्रारंभ में दीपावली का पड़ना और लगातार बढ़ती महंगाई को प्रमुख वजह माना जा रहा है। सोना चांदी सहित अन्य धातुओं के भाव बढ़ने से भी खरीदारी प्रभावित हुई है। हालांकि व्यापारियों को उम्मीद है कि दीपावली के शेष दिनों में बाजार में उछाव आएगा और लक्ष्मी पूजन के पहले कारोबार में तेजी देखने को मिलेगी।

# प्रत्येक व्यक्ति को उसका अधिकार मिलना बेहद जरूरी -प्रदीप जायसवाल

## मदनपुर में स्वामित्व अधिकार एवं अभिलेख निष्पादन कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार स्वामित्व अधिकार एवं अभिलेख निष्पादन पंजीयन योजना २०२६ के अंतर्गत ग्राम मदनपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री





प्रदीप जायसवाल मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रदीप जायसवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को उसका अधिकार मिलना बेहद जरूरी है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और योजनाओं की जानकारी एवं लाभ घर घर तक उपलब्ध हों,यह हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। श्री जायसवाल ने कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के अधिकारों का कानूनी प्रमाण उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ग्राम मदनपुर में इस योजना के अंतर्गत कुल १४६ हितग्राहियों की रजिस्ट्री भू.अभिलेखों के माध्यम शासकीय व्यय से की गई है। जिससे ग्रामीणों को अपनी संपत्ति के स्वामित्व का कानूनी दस्तावेज प्राप्त हो सकेगा। श्री जायसवाल ने कहा कि लाड़ली बहना योजना,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति को भी इनका लाभ मिले। इस अवसर पर सांसद श्रीमती भारती पारधी,पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक पटेल, बालाघाट कलेक्टर आदित्य सिंह,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता हनवत,ग्राम मदनपुर की सरपंच श्रीमती झिलपे,मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे एसडीएम श्रीश प्यासी,तहसीलदार वंदना कुशराम राजस्व निरीक्षक सहित प्रशासनिक एवं राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी,समस्त पटवारीगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं किसान उपस्थित रहे।

# प्रगतिशील किसान सुभाष पारधी के खेत पहुंचे कलेक्टर आदित्य सिंह

## कलेक्टर एवं पूर्व मंत्री ने मिश्रित खेती एवं एग्रो फॉरेस्ट्री का किया अवलोकन







पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकेंद्रा निवासी प्रगतिशील किसान सुभाष पारधी के खेत में ६ नवंबर को जिला कलेक्टर आदित्य सिंह पहुंचे। इस दौरान उन्होंने किसान के द्वारा अपनाई जा रही मिश्रित खेती एवं एग्रो फॉरेस्ट्री पद्धति का अवलोकन कर विभिन्न फसलों के उत्पादन और खेती की संभावनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने खेत में मसाला फसलों के रूप में लगाई गई बड़ी इलायची एवं तेजपान के पौधों का अवलोकन किया। इसके साथ ही प्लांटेशन में लगाए गए चीकू के पौधों को भी देखा। उन्होंने किसान सुभाष पारधी से इन फसलों की खेती की प्रक्रिया, उत्पादन, रखरखाव तथा इनके माध्यम से होने वाली संभावनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। प्रगतिशील किसान सुभाष पारधी के द्वारा पारंपरिक खेती के साथ विविध फसलों एवं फ लदार पौधों को अपनाकर खेती में नए प्रयोग किए जा रहे हैं। मिश्रित खेती और एग्रो फॉरेस्ट्री के माध्यम से कृषि को विविधता प्रदान करने का यह प्रयास क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक साबित हो सकता है। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान मौके पर उपस्थित रहे जिनके द्वारा किसानों की आ रही समस्याओं के संबंध में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं जिला कलेक्टर आदित्य सिंह को अवगत कराया गया। वहीं लड़सड़ा उपार्जन केंद्र को भेंडारा की जगह समिति में स्थापित करने मांग की गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, यशवंत लिल्हारे, उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय सहित अन्य किसान एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

### परंपरागत खेती के साथ मिश्रित खेती को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहे -सुभाष पारधी

किसान सुभाष पारधी ने बताया कि वे परंपरागत खेती के साथ मिश्रित खेती एवं एग्रो फॉरेस्ट्री को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसी उद्देश्य से उन्होंने प्रयोग के तौर पर बड़ी इलायची के पौधे लगाए हैं जिनमें अब बड़ी संख्या में फल आने लगे हैं। बेहतर परिणाम मिलने पर आने वाले समय में वे इन पौधों की संख्या और बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। खेत में जिला कलेक्टर का आगमन हुआ जिनके द्वारा उक्त पौधों का अवलोकन करने के बाद खेत में सुपर सीडर मशीन के माध्यम से की जा रही गेहूं की बोआई का भी अवलोकन किया। सुजाता प्रजाति का गेहूं का बीज उन्होंने गत वर्ष की फसल से तैयार किया था और इस वर्ष उसका उपयोग कर रहे है।

### किसानो को उन्नत खेती करनी चाहिए जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत हो -आदित्य सिंह

कलेक्टर आदित्य सिंह ने बताया कि उन्नत किसान के खेत में सुपर सीडर देखने के लिए यहां पर हमारा आना हुआ था। यहां देखकर संतोष है कि परालली का ऐसा प्रबंधन हो सकता है सुपर सीडर खेती को उन्नत बनाने के लिए आधुनिक तकनीक है। यहां पर देखा गया नवाचार की अच्छे पौधे लगे हैं बड़ा इलाइच्चा चीकू और तेजपता को भी किस प्रकार प्रमोट कर रहे हैं। ऐसी खेती किसानों की करनी चाहिए ताकि आर्थिक स्थिति उनकी मजबूत हो सके।

### किसानों की आय दोगुनी कैसे हो इस विषय पर चर्चा की गई-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि ग्राम सिकेंद्रा में किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुभाष पारधी के खेत में जिला अध्यक्ष यशवंत लिल्हारे के साथ किसान आए थे वहीं कलेक्टर भी पहुंचे थे तो हम भी वहां पहुंचे। अभी रबी का सीजन आने वाला है उसमें किस तरह कम लागत में ज्यादा उपज ले उसके लिए आधुनिक उपकरण से अवगत करवाया गया। कलेक्टर ने देखा कि सुपरसीडर आया और कैसे कम कर रहा है यह जो मशीन है वह सभी काम करती है। इस दौरान खेतों में किसानों से चर्चा हुई उन्होंने अपनी समस्या भी बताई पंजीयन के लिए आभार भी व्यक्त किया आधुनिक खेती सफल प्रयोग बताए गए इस प्रकार की चर्चा जिला कलेक्टर कृषि अधिकारी किसानों के साथ हुई।

# कनकी गायत्री प्रज्ञा पीठ का 42वां वार्षिक पर्व कल , पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का होगा आयोजन

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गायत्री प्रज्ञा पीठ कनकी में ८ नवंबर, रविवार को 42वां वार्षिक पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर लक्ष्मी पूजन एवं दीप पर्व के साथ पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम अखंड दीप एवं माताजी के जन्म शताब्दी तथा विचार क्रांति अभियान के अंतर्गत आयोजित हो रहा है। गायत्री परिवार ट्रस्ट मंडल की ओर से आयोजित इस धार्मिक आयोजन में युग निर्माण योजना के सूत्रधार वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा के सूक्ष्म संरक्षण की भावना के साथ मानव में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग के अवतरण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी और श्रद्धालुजनों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। आयोजन की शुरुआत 8 नवम्बर को सुबह 11:25 से 11:30 बजे तक ध्वजारोहण के साथ होगी। इसके पश्चात सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक जल कलश यात्रा निकाली जाएगी। दोपहर 1:30 से 3:30 बजे तक पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ, विभिन्न संस्कार और पूर्णाहुति संपन्न कराई जाएगी। इसके बाद दोपहर 3:35 से शाम 4:15 बजे तक प्रबुद्धजनों की विचार गोष्ठी आयोजित होगी, जिसमें विचार क्रांति अभियान और युग निर्माण के उद्देश्यों पर चर्चा की जाएगी। क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता करने का आग्रह किया है।**

# किरनापुर के हिमांशु पाठक का राष्ट्रीय स्तर पर चयन, क्षेत्र में हर्ष की लहर

## स्कूल गेम वॉलीबॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हासिल की उपलब्धि

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र के युवा खिलाड़ी हिमांशु पाठक पिता वेद पाठक ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल के प्रति समर्पण के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सूर्योदय वॉलीबॉल क्लब, किरनापुर के खिलाड़ी हिमांशु पाठक का स्कूल गेम वॉलीबॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन हुआ है हिमांशु के राष्ट्रीय स्तर पर चयन की खबर मिलते ही सूर्योदय वॉलीबॉल क्लब सहित समस्त खेल प्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। इस उपलब्धि को लेकर क्लब के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए हिमांशु को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सूर्योदय वॉलीबॉल क्लब




किरनापुर के संरक्षक भुवन भाऊ राहंगडाले, टूर्नामेंट समिति अध्यक्ष डॉ. नन्हे बर्वेकार, उपाध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान, राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, मंगल प्रसाद रैकवार,सचिव शिव तारन,ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि जे.पी.रामटेके, पंचायत सदस्य अंकुश पचभैया, संजय चौधरी ,अजय मसकोले,अनिल चापेकर,अहद ताजर, कमलेश चौधरी, चन्दू राहंगडाले,राकेश बीरकर, हरीश भूते, योगेन्द्र फूलबांधे एवं समस्त क्लब परिवार ने हिमांशु की मेहनत, लगन और खेल भावना की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि हिमांशु राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन कर किरनापुर एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

# नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व है नरक चतुर्दशी

कार्तिक कृष्ण पक्ष में मनाए जाने वाले पांच दिवसीय दीपोत्सव का दूसरा पर्व नरक चतुर्दशी है, जिसे छोटी दीपावली, रूप चतुर्दशी और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक संदेशों का अनूठा संगम है। 'नरक चतुर्दशी' नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसका संबंध मृत्यु के देवता यमराज और नरक से मुक्ति की मान्यता से जुड़ा है। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन यमराज की पूजा, व्रत और दीपदान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा मनुष्य को नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस पर्व पर अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तिल का तेल लगाकर उबटन करने और स्नान करने से रूप, सौंदर्य तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, हनुमान जी की पूजा और यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा भी प्रचलित है। विशेष रूप से घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर यमराज से परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की जाती है। इस वर्ष चतुर्दशी तिथि दो दिन रहने के कारण पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होकर 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में चतुर्दशी तिथि होने के कारण यम दीपदान, हनुमान पूजा और काली चौदस की पूजा 7 नवंबर को की जाएगी जबकि उदयातिथि के अनुसार 8 नवंबर की सुबह अभ्यंग स्नान होगा। नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सद्गुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं। 'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी। नरक चतुर्दशी के साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और उसे मारकर उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी।

# झिलमिलाती झालरों में गुम होती मिट्टी के दीयों की दिवाली

कभी दिवाली मिट्टी के दीयों की सौंधी महक, घर में बनते पकवानों की मिठास, आँगन में उकेरे जाते मांडणों, रिश्तों के अपनत्व और लोक परंपराओं की जीवंतता का पर्व हुआ करती थी। त्योहार आने से कई दिन पहले ही घरों में तैयारियाँ शुरू हो जाती थीं। बच्चों के चेहरों पर उत्साह होता था, महिलाओं के हाथों में काम की व्यस्तता और बुजुर्गों के पास परंपराओं से जुड़ी अनगिनत स्मृतियाँ होती थीं। समय बदला, जीवनशैली बदली और दिवाली मनाने के तौर-तरीके भी बदल गए। आज बिजली की रंग-बिरंगी लड़ियाँ, आकर्षक सजावट, महँगी उपहार, मिठाइयाँ के सुंदर डिब्बे, पटाखों का शोर और इंटरनेट पर शुभकामनाओं की भरमार इस पर्व का हिस्सा बन चुके हैं। आधुनिकता ने त्योहार को नया स्वरूप तो दिया है, लेकिन इस चमक-दमक के बीच एक सवाल भी उठता है कि क्या हमने दिवाली की मूल आत्मा को कहीं पीछे छोड़ दिया है? दिवाली केवल अमावस्या की रात को रोशन करने का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और दूरियों पर अपनत्व की विजय का प्रतीक है। धनतेरस, रूप चौदस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जैसे पाँच पर्वों से सजा यह उत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत और पारिवारिक एकजुटता का परिचायक है। दुर्भाग्य से आज अनेक परिवारों में इसकी रौनक एक दिन की औपचारिकता तक सिमटती जा रही है।

दिवाली की सबसे सुंदर और विशिष्ट पहचान मिट्टी के दीये हुआ करते थे। त्योहार से कई दिन पहले बाजारों में कुम्हारों की दुकानें सज जाती थीं। बच्चे अपने माता-पिता के साथ दीये खरीदने जाते और घर लौटकर उन्हें पानी में भिगोने, सुखाने तथा व्यवस्थित करने में हाथ बँटाते थे। फिर उनमें तेल और बाती डालकर घर के कोने-कोने में उजाला जाता था। मिट्टी के इन छोटे-छोटे दीयों की टिमटिमाती लौ में केवल रोशनी नहीं, बल्कि मिट्टी से जुड़ाव, श्रम का सम्मान और अपनी परंपराओं के प्रति आत्मीयता भी समाहित होती थी। गाँवों में कुम्हार अपने चाक पर मिट्टी से दीये, कुल्हड़, खिलौने और अन्य उपयोगी वस्तुएँ बनाते थे। कई स्थानों पर किसान अनाज के बदले कुम्हारों से दीये लेते थे। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारस्परिक सहयोग की ऐसी व्यवस्था थी, जिसमें एक परिवार की खुशियाँ दूसरे परिवार की आजीविका से जुड़ी होती थीं। आज बिजली की झालरों और सजावटी रोशनियों ने मिट्टी के दीयों का स्थान काफी हद तक ले लिया है। हम घर की सजावट पर हजारों रुपये खर्च करने से नहीं हिचकिचाते, लेकिन मिट्टी का दीया खरीदते समय उसकी कीमत पर मोलभाव करते हैं। इसका सीधा असर उन कुम्हार परिवारों पर पड़ रहा है, जिनकी पीढ़ियाँ इसी पारंपरिक व्यवसाय से जुड़ी रही हैं। ऐसे में मिट्टी के दीये खरीदना महज परंपरा निभाना नहीं, बल्कि स्थानीय कारीगरों की आजीविका, आत्मसम्मान और पारंपरिक हुनर को बचाने का छोटा लेकिन सार्थक प्रयास है।

दिवाली की तैयारियों में कभी घर की रसोई भी उत्सव का प्रमुख केंद्र हुआ करती थी। महिलाएँ कई दिन पहले से लड्डू, मठरी, शक्करपारे, नमकपारे, चकली, गुझिया और तरह-तरह के नमकीन बनाने में जुट जाती थीं। घर की रसोई से उठती घी और मसालों की खुशबू पूरे वातावरण को त्योहारमय बना देती थी। परिवार के दूसरे सदस्य भी अपने-अपने ढंग से सहयोग करते थे। कोई सामग्री तैयार करता, कोई पकवान तलने में मदद करता तो कोई उन्हें डिब्बों में सजाता था। इन पकवानों में केवल आटा, घी और चीनी नहीं, बल्कि परिवार का सामूहिक श्रम, प्रेम और अपनापन भी घुला होता था। आज समय की कमी और बदलती जीवनशैली के कारण बाजार की मिठाइयों तथा पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर निर्भरता बढ़ गई है। बाजार से मिठाई खरीदना गलत नहीं है, लेकिन घर में कुछ पारंपरिक पकवान बनाकर परिवार के साथ बाँटने का आनंद किसी महँगी मिठाई के डिब्बे में नहीं मिल सकता। आखिर मिठास केवल मिठाई में नहीं, बल्कि उसे बनाने, परोसने और अपनों के साथ बाँटने के भाव में भी होती है।

राजस्थान की लोक संस्कृति में दिवाली की तैयारियों का विशेष महत्व रहा है। महीनों की सफाई और लिपाई-पुताई के बाद आँगन में मांडणे बनाए जाते थे। रंगोली, फूलों की सजावट और पारंपरिक आकृतियाँ घर की सुंदरता में चार चाँद लगा देती थीं। मुख्य द्वार पर आम और अशोक के पत्तों के बंदनवार बाँधे जाते थे। पूजा स्थल की विशेष रूप से सजाया जाता और घर की महिलाएँ पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार लक्ष्मी पूजन की तैयारियाँ करती थीं। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन की नहलाने, सजाने और उनकी पूजा करने की परंपरा भी उत्सव का अभिन्न हिस्सा रही है। महिलाएँ और लड़कियाँ घर में मेहँदी लगाना, पुराने मित्र से मिलना और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ही त्योहार की वास्तविक सार्थकता है। एक क्लिक से भेजी गई शुभकामना और किसी के घर जाकर दी गई आत्मीय बधाई के भाव में अंतर होता है। तकनीक संपर्क का माध्यम बन सकती है, लेकिन रिश्तों की गर्माहट मनुष्य के व्यवहार से ही कायम रहती है।

दिवाली के उत्सव में बढ़ता दिखावा और महँगाई भी विचारणीय विषय है। महँगे कपड़े, उपहार, सजावट और सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर होने वाला अनावश्यक खर्च कई परिवारों पर आर्थिक दबाव पैदा करता है। सोशल मीडिया पर दूसरों की सजावट और उत्सव देखकर अपनी खुशियों को उनसे बड़ा दिखाने की प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है। परिणामस्वरूप त्योहार कभी-कभी आनंद के बजाय आर्थिक बोझ बन जाता है। जबकि भारतीय संस्कृति में त्योहारों का मूल भाव सादगी, संतोष, सद्भाव और सामूहिक प्रसन्नता रहा है। किसी जरूरतमंद परिवार को मिठाई देना, किसी गरीब बच्चे को नए कपड़े दिलाना या किसी अकेले बुजुर्ग के साथ कुछ समय बिताना महँगे उपहारों से कहीं अधिक मूल्यवान हो सकता है। खुशियाँ जितनी बाँटी जाती हैं, उतनी ही बढ़ती हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं को भी न भुलाएँ। इसके लिए किसी बड़े परिवर्तन या अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता नहीं है। इस दिवाली कुछ मिट्टी के दीये खरीदें, स्थानीय कुम्हारों को प्रोत्साहित करें, घर में पारंपरिक पकवान बनाएँ, बच्चों को मांडणों और लोक परंपराओं से परिचित करवाएँ, बुजुर्गों के साथ समय बिताएँ और किसी जरूरतमंद की सहायता करें। अगली पीढ़ी को केवल बिजली की लड़ियाँ, कैमरों और सोशल मीडिया पर प्रदर्शित होने वाली दिवाली नहीं, बल्कि मिट्टी के दीयों, पारिवारिक आत्मीयता, लोक संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं से सजी दिवाली भी विरासत में मिलनी चाहिए। पुरानी परंपराओं को ज्यों का त्यों दोहराना आवश्यक नहीं, लेकिन उनमें निहित प्रेम, सहयोग, सादगी और सम्मान के मूल्यों को बचाए रखना हमारा दायित्व है।

आखिरकार, बिजली की लड़ियाँ घर रोशन कर सकती हैं, लेकिन रिश्तों में उजाला नहीं भर सकतीं। महँगे उपहार चेहरे पर क्षणिक मुस्कान ला सकते हैं, लेकिन मन की सच्ची खुशी अपनत्व से ही मिलती है। पटाखों का शोर उत्सव का एहसास करा सकता है, लेकिन किसी के मन का सन्नाटा दूर नहीं कर सकता। इसलिए इस दिवाली केवल घर नहीं, दिल भी रोशन करें। मिट्टी के दीये जलाएँ, अपनी संस्कृति सँभालें, मेहनतकश कारीगरों का सम्मान करें और उन रिश्तों को समय दें, जिन्हें आधुनिक जीवन की भागदौड़ में पीछे छोड़ आए हैं। क्योंकि दिवाली की वास्तविक सार्थकता उसकी बाहरी चमक में नहीं, बल्कि उस उजाले में है जो हमारे व्यवहार, विचारों और संवेदनाओं में दिखाई देता है। झिलमिलाती झालरों के बीच मिट्टी के दीयों की ली खुशने न पाए, यही हमारी परंपरा, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों के प्रति सच्चा संकल्प होना चाहिए।

**-सुनील कुमार महला**

# बदलते युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत की सैन्य शक्ति को नई उड़ान ड्रोन मिसाइल और आधुनिक रक्षा तकनीक से मजबूत होगी राष्ट्रीय सुरक्षा

युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी युद्ध का फैसला सैनिकों की संख्या, बंदूकों और तोपों की ताकत से होता था, लेकिन आज आधुनिक तकनीक ने युद्ध के पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। अब आसमान से निगरानी, ड्रोन तकनीक, मिसाइल प्रणाली, अत्याधुनिक लड़ाकू विमान और हवाई रक्षा प्रणाली किसी भी देश की सैन्य शक्ति के महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-ईरान संघर्ष ने दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पारंपरिक सैन्य ताकत के साथ तकनीकी क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है। भारत भी बदलती परिस्थितियों को समझते हुए अपनी सेनाओं के आधुनिकीकरण को दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसी बदलते सैन्य परिदृश्य पर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए भारतीय सेनाओं को केवल वर्तमान जरूरतों के अनुरूप नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। रक्षा मंत्री का यह संदेश बताता है कि भारत अपनी सुरक्षा व्यवस्था को समय के साथ अधिक सक्षम और आधुनिक बनाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है।भारत का रक्षा बजट चित्त वर्ष 2026-27 में बढ़कर 7 लाख 85 हजार करोड़ रुपये हो गया है। इसमें सेना के आधुनिकीकरण और पूंजीगत खरीद के लिए 2 लाख 19 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रक्षा बजट में यह बढ़ोतरी केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सेना की परिचालन क्षमता, आधुनिक तकनीक, स्वदेशी उत्पादन और राष्ट्रीय सुरक्षा के पूरे ढांचे को मजबूत करना है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति तभी सुरक्षित रह सकती है, जब उसकी सीमाएं सुरक्षित हों और उसकी रक्षा व्यवस्था किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हो। भारत के लिए आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है। वर्ष 2014-15 में देश का रक्षा उत्पादन लगभग 46,429 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर करीब 1 लाख 78 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत रक्षा क्षेत्र में



विदेशी निर्भरता कम करने और घरेलू उद्योगों को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज देश की बड़ी कंपनियों के साथ छोटे और मध्यम उद्योग भी रक्षा उत्पादन में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। इससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ भारतीय तकनीकी क्षमता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना में नई सैन्य संरचनाओं के विकास का भी उल्लेख किया। इनमें अग्नि प्लाटून, भैरव बटालियन और शक्तिबाण रेजिमेंट विशेष महत्व रखती हैं। ये नई सैन्य संरचनाएं बदलती युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप सेना की क्षमताओं को विकसित करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। अग्नि प्लाटून के माध्यम से पैदल सेना की प्रत्येक बटालियन को अपनी ड्रोन इकाई उपलब्ध कराने की योजना है। इसका उद्देश्य सैनिकों को निगरानी और सूचनाओं के लिए अन्य सैन्य संसाधनों पर पूरी तरह निर्भर रहने से बचाना है। आधुनिक युद्ध में समय पर सही जानकारी मिलना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। ड्रोन तकनीक इस दिशा में सेना की सहायता कर सकती है। भैरव बटालियन को पैदल सेना और विशेष बलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित खतरों का समय रहते पता लगाने में आधुनिक तकनीक की उपयोगिता बढ़ी है। भारत ने भी अपनी हवाई रक्षा प्रणाली, मिसाइल क्षमता और स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। देश की सुरक्षा केवल सीमा पर तैनात जवानों के साहस पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उनके पास उपलब्ध आधुनिक संसाधनों और तकनीकी सहयोग पर भी निर्भर करती है। भारत के सामने पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियां हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद और सुरक्षा संबंधी गतिविधियां भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। वहीं चीन के साथ सीमा पर सतर्कता और रणनीतिक तैयारी आवश्यक है। ऐसे में भारत की सैन्य शक्ति का आधुनिकीकरण किसी देश को चुनौती देने के लिए नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता, सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी है। भारत की नीति शांति, संवाद और सहयोग की रही है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था भी अनिवार्य है। जो देश अपनी रक्षा के लिए सक्षम होता है, उसकी कूटनीतिक स्थिति भी अधिक मजबूत होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की सोच को लगातार आगे बढ़ाया गया है। स्वदेशी हथियारों, रक्षा उपकरणों, तकनीकी अनुसंधान और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने से भारत की रक्षा क्षमता में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। सरकार का प्रयास है कि भारतीय सेनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार देश में ही आधुनिक तकनीक विकसित हो और विदेशी निर्भरता धीरे-धीरे कम हो। यह केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है। जैसलमेर की बैठक में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से आधुनिकीकरण पर प्रस्तुतीकरण देने को कहा और सदस्यों के सुझावों पर यथासंभव अमल करने का आश्वासन दिया। इससे स्पष्ट है कि रक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में सरकार विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श और संस्थागत सुधारों को भी महत्व दे रही है। भारत की सैन्य शक्ति का वास्तविक उद्देश्य युद्ध करना नहीं, बल्कि युद्ध को आवश्यक होने से रोकना और देश में शांति बनाए रखना है। सीमाएं सुरक्षित रहेंगी तो विकास की गति भी निर्बाध बनी रहेगी। किसान खेतों में उत्पादन कर सकेंगे, उद्योग आगे बढ़ेंगे, व्यापार का विस्तार होगा और नागरिक सुरक्षित वातावरण में अपना जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आज आवश्यकता है सेना को आधुनिक संसाधन, स्वदेशी तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और पर्याप्त आर्थिक सहयोग मिलता रहे। बदलते समय में वही राष्ट्र अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, जो भविष्य की चुनौतियों के लिए वर्तमान में तैयारी करता है। भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। मजबूत सेना, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन और आधुनिक तकनीक के समन्वय से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी।

**-कांतिलाल मांडोत**

# खुलकर हंसना व मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है

**-किशन रामचंदानी भावनानी**

दुनियां में जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन हो वो भाग्यशाली और खुश इंसान है। केवल आज की ही क्यूं वो इंसान हर दुनियां में खुश है। महाभारत में धर्मराज युधिष्ठिर से एक यक्षने प्रश्न पुछा के हे धर्मराज सबसे बडा सुख कौनसा है इस प्रश्न के उत्तर के स्वरूप युधिष्ठिरजी ने कहा समाधान ही सर्वोत्तम सुख है। मनुष्य के पास बहुत सारा पैसा हो अच्छी शादीशुदा जिंदगी हो अच्छे माता पिता हो लेकिन मन में संतोष व प्रसन्नता न हो तो ऐसा व्यक्ती आज की या किसी भी दुनियां में खुश नही हो सकता। आज की दुनियां में पैसा अतिआवश्यक है। लेकीन मन का संतोष प्रसन्नता उससे भी अधिक आवश्यक है,और एक बात जो की आवश्यक है वो है आपकी सेहत, सेहत अछी हो तो व्यक्ती का जीवन आनंदमय होता हैं,वैसे तो कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खुबसुरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस!! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है!! क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है। इसलिए आज हम इस पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सृजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नह होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्सुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लुटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुलभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दृरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ भी भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है!! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2022 में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षों से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वीं रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी खराब हालात जो आहर्य वाली बात है। साथियों बात अगर हम मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता वो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अध्याय में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुतः प्रसन्नता चुंबकीय संपदा एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता-असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है ।प्रसन्नता मानवों में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक भावना है। प्रसन्नता के विभिन्न कारण हो सकते हैं अपनी इच्छाओं की पूर्ति से संतुष्ट होना। अपने दिन-रात के जीवन की गतिविधियों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल पाना। किसी अचानक लाभ से लाभांवित होना। किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होना।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता के लक्ष्यों की प्राप्ति की करें तो, प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है। यदि वह असफल भी हो जाता है तो निराश होने और अपनी विफलता के लिए दूसरों को दोष देने की अपेक्षा अपनी चूक के लिए आत्मनिरीक्षण करना ही उचित समझता है ।ज्ञानीजन और अनुभवी बताते हैं कि प्रसन्नता जैसे दैवीय-वरदान से कुतर्कों और षड्यंत्रकारी लोग सदैव वंचित रह जाते हैं। प्रसन्न व्यक्ति स्वयं को प्रसन्न रखकर दूसरों को भी प्रसन्न रखने की अद्भुत सामर्थ्य रखता है। प्रसन्नता को प्रभु-प्रदत्त संपदा समझने वाले व्यक्ति ही सदैव सुखी रहते हुए यशस्वी, मनस्वी, महान और पराक्रमी बनकर समाज और राष्ट्र के लिए आदर्श स्थापित करने में सक्षम हो सकते हैं। प्रसन्नता ही सुखी जीवन का मूल मंत्र है। प्रसन्नता हमारा अनमोल खजाना है। प्रसन्नता को जरूर लुटाइए फ्री देखिए, उसका खजाना बढ़ता चला जाएगा ।भलाई करना कर्तव्य नहीं, आनन्द है । क्योंकि वह प्रसन्नता को पोषित करता है । सबको प्रसन्न करने की शक्ति सब में नहीं होती । प्रसन्नता आत्मा को शक्ति प्रदान करती है । प्रसन्नतापूर्वक उठाया गया बोझ हल्का महसूस होता है। प्रसन्नता शब्द का प्रयोग मानसिक या भावनात्मक अवस्थाओं के संदर्भ में किया जाता है, जिसमें संतोष से लेकर तीव्र आनंद तक की संकारात्मक या सुखद भावनाएं शामिल हैं। इसका उपयोग जीवन संतुष्टि, व्यक्तिपरक कल्याण, यूडिमोनिया, उत्कर्ष और कल्याण के संदर्भ में भी किया जाता है इसलिए हर व्यक्ति ने इस गुण को अपने में समाहित कर जीवन को सफल बनाने के मंत्र को अपनाना चाहिए। अंत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि खुलकर हंसना, मुस्कुराना,प्रसन्न रहना चाहिए,मन की प्रसन्नता खुदसृजित की हुई दवा के समान है ।दुनियां में मन का संतोष प्रसन्नता खुशी और अच्छी सेहत ही सबसे बड़ी पूंजी है ।आज की दुनियां में वो सबसे अधिक खुश है जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन है।

## इंदौर बाजार भाव

**इंदौर। एजेंसी।** लेवाली के चलते शुक्रवार को अनाज मंडी में चना बाजार उछाल पर रहे। उड़द व मूंग में मजबूती वनी। खाद्य तेलो में बाजार कमोवेश बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन मामूली लटक पर रहा। किराना जिंसों में बाजार बने रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली के चलते बाजार 100 रू. क्विंटल तक उछल गये। उड़द-मूंग में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में कमोवेश टिकाव बना रहा। तिलहनों में सोयाबीन 100 रू. क्विंटल की मामूली लटक पर रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार मजबूत रहे। भाव इस प्रकार रहे-

**किराना**- शक्कर 5450-5550, खोपरा गोला 370-430, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, गई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 790-825, गारबल्ड 770-775, मटरदाना 850-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नगन केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (बनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंधाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शेकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानवार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ो 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मौजे ग्यिम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, सेस 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

**तेल**- सींगदाना 1770-1790, मुम्बई 1820, राजकोट तेलिया 2800, सोया सार्ल्वेट 1340-1350, सोया रिफाईंड 1400-1410, कपासया 1425, धूलिया 1430, कड़ी 1435,

**रात की धारणा**- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1390, मुम्बई सोया 1435,

**खली**- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-बुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

**तिलहन**- ससो 8800, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 6900, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

**दलहन**- चना कंटिवाला बेस्ट 7550-7600, विशाल 7450-7550, काबुली चना डॉलर 7200-8500, काबुली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9200-9300, एवरेज 9000-9100, हल्की 8900-9000, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

**दाल**- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

**अनाज**- गेहूँ मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

**चावल**- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिलर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

**मावा**- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

## इंदौर सर्राफा बाज़ार

**इन्दौर। एजेंसी।** शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 188000, चाँदी (99) 187800, टंच 187200, सिक्का 2600, सोना 10 शाम 145000,

## रुपया बढ़त के साथ बंद

**मुंबई। एजेंसी।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 31 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.04 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया नौ पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में रातौंरात आई तेजी और अमेरिकी डॉलर में सुधार से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.50 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दिखाता है। हालांकि, शुरुआती कारोबार में इसमें मामूली सुधार हुआ और यह 94.36 प्रति डॉलर के उच्च स्तर तक पहुंच गया। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.41 पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 101.71 पर आ गया।

# धनतेरस पर शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

**मुम्बई। एजेंसी।** भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को धनतेरस पर भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में वे उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इस पूरे सप्ताह बाजार में तेजी रही। इसी कारण आज भी दिन भर कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1,718.01 अंक बढ़कर 81,028.02 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 493.75 अंक बढ़कर 25,030.35 पर बंद हुआ। यह लगातार सातवां सत्र था, जब बाजार बढ़कर बंद हुआ है। इस दौरान बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 30 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 503 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। वहीं पे 28 अक्टूबर को 473 लाख करोड़ रुपए था। आज बाजार में सबसे अधिक तेजी निजी बैंकों के शेयरों में रही। वहीं निफ्टी प्राइवेट बैंक 3.22 के शेयर भी लाभ में रहे। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूम ड्यूरेबल्स, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंजपशन, निफ्टी फार्मा, निफ्टी कमोडिटीज, के



शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मीडिया, निफ्टी इंडिया डिफेंसऔर निफ्टी एनर्जी के शेयरों में गिरावट रही। आज मिड्कैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 157.40 अंक गिरकर 18,975.05 और निफ्टी मिडकैप 14.25 अंक की मामूली गिरावट के साथ 60,606.65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में केवल एक शेयर में ही गिरावट रही। एमएंडएम, आईसीआईआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, सन फार्मा, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे केवल पावरग्रिड के शेयर ही नीचे आये। बाजार में उछाल का एक मुख्य कारण विदेशी निवेशकों की वापसी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 33 अंक चढ़कर 79,343.06 अंक पर और एनएसई निफ्टी 52.95 अंक फिसलकर 24,477.40 अंक पर रहा। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसैंग काफी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे।

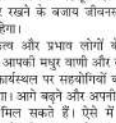
## धनतेरस पर गाड़ियों की बंपर बिक्री का अनुमान

**नई दिल्ली। एजेंसी।** धनतेरस पर देश का वाहन बाजार जोरदार बिक्री की उम्मीद कर रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने दोपहिया, चारपहिया और वाणिज्यिक वाहनों सहित सभी श्रेणियों में मजबूत मांग का अनुमान जताया है, जिससे उत्सव के इस माहौल में बिक्री में तेजी आने की संभावना है। फाडा के अनुसार, समग्र बाजार धारणा सकारात्मक बनी हुई है और ग्राहकों का रुझान काफी उत्साहजनक है। हालांकि, उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति में संभावित बाधाओं का जिक्र किया, जिससे कुछ श्रेणियों में डिलीवरी प्रभावित हो सकती है। इस नवंबर को धनतेरस और आठ नवंबर को दिवाली होने के कारण, यह महीना खुदरा बिक्री के लिए एक बड़ा अवसर है। फाडा के एक सर्वेक्षण में 51 फीसदी से अधिक डीलरों ने इस महीने बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई है। पुरानी कारों का बाजार भी पीछे नहीं है, जहां मांग आपूर्ति से अधिक बनी हुई है। कार्स24 के एक अधिकारी ने बताया कि नवरात्र में उनकी बिक्री सालाना आधार पर 58 फीसदी बढ़ी और धनतेरस पर यह सामान्य दिनों की तुलना में तीन से चार गुना होने का अनुमान है। हालांकि, फाडा ने पिछले साल की धनतेरस बिक्री से तुलना करने के प्रति आगाह किया है, जब जीएसटी दरों में कटौती और दबी हुई मांग के कारण असाधारण वृद्धि देखी गई थी। इस बार, उद्योग स्वाभाविक मजबूत मांग और सकारात्मक उपभोक्ता भावना के दम पर बिक्री में उछाल की उम्मीद कर रहा है।

## बदली अमेरिकी कांग्रेस, अब भारत के पास बेहतर व्यापार समझौते का सुनहरा मौका!

**नई दिल्ली। एजेंसी।** अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनावों के नतीजों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के समीकरणों में एक नया मोड़ ला दिया है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा प्रतिनिधि सभा पर नियंत्रण हासिल करने से भारत के लिए अधिक संतुलित व्यापार समझौते की बातचीत की गुंजाइश बन सकती है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने कार्यकाल में तत्काल सफलता के लिए व्यापार पर त्वरित समझौते हेतु दबाव बढ़ा सकते हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। डेमोक्रेट्स का प्रतिनिधि सभा पर नियंत्रण राष्ट्रपति ट्रंप की व्यापार नीतियों पर अमेरिकी संसद की निगरानी बढ़ाएगा और एकतरफा शुल्क लगाने की उनकी क्षमता को सीमित करेगा। हालांकि, यह अमेरिका की व्यापक संरक्षणवादी नीति में तत्काल बदलाव नहीं लाएगा। विशेषज्ञ बताते हैं कि ट्रंप धारा 232 और 301 जैसी मौजूदा शक्तियों के साथ-साथ कार्यकारी आदेशों का उपयोग करके एकतरफा व्यापार दबाव बनाना जारी रखेंगे। रूस, चीन और ईरान पर विदेश नीति में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद, ट्रंप को एक त्वरित जीत की आवश्यकता है। ऐसे में वे अमेरिकी कृषि और औद्योगिक उत्पादों के लिए भारतीय बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु भारत पर जल्द व्यापार समझौते के लिए दबाव बढ़ा सकते हैं। दूसरी ओर, विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़तली कांग्रेस संरचना और डेमोक्रेटिक्स द्वारा एकतरफा शुल्कों का विरोध करने के कारण भारत के पास अब एकतरफा व्यापार समझौते के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का बेहतर अवसर है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल पहले ही कह चुके हैं कि भारत केवल तभी समझौता करेगा जब उसे अपने प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले शुल्क में बहुत मिलेगी। विश्लेषकों के अनुसार, भारत को स्पष्ट और लगातार लिए जा सकने वाले पारस्परिक रियायतों, विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप समझौते और अपनी ऊर्जा सुरक्षा व विकास प्राथमिकताओं की रक्षा करने की पूरी स्वतंत्रता पर जोर देना चाहिए। कुछ जानकार दिसंबर में प्लेटीरिया में होने वाली जी20 बैठक को दोनों नेताओं के लिए इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

## आज का राशिफल



**मेष**- आज का दिन आपको सोच-समझकर कदम उठाने और अपने धैर्य को बनाए रखने की सीख दे सकता है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और फिजूलखर्ची से बचने की कोशिश करें। कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना जरूरी होगा। सेहत के मामले में लापरवाही न करें, क्योंकि छोटी-सी परेशानी भी आगे चलकर आपकी दिनचर्या प्रभावित कर सकती है।

**वृषभ**- आज भाग्य का साथ मिलने से आपके कई काम आसानी से पूरे हो सकते हैं। जिस काम को लेकर आप काफी समय से प्रयास कर रहे हैं, उसमें सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। निवेश से लाभ होने और कारोबार में तेजी आने के संकेत हैं, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिल सकती है। हालांकि, पैसों के साथ-साथ रिश्तों को भी पर्याप्त महत्व देना जरूरी होगा।

**मिथुन**- आज आपकी समझदारी, बुद्धिमानी और सही समय पर निर्णय लेने की क्षमता आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होने के संकेत हैं और लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने से मन को राहत मिल सकती है। आपके कुछ फैसले आसपास के लोगों के लिए अप्रत्याशित हो सकते हैं, लेकिन उनके परिणाम आपके पक्ष में आने की संभावना है।

**कर्क**- आज आपको अपनी प्राथमिकताएं तय करके अधूरे कामों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। जिन जिम्मेदारियों को आप लगातार टाल रहे हैं, वे आगे चलकर परेशानी का कारण बन सकती हैं। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें और जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं। वैवाहिक जीवन में कभी-कभी भावनात्मक दूरी या छोटी-मोटी नाराजगी महसूस हो सकती है। ऐसे में मन की बात दबाकर रखने के बजाय जीवनसाथी से खुलकर बातचीत करना बेहतर रहेगा।

**सिंह**- आज आपका व्यक्तित्व और प्रभाव लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बन सकता है। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार दूसरों को प्रभावित करेंगे, वहीं कार्यस्थल पर सहयोगियों का साथ मिलने से काम करना आसान होगा। आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा साबित करने के कई अवसर मिल सकते हैं। ऐसे में अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें और दूसरों की सफलता से तुलना करने के बजाय अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें।

**कन्या**- आज का दिन कामकाज की व्यस्तता और भागदौड़ से भरा रह सकता है। किसी व्यावसायिक या जरूरी काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है, जिसके कारण थकान महसूस हो सकती है। परिवार से जुड़ा कोई विषय मन में चिंता पैदा कर सकता है, इसलिए परेशानियों को अकेले सोचने के बजाय अपनों से बातचीत करें।

**तुला**- आज घर-परिवार में खुशियों और उत्साह का माहौल बन सकता है। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की सूचना मिल सकती है या शादी-विवाह से जुड़ी तैयारियां घर की रौनक बढ़ा सकती हैं। अपनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि, अपनी निजी जिंदगी और महत्वपूर्ण योजनाओं से जुड़ी हर बात दूसरों को बताने से बचें।

**वृश्चिक**- आज का दिन खुशियों के साथ कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी लेकर आ सकता है। कामकाज का दबाव बढ़ने से थोड़ी थकान या मानसिक व्यस्तता महसूस हो सकती है, लेकिन छोटे-छोटे आर्थिक लाभ आपका उत्साह बनाए रखेंगे।

**धनु**- आज आपके सामने आगे बढ़ने और अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के कई अवसर आ सकते हैं। आय बढ़ाने के नए रास्तों पर विचार करने का मौका मिलेगा और सही योजना के साथ काम करने पर लाभ की संभावना भी बन सकती है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने पर पुरानी यादें ताजा होंगी और मन प्रसन्न रहेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को कोई उत्साहजनक सूचना मिल सकती है, हालांकि अपनी मेहनत और तैयारी में निरंतरता बनाए रखना जरूरी होगा।

**मकर**- आज आपको हर महत्वपूर्ण कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत होगी। जल्दबाजी या अधूरी जानकारी के आधार पर लिया गया फैसला आर्थिक और व्यक्तिगत मामलों में परेशानी पैदा कर सकता है। इसलिए किसी भी बड़े निर्णय से पहले सभी जरूरी तथ्यों को समझ लें और आवश्यकता पड़ने पर अनुभवी व्यक्ति की सलाह लें। इस बीच किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे आपका मन खुश हो सकता है।

**कुंभ**- आज कारोबार में लाभ मिलने की संभावना है, हालांकि काम के दौरान तकनीकी समस्याएं या छोटी-मोटी रुकावटें आपकी गति धीमी कर सकती हैं। ऐसी परिस्थितियों में परेशान होने के बजाय अपने अनुभव और व्यावहारिक समझ का इस्तेमाल करें। धैर्य से काम लेने पर समस्याओं का समाधान मिल सकता है।

**मीन**- आज आपकी मेहनत, लगन और जिम्मेदारी निभाने का तरीका लोगों के सामने आपकी अच्छी छवि बना सकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न होगा और पुरानी यादें फिर से ताजा हो सकती हैं। परिवार के साथ बिताया गया समय आपको भावनात्मक संतोष देगा। जीवनसाथी के साथ कुछ खास पल बिताने का अवसर मिल सकता है।

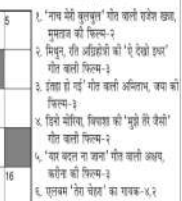
## शब्दजाल- 8443

शब्द जाल में 'अ' से शुरू होने वाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | अ | मु | ग | त | ए | अ | व | धी | त | ध |
| द | अ | व | प्रे | व | अ | स | द | ह | मं | ह |
| र | स | त | क्ष | दी | व | स | अ | कां | क्ष | र |
| जी | ति | त | प | श | ता | स | द | ह | बा | त |
| त | व | अ | र | र | अ | गु | ऋ | प | द | े |
| क | त | अ | शो | त | अ | भिं | अ | न | श | जू |
| क | स | अ | क | अ | न | ला | द | शा | जू | े |
| द | अ | त | व | व | जी | था | ऐ | बें | प | सा |
| क | बा | ना | क | त | क | छ | प | न | हिं | जू |
| क | र्व | वा | तें | व | न | ज | द | अ | जू | व |
| अ | र | अ | प | अ | व | ली | क | न | प | रु |

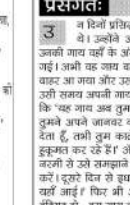
अर्थी, अवकाश, अवतार, अर्धना, अलौकिक, अक्षवार, अभिलाषा, अवलोकन, अशोकवृक्ष, अहिंसा.

### शब्दजाल - 8442 का हल



## दैनिक पंचांग

7 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



| ग्रह | स्थिति |
|---|---|
| सूर्य | तुला में |
| चंद्र | कन्या में |
| मंगल | कर्क में |
| बुध | तुला में |
| गुरु | सिंह में |
| शुक्र | कन्या में |
| शनि | मीन में |
| राहु | कुंभ में |
| केतु | सिंह में |

| ग्रह | स्थिति |
|---|---|
| सूर्यास्त | 06.56 बजे से |
| चंद्र | 09.12 बजे से |
| मंगल | 11.17 बजे से |
| बुध | 13.04 बजे से |
| गुरु | 14.36 बजे से |
| शुक्र | 16.07 बजे से |
| शनि | 17.42 बजे से |
| राहु | 19.45 बजे से |
| केतु | 21.59 बजे से |

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

| | |
|---|---|
| सूर्योदय | 2026 वर्ष का 311 वा दिन |
| दिशाशूल | पूर्व जाते गरद। |
| विक्रम संवत् | 2083 शक संवत् 1948 |
| मास | कार्तिक (दक्षिण भारत में अश्विन) पक्ष कृष्ण |
| तिथि | जयोदशी 10.48 बजे को समाप्त। |
| नक्षत्र | चित्रा 05.53 बजे प्रातः को समाप्त। योग प्रीति 03.28 बजे तक |
| करण | विष्टि 10.48 बजे तदनन्तर बव 23.06 बजे को समाप्त। |
| चन्द्रराशि | 24.3 घण्टे |
| सूर्य नक्षत्र | दक्षिण 16° 13' |
| सूर्य दक्षिणायन | काल अहर्गण 1872886 |
| जूलियन दिन | 2461351.5 |
| कलियुगाब्द संवत् | 5128 |
| कल्पाब्द संवत् | 1972949128 |
| सृष्टि सहस्राब्द संवत् | 1955885128 |
| पारसी/शाही संवत् | 2552 |
| हिजरी सन् | 1448 |
| महीना | जमादि उलाखर तारीख 26 |
| क्रिश्चन | वाली तारीख, हनुमान पूजा, मासिक शिवरात्रि। |

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| काल | 05.55 से 07.23 बजे तक | लाभ | 05.27 से 07.10 बजे तक |
| शुभ | 07.23 से 08.51 बजे तक | अमृत | 07.10 से 08.42 बजे तक |
| रोग | 08.51 से 10.19 बजे तक | शुभ | 08.42 से 10.14 बजे तक |
| उद्वेग | 10.19 से 11.46 बजे तक | चल | 10.14 से 11.47 बजे तक |
| चल | 11.46 से 01.14 बजे तक | लाभ | 11.47 से 01.19 बजे तक |
| लाभ | 01.14 से 02.42 बजे तक | अमृत | 01.19 से 02.51 बजे तक |
| अमृत | 02.42 से 04.10 बजे तक | काल | 02.51 से 04.23 बजे तक |
| शुभ | 04.10 से 05.37 बजे तक | रोग | 04.23 से 05.56 बजे तक |

चौघड़िया मुहूर्तपद्धति- मुहूर्तप्रभा श्रीवृ मुख, अमृत व लाभ, मध्यम पद, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की गणना देखा विन्ध्य के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगतः प्रेमचंद की गाय

उन दिनों प्रसिद्ध उपन्यास-लेखक मुंशी प्रेमचंद गोरखपुर में अध्यापक थे। उन्होंने अपने यहाँ गाय पाल रखी थी। एक दिन घरते-घरते उनकी गाय वहाँ के अंग्रेज जिलाधीश के आवास के बाहरवाले उद्यान में घुस गई। अभी वह गाय वहाँ जाकर खाही ही हुई थी कि वह अंग्रेज बंदूक लेकर दौड़ा आ गया और उसने गुस्से से आग बबूला होकर बंदूक में गोली भर ली। उसी समय अपनी गाय को खोजते हुए प्रेमचंद वहाँ पहुँच गए। अंग्रेज ने कहा कि 'यह गाय अब तुम यहाँ से ले नहीं जा सकते। तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने अपने जानवर को मेरे उद्यान में घुसा दिया। मैं इसे अभी गोली मार देता हूँ, तभी तुम कहो लोगों को यह बात समझ में आएगी कि हम यहाँ हुकूमत कर रहे हैं।' और उसने भरी बंदूक गाय की ओर तान दी। प्रेमचंद ने नरमी से उसे समझाने की कोशिश की, 'महोदया इस बार गाय पर मेहरबानी करें। दूसरे दिन से इधर नहीं आएगी। मुझे ले जाने दें साहब। यह गलती से यहाँ आई।' फिर भी अंग्रेज झल्लाकर वही बकता रहा, 'तुम काला आदमी इंडियट हो। हम गाय को नहीं मारेगा। और उसने बंदूक से गाय पर निशान बनाना चाहा। प्रेमचंद झट से गाय और अंग्रेज जिलाधीश के बीच में आ खड़े हुए और गुस्से से बोले, 'तो फिर चला गोली। देखूँ तुझमें कितनी हिम्मत है। ले। पहले मुझे गोली मार।' फिर तो अंग्रेज की हेकड़ी हिरन हो गई। वह बंदूक की नली नीची कर कहता हुआ अपने बंगले में घुस गया।

## सूडोकु नवताल- 7686

सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 2 | | | 3 | | |
| | | 9 | | 8 | | 2 | 6 | 4 |
| 1 | | | | 3 | 6 | | 9 | |
| 4 | | 3 | | | | | | |
| | | | 8 | | 2 | | 1 | |
| | | | | | | 8 | | 6 |
| | 4 | | 7 | 5 | | | | 3 |
| 3 | 7 | 5 | | 4 | | 1 | | |
| | 2 | | | | 8 | | | |

### सूडोकु नवताल- 7685 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 6 | 2 | 3 | 5 | 8 | 9 | 1 | 7 |
| 8 | 1 | 7 | 9 | 2 | 6 | 3 | 5 | 4 |
| 3 | 5 | 9 | 1 | 7 | 4 | 8 | 2 | 6 |
| 6 | 4 | 1 | 5 | 3 | 7 | 2 | 8 | 9 |
| 2 | 7 | 5 | 8 | 4 | 9 | 6 | 3 | 1 |
| 9 | 3 | 8 | 2 | 6 | 1 | 4 | 7 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 6 | 9 | 5 | 7 | 4 | 8 |
| 5 | 9 | 4 | 7 | 8 | 2 | 1 | 6 | 3 |
| 7 | 8 | 6 | 4 | 1 | 3 | 5 | 9 | 2 |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

## शब्द पहेली- 7377



### ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी कुलवधू' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, ऋषि ऑडिशी की 'ऐ दीवो ज़रा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इंसाफ़ हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. 'डिसे मोसि, विश्वास की 'मुझे तो वैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
७. 'जिंदगी-मौतका पूरा चक्र व शब्द कपूर की एक फ़ेमिली फिल्म-३
१०. 'लोगों मत जा' गीत वाली दलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. रितीश, मनोज, बहेरा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, फ़ारुखी, एकता को फिल्म-२
१८. वेटीट, क्रीटवी, वयप्रदा की 'झीपों में बारातों' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मुस्का जा' गीत वाली विवेक ओबेरय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अमिताभ, शब्बू, पूजा बत्रा की 'पचासें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'पूँ हसतों के दाग' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'फूल गेंदूँ न बहार' गीत वाली फिल्म-२

### वायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंशा की 'सप्तमी पे जन्म' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्ट की फिल्म-४
६. 'बंदे ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-३
८. 'मोहो' में रगो का गायक-२,३
९. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, प्रीमला की फिल्म-४
१०. शाहरुख, चंदपदु, ऐश की फिल्म-२
१२. 'जिस पे मैंने दिल' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'पहला पहला प्यार' गीतवाली संजय खान, जैकी शिराफ़, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये सर्वोत्तम को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' में फिल्मों में आई एक झूटी क्रीन-३
२०. 'तुझे जीना था' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. वेटीट, रमोलेश कपूर, इकेश रोशन, रेखा, सर्वेक्षा कबीर की फिल्म-३
२२. रोशनकुमार, शबाना की फिल्म-३
२२. 'ये शहर ये मकान' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज बाजपेयी, लीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाले मुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२६. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'अमरेश' में पूनम का गायक ?-२
२७. 'तेरी जैसा तेरा' की फिल्म-२
२८. 'चल प्रेमनगर जायेंगे' गीत वाले स्पोटीकपूर, वबीना की फिल्म-३
३२. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३३. धनी, शब्बू, रेखा सेन की एक फिल्म-२

## शब्द पहेली- 8901



### बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीबिंदु-4
23. घीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

### ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरूरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

### शब्द पहेली -8900 का हल



■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# धनतेरस पर लांजी के बाजारों में उमड़ी भीड़, देर शाम तक चला खरीदारी का दौर

**सोने-चांदी के आभूषणों से लेकर बर्तन, दीपक और पूजन सामग्री तक की हुई जमकर खरीदारी, दीपावली की रौनक से गुलजार हुआ नगर**





पद्मेश न्यूज। लांजी। पांच दिवसीय दीपावली महापर्व का शुभारंभ शुक्रवार को धनतेरस के साथ हुआ। पर्व को लेकर नगर में सुबह से ही उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। धनतेरस की परंपरा के अनुसार शुभ वस्तुओं की खरीदारी करने के लिए बड़ी संख्या में लोग बाजार पहुंचे। नगर के मुख्य बाजार, सराफा बाजार और बर्तन दुकानों सहित विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर दिनभर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। शाम होते-होते बाजारों में भीड़ और बढ़ गई तथा देर शाम तक खरीदारी का सिलसिला जारी रहा। हिंदू धर्म में धनतेरस का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान इसी दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसी कारण इस दिन को धन्वंतरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। धनतेरस पर माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। साथ ही सोना, चांदी और अन्य धातुओं की वस्तुओं की खरीदारी को शुभ माना जाता है। इसी धार्मिक आस्था और परंपरा के चलते लोगों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न वस्तुओं की खरीदारी की। धनतेरस के अवसर पर सराफा दुकानों में सोने-चांदी के आभूषणों की खरीदारी के लिए ग्राहकों की अच्छी भीड़ रही। वहीं बर्तन बाजार में भी विशेष चहल-पहल दिखाई दी। लोगों ने तांबे, पीतल और स्टील के बर्तनों के साथ घरेलू उपयोग की अन्य वस्तुएं खरीदीं। इसके अलावा मिट्टी के पारंपरिक दीपक, सजावटी दीये, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, पूजन सामग्री, रंगोली, झालर, विद्युत सजावट की सामग्री और घरों को सजाने-संवारने के सामान की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। दीपावली की तैयारियों को लेकर महिलाएं घर की सजावट, पूजन सामग्री और मिठाइयों की खरीदारी करती नजर आईं, वहीं बच्चों में रंग-बिरंगे खिलौनों और आकर्षक सजावटी वस्तुओं को लेकर खास उत्साह दिखाई दिया। मिठाई और कपड़ों की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। बाजार में जगह-जगह सजी दुकानों और रंग-बिरंगी रोशनी ने पूरे नगर को उत्सवी रंग में रंग दिया।

### दीपों की रोशनी और बाजारों की रौनक ने बढ़ाया पर्व का उत्साह

धनतेरस के साथ ही लांजी में दीपावली की खुशियां परवान चढ़ने लगी हैं। दुकानदारों ने भी अपने प्रतिष्ठानों को आकर्षक ढंग से सजाया था। ग्राहकों की भीड़ से व्यापारियों के चेहरों पर भी उत्साह नजर आया। दिनभर बाजार में लोगों की चहल-पहल बनी रहने से व्यापारिक गतिविधियों में तेजी दिखाई दी। पर्व को लेकर ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए लांजी पहुंचे। धार्मिक आस्था, पारंपरिक खरीदारी और दीपावली की तैयारियों के बीच नगर का बाजार देर शाम तक गुलजार रहा। धनतेरस के अवसर पर लोगों ने नई वस्तुओं की खरीदारी के साथ घर-परिवार में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कुल मिलाकर धनतेरस ने लांजी में दीपावली के उल्लास और बाजारों की रौनक को और बढ़ा दिया।

# बिना मंडी अनुज्ञा पत्र कृषि उपज का परिवहन पड़ा महंगा, दो वाहनों पर 88 हजार का जुर्माना

**उपमंडी लांजी के निरीक्षण दल ने दो अलग-अलग मामलों में की पांच गुना दांडिक कार्रवाई**

**धान के अवैध परिवहन पर भी कार्रवाई**



पद्मेश न्यूज। लांजी। कृषि उपज का बिना मंडी अनुज्ञा पत्र परिवहन करने वालों के खिलाफ कृषि उपज मंडी समिति द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में उपमंडी लांजी के निरीक्षण दल ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए मक्का और धान का अवैध परिवहन कर रहे दो वाहनों को पकड़ा। दोनों मामलों में मंडी अधिनियम के तहत पांच गुना दांडिक शुल्क सहित कुल 88 हजार 82 रुपए की वसूली कर राशि शासन के खजाने में जमा कराई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं भारसाधक अधिकारी मंडी बालाघाट गोपाल सोनी तथा मंडी समिति बालाघाट के सचिव उत्तम प्रसाद नादोनिया के निर्देशन और लांजी एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। 5 और 6 नवंबर की मध्यरात्रि उपमंडी लांजी के मंडी निरीक्षक वासुदेव बड़ई एवं विनोद बंसोड़ निरीक्षण पर निकले थे। इस दौरान भिलाई रोड पर टिमकीटोला (रिसेवाड़ा के पास) एक ट्रक क्रमांक CG04MV3729 को रोका गया। जांच में ट्रक में 303.30 क्विंटल मक्का का परिवहन बिना मंडी अनुज्ञा पत्र के किया जाना पाया गया। यह मक्का साहू ब्रदर्स, कुराड़ी (मझगांवा), जिला सिवनी से रायपुर ले जाया जा रहा था। मंडी अधिनियम के तहत पांच गुना दांडिक शुल्क सहित कुल 82 हजार 342 रुपए वसूल किए गए।

इससे पहले 3 नवंबर को ढुढवा से महाराष्ट्र मार्ग पर ग्राम मोहारा के व्यापारी अंकित ठाकरे द्वारा धान का अवैध परिवहन किए जाने का मामला सामने आया था। महाराष्ट्र के घाट टेमनी की ओर जा रही पिकअप क्रमांक MH34BG1482 में 20 क्विंटल धान का परिवहन बिना मंडी अनुज्ञा पत्र के किया जा रहा था। इस मामले में भी पांच गुना दांडिक शुल्क सहित 5 हजार 740 रुपए की वसूली कर शासन के खजाने में जमा कराए गए।

### व्यापारियों को मंडी प्रशासन की चेतावनी

दोनों मामलों में कुल 88 हजार 82 रुपए की वसूली की गई है। मंडी प्रशासन ने व्यापारियों से अपील की है कि अधिसूचित कृषि उपजों का परिवहन किसी भी स्थिति में वैध मंडी अनुज्ञा पत्र के बिना न करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध इसी तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

# पूर्व नक्सल प्रभावित सात गांवों के किसानों को मिले निःशुल्क सरसों बीज

**वैकल्पिक खेती से बढ़ेगी आय**

पद्मेश न्यूज। लांजी। पूर्व नक्सल प्रभावित ग्रामीण अंचलों में विकास की नई संभावनाएं तलाशने और किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शासन द्वारा कृषि आधारित आजीविका को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड लांजी की ग्राम पंचायत देवरबेली के अंतर्गत आने वाले सात गांवों के किसानों को सरसों वैल्यू चेन पार्टनर योजना के तहत निःशुल्क सरसों बीज वितरित किए गए। इस पहल के माध्यम से किसानों को पारंपरिक धान की खेती के साथ वैकल्पिक फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि उनकी आय के नए स्रोत विकसित हो सकें। कलेक्टर आदित्य सिंह एवं उप संचालक कृषि फूल सिंह मालवीय के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत देवरबेली में आयोजित वितरण कार्यक्रम में ग्राम सतोना, नरपी (चिलकोना), नक्षेझरी, संदूका, सायर, टेमनी एवं केरादेही के किसानों को सरसों के बीज प्रदान किए गए। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत देवरबेली के सरपंच सुरेंद्र सिंह एवं जनपद पंचायत सदस्य महेश चौधरी उपस्थित रहे।




### वैकल्पिक खेती से खुलेंगे आय के नए रास्ते

सरसों को खेती को बढ़ावा देने के पीछे शासन का उद्देश्य किसानों को एक ही फसल पर निर्भरता से बाहर निकालकर फसल विविधीकरण के लिए प्रेरित करना है। इससे किसानों को रबी सीजन में अतिरिक्त फसल लेने का अवसर मिलेगा। सरसों उत्पादन के माध्यम से कृषि आय में वृद्धि की संभावनाएं भी बनेंगी। खासकर पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में खेती को आजीविका का मजबूत आधार बनाकर ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है। शासन की इस योजना के जरिए किसानों को कृषि के नए विकल्पों से जोड़ने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आय के अवसर बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे इन गांवों के किसान खेती में नए प्रयोग कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे और विकास की मुख्यधारा से जुड़ने के नए अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

# धनतेरस पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर मुस्तैद रहा पुलिस-प्रशासन

**थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी ने सुबह से देर रात तक संभाली व्यवस्था की कमान, एसडीएम और तहसीलदार ने भी किया निरीक्षण**





पद्मेश न्यूज। लांजी। धनतेरस के अवसर पर नगर के बाजारों में उमड़ी भारी भीड़ के बीच कानून व्यवस्था, आमजन की सुरक्षा और यातायात को सुचारू बनाए रखना पुलिस एवं प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती रहा। हालांकि इस चुनौती से निपटने के लिए इस बार प्रशासनिक अमला पूरी मुस्तैदी के साथ मैदान में नजर आया। सुबह से ही अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने नगर के प्रमुख बाजारों, मार्गों और चौक-चौराहों पर मोर्चा संभाल लिया। खास बात यह रही कि थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी स्वयं सुबह से लेकर देर रात तक लगातार मैदान में डटे रहे और व्यवस्थाओं की निगरानी करते हुए पुलिस बल के साथ यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था संभालते नजर आए। धनतेरस पर बाजारों में बढ़ती भीड़ और वाहनों की आवाजाही को देखते हुए थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी ने स्वयं व्यवस्थाओं की कमान संभाली। वे सुबह से ही नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय नजर आए और देर रात तक लगातार मैदानी स्तर पर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ अलग-अलग चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने तथा आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उनकी लगातार मैदानी मौजूदगी के चलते पुलिस बल भी पूरे समय सक्रिय रहकर व्यवस्थाएं संभालता रहा।

### प्रशासनिक अधिकारियों ने भी किया व्यवस्थाओं का निरीक्षण

व्यवस्थाओं को लेकर एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी, तहसीलदार संजय बारस्कर भी लगातार सक्रिय रहे। अधिकारियों ने नगर के प्रमुख स्थानों का भ्रमण कर यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं एवं एएसआई परमानंद भगत, पुलिसकर्मी और एसएसयू के जवान भी अलग-अलग चौक-चौराहों पर तैनात रहकर वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाने तथा भीड़ को नियंत्रित करने में जुटे रहे। अधिकारियों की सक्रियता का मुख्य उद्देश्य त्योहारी खरीदारी के लिए आने वाले नागरिकों को सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल उपलब्ध कराना रहा। धनतेरस के अवसर पर जहां नगरवासी त्योहार की खरीदारी में व्यस्त रहे, वहीं पुलिस, प्रशासन और नगर प्रशासन का अमला अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन में जुटा रहा।

### नगर प्रशासन भी मिला सराहनीय सहयोग

धनतेरस के दौरान व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में नगर प्रशासन का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा। पुलिस एवं प्रशासनिक अमले के साथ समन्वय बनाकर नगर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के प्रयास किए गए। त्योहार के दौरान बढ़ने वाली भीड़ और यातायात के दबाव को देखते हुए विभिन्न स्तरों पर निगरानी रखी गई, ताकि बाजारों में जाम की स्थिति न बने और आमजन आसानी से आवागमन कर सकें।

# घंसा में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज, 11 नवंबर को होगा समापन

**उद्घाटन मुकाबले में घंसा ए टीम ने मारी बाजी, विजेता को मिलेंगे 11,111 और उपविजेता को 6,666 रुपए**

पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली और गोवर्धन पूजा के उत्सवी माहौल के बीच ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से ग्राम घंसा में राहुजिंग स्टार क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ 6 नवंबर से हुआ। हाई स्कूल ग्राउंड घंसा में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न टीमें हिस्सा लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर रही हैं। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों के साथ ही क्रिकेट प्रेमियों में भी खासा उत्साह नजर आ रहा है। प्रतियोगिता का समापन 11 नवंबर को समारोहपूर्वक किया जाएगा। प्रतियोगिता के प्रायोजक डीजे पटेल हैं। आयोजन में विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में 11,111 रुपए तथा उपविजेता टीम को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 6,666 रुपए प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन अतिथि लिखेंद्र उपरा?, काशीदास गिरिया, रामदास पगरवार, अनिल गिरिया, दिलीप लिल्हारे एवं डॉ. संजय फाये की उपस्थिति में हुआ। शुभारंभ अवसर पर घंसा ए और घंसा बी टीम के बीच उद्घाटन मुकाबला खेला गया, जिसमें घंसा ए की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

### समापन समारोह में अतिथियों की रहेगी मौजूदगी

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर 11 नवंबर को आयोजित समारोह में अजय अवसरे (जनपद उपाध्यक्ष), ऋषि दशरिया (सरपंच खारी एवं कांग्रेस मंडल अध्यक्ष), लालमदास लिल्हारे (सरपंच घंसा), गजलाल दमाहे (पंच), चौवादास गिरिया (पंच), लिखेंद्र उपरा?, अनिल गिरिया, कपूरचंद लिल्हारे, महेन्द्र विजयवार (शिक्षक) एवं संजय लिल्हारे (लालू) को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

### क्लब पदाधिकारियों के नेतृत्व में आयोजन

प्रतियोगिता का आयोजन राहुजिंग स्टार क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष शोभित लिल्हारे, उपाध्यक्ष समीर दमाहे, सचिव नरेंद्र लिल्हारे (भानु) एवं कोषाध्यक्ष कोमल गिरिया के नेतृत्व में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में टीम ए की कमान श्रेयांश गिरिया संभालेंगे, जबकि सत्यम दमाहे उपकप्तान रहेंगे। वहीं टीम बी की कप्तानी तुषार फाये तथा उपकप्तानी प्रज्वल दमाहे करेंगे।



### निर्धारित किए गए प्रतियोगिता के नियम

आयोजन समिति ने प्रतियोगिता के सुचारु संचालन के लिए कुछ नियम भी निर्धारित किए हैं। इसके तहत अंपायर का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। एलबीडब्ल्यू को छोड़कर क्रिकेट के अन्य नियम लागू रहेंगे। फाइनल मुकाबले में दो अतिरिक्त ओवर बढ़ाए जा सकेंगे। प्रतियोगिता से संबंधित अन्य नियमों एवं परिस्थितियों में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार आयोजन समिति के पास सुरक्षित रहेगा। क्लब पदाधिकारियों ने क्षेत्र की समस्त क्रिकेट टीमों, खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों से प्रतियोगिता में अधिक से अधिक सहभागिता करने तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

# देवरी पंचायत समिति के सदस्य एवं सभापति अनिलकुमार बिसेन अयोग्य घोषित

## सरकारी जमीन पर अतिक्रमण और निर्माण सामग्री की आपूर्ति में हितों के टकराव का मामला; विभागीय आयुक्त का आदेश

## भूषण मस्करे की शिकायत पर सुनवाई के बाद कार्रवाई, भाजपा के स्थानीय नेतृत्व की भूमिका पर भी नजर

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। देवरी पंचायत समिति के सदस्य एवं सभापति अनिलकुमार दसराम बिसेन के खिलाफ दायर अपात्रता की शिकायत पर नागपुर विभाग के विभागीय आयुक्त ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शिकायतकर्ता एड. भूषण टेकचंद मस्करे की ओर से महाराष्ट्र जिला परिषद एवं पंचायत समिति अधिनियम, 1961 की धारा 16 (1) के तहत दायर शिकायत पर सुनवाई के बाद विभागीय आयुक्त ने विभिन्न आरोपों और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच करते हुए बिसेन को पंचायत समिति सदस्य पद पर बने रहने के लिए अयोग्य ठहराया है।

विभागीय आयुक्त कार्यालय की ओर से 4 नवंबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार, अनिलकुमार बिसेन के खिलाफ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण, उक्त जमीन पर निर्माण कार्य तथा पंचायत समिति सदस्य रहते हुए निर्माण सामग्री की आपूर्ति के व्यावसायिक व्यवहार में हितों के टकराव से जुड़े मामलों की जांच की गई।



शिकायत के पहले आरोप को अभिलेखीय समर्थन मिलने की बात सामने आई।

### एडीबी ट्रेडर्स के माध्यम से निर्माण सामग्री की आपूर्ति

शिकायत का दूसरा प्रमुख मुद्दा पंचायत समिति सदस्य रहते हुए बिसेन का एडीबी ट्रेडर्स नामक व्यवसाय से संबंध होने तथा इस संस्था के माध्यम से पंचायत समिति और विभिन्न ग्राम पंचायतों के निर्माण कार्यों के लिए सामग्री की आपूर्ति किए जाने से जुड़ा था।

जांच में सामने आया कि मौजा मुल्ह में संतोष टालटे के खेत के पास पाइपलाइन निर्माण कार्य किया गया था। इस कार्य के लिए आवश्यक निर्माण सामग्री एडीबी ट्रेडर्स की ओर से उपलब्ध कराई गई थी।

आदेश में दर्ज जानकारी के अनुसार, सामग्री के भुगतान के रूप में 13 लाख 99 हजार 851 रुपये की राशि चेक क्रमांक 325586 के माध्यम से आरटीजीएस द्वारा 19 सितंबर 2024 को एडीबी ट्रेडर्स के नाम पर अदा की गई थी।

विभागीय आयुक्त ने इस व्यवहार पर विचार करते हुए महाराष्ट्र जिला परिषद एवं पंचायत समिति अधिनियम, 1961 की धारा 16 (1) (आई) सहित पंचायत समिति सदस्यों पर लागू संबंधित कानूनी प्रावधानों का संदर्भ लिया। आदेश में कहा गया है कि संबंधित निर्माण कार्य में सामग्री की आपूर्ति के व्यवहार से बिसेन का प्रत्यक्ष हितसंबंध अभिलेखों के आधार पर दिखाई देता है।

### मनरेगा के लाभ लेने के आरोप पर अलग निष्कर्ष

शिकायत के तीसरे मुद्दे में आरोप लगाया गया था कि पंचायत समिति सदस्य रहते हुए बिसेन ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत बडेगांव में अपने नाम पर सिंचाई कूएं का लाभ लेकर 4 लाख रुपये प्राप्त किए। साथ ही अपने भाई और भाई की पत्नी को भी योजना के तहत लाभ मंजूर करवाया।

इस मुद्दे पर विचार करते हुए विभागीय आयुक्त ने शासन की 12 अगस्त 2016 की मार्गदर्शक सूचनाओं का संदर्भ दिया। आदेश में स्पष्ट किया गया कि मनरेगा मांग आधारित योजना है। पात्र व्यक्ति की ओर से काम की मांग किए जाने पर नियमानुसार रोजगार उपलब्ध कराना योजना का उद्देश्य है। केवल किसी पद पर कार्यरत होने के आधार पर व्यक्तिगत लाभ लेने पर प्रतिबंध लगाने का स्पष्ट प्रावधान संबंधित दिशा-निर्देशों में नहीं है।

हालांकि, एडीबी ट्रेडर्स के माध्यम से निर्माण सामग्री की आपूर्ति के व्यवहार में बिसेन का प्रत्यक्ष हितसंबंध अभिलेखों से सामने आने के कारण विभागीय आयुक्त ने उन्हें संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत पंचायत समिति सदस्य पद पर बने रहने के लिए अयोग्य ठहराया।

### त्रिसदस्यीय समिति ने की थी जांच

इस मामले में शिकायत प्राप्त होने के बाद जिला परिषद गोंदिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के स्तर पर जांच कराई गई थी। इसके लिए त्रिसदस्यीय समिति का गठन किया गया था। समिति ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण, निर्माण सामग्री की आपूर्ति, भुगतान संबंधी रिकॉर्ड और अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच की। 4 नवंबर 2026 को जारी विभागीय आयुक्त के आदेश में शिकायत के विभिन्न आरोपों पर दस्तावेजों के आधार पर निष्कर्ष दर्ज किए गए हैं। विशेष रूप से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण और निर्माण सामग्री की आपूर्ति में हितों के टकराव के मुद्दों को महत्वपूर्ण माना गया है। इस निर्णय के बाद देवरी पंचायत समिति की राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है।

### भाजपा की स्थानीय राजनीति में भी हलचल

अनिलकुमार बिसेन भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी होने के साथ ही पंचायत समिति के सभापति पद पर भी कार्यरत थे। विभागीय आयुक्त के आदेश में उनकी सदस्यता के लिए अपात्रता का निष्कर्ष दर्ज होने के बाद इस मामले ने राजनीतिक रूप भी ले लिया है।

सार्वजनिक पद पर रहते हुए सरकारी जमीन पर अतिक्रमण और निर्माण सामग्री की आपूर्ति में हितसंबंध से जुड़े मामले आदेश में दर्ज होने के कारण भाजपा के स्थानीय नेतृत्व की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अब राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा है कि पार्टी नेतृत्व इस मामले को किस तरह लेता है और संबंधित पदाधिकारी के खिलाफ कोई संगठनात्मक कार्रवाई करता है या नहीं।

### पत्रकार परिषद में भूषण मस्करे ने दी कार्रवाई की जानकारी

विभागीय आयुक्त की ओर से की गई कार्रवाई के संबंध में शुक्रवार को गोंदिया के शासकीय विश्रामगृह में पत्रकार परिषद आयोजित की गई। शिकायतकर्ता एड. भूषण मस्करे और सामाजिक कार्यकर्ता यशवंत मानकर की ओर से आयोजित इस पत्रकार परिषद में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण, निर्माण सामग्री की आपूर्ति में हितों के टकराव तथा मामले की जांच के बाद हुई प्रशासनिक कार्रवाई की विस्तृत जानकारी पत्रकारों को दी गई। इस दौरान विभागीय आयुक्त के आदेश में दर्ज निष्कर्षों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर की गई कार्रवाई की जानकारी प्रस्तुत की गई। वक्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक पद पर कार्यरत व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज होने और उस पर प्रशासनिक कार्रवाई होना सार्वजनिक हित की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। साथ ही इस मामले में आगे होने वाली प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई पर भी नजर रखे जाने की बात कही गई।

# घरफोड़ने वाली महिला आरोपी 4 घंटे में गिरफ्तार; 2.81 लाख के चोरी के जेवर बरामद

## गोंदिया शहर पुलिस की उल्लेखनीय कार्रवाई; गोपनीय सूचना के आधार पर महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। शहर के आंबेडकर वार्ड स्थित गोविंदपुर में हुई घरफोड़ चोरी की वारदात का गोंदिया शहर पुलिस ने महज चार घंटे के भीतर पर्दाफाश करते हुए महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए 2 लाख 81 हजार रुपये कीमत के सभी सोने के आभूषण बरामद कर लिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फरियादी अनिता देवेंद्र राऊत (45), निवासी गोविंदपुर, आंबेडकर वार्ड, गोंदिया, 25 अक्टूबर 2026 को बाहरगांव गई थीं। 27 अक्टूबर को वापस लौटने के बाद 3 नवंबर को उन्होंने बेडरूम में पलंग के नीचे बने ड्रॉवर में रखे सोने के आभूषण गायब पाए। अज्ञात चोर ने कुल 2 लाख 81 हजार रुपये के आभूषण चोरी कर लिए थे। चोरी गए आभूषणों में कान की बालियां, एक जोड़ी झुमके, पेशवाई नथ, सोने के तीन पान पेंडल, दो मंगलसूत्र (कालीपोत सहित), एक सोने की अंगूठी तथा मोतियों वाले अन्य आभूषण शामिल थे। फरियादी की शिकायत पर 4 नवंबर 2026 को गोंदिया शहर पुलिस थाने में अपराध क्रमांक 985/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 305, 331(3) और 331(4) के अंतर्गत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच महिला पुलिस उपनिरीक्षक प्रियंका बैस कर रही थीं।



### गोपनीय सूचना से आरोपी तक पहुंची पुलिस

पुलिस निरीक्षक प्रवीण बोरकुटे के मार्गदर्शन में डीबी (डिटेक्शन ब्रांच) टीम ने गोपनीय सूत्रों से जानकारी जुटाई। इसी दौरान पुलिस को पता चला कि इस वारदात में आम्रपाली किशोर गणवीर (33), निवासी आंबेडकर चौक, जोगलेकर वार्ड, गोंदिया शामिल है।

पुलिस ने संदेह के आधार पर महिला को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने घरफोड़ चोरी की वारदात कबूल कर ली। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी किए गए 2 लाख 81 हजार रुपये कीमत के सभी आभूषण जब्त कर लिए गए।

### वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे तथा उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेशचंद्र शुक्ला के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक प्रवीण बोरकुटे के नेतृत्व में की गई।

कार्रवाई में महिला पुलिस उपनिरीक्षक प्रियंका बैस, सहायक फौजदार कवलपालसिंग भाटिया, पुलिस हवलदार सुदेश टेंभरे, निशिकांत लोंढाने, कमलेश शहारे तथा पुलिस कर्मचारी दिनेश बिसेन, सुभाष सोनवाने, अशोक रहांगडाले, मुकेश रावते, प्रमोद शेंडे, सोनू नागपुरे, राकेश बंजारे, अजय बोपचे और राकेश डोंगरवार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

**इमिग्रेशन नियमों में बदलाव...गृह मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना**

# छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लिए वीजा अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इमिग्रेशन और विदेशी नागरिकों से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। गृह मंत्रालय की जारी अधिसूचना के तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों के लिए वीजा संबंधी प्रावधानों में बदलाव किया गया है। इनमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं। नए प्रावधानों में उन लोगों को भी शामिल किया गया है, जो बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के भारत आए थे या जिनके दस्तावेजों की अवधि समाप्त हो चुकी है। इसके अलावा पाकिस्तानी नागरिकों, भारतीय मूल के कुछ विदेशी नागरिकों और भारत-नेपाल-भूटान के बीच यात्रा करने वालों के लिए भी अलग-अलग रियायतें और शर्तें तय की गई हैं।

संशोधित आदेश के अनुसार इन छह समुदायों के लोगों को भारत में प्रवेश के समय वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज नहीं होने पर भी निर्धारित छूट मिलेगी, लेकिन भारत में आगे रहने के लिए उपयुक्त श्रेणी का वीजा लेना अनिवार्य होगा। यानी प्रवेश और भारत में निरंतर निवास के नियमों को अलग-अलग किया गया है। 31 दिसंबर 2009 या उससे पहले स्थायी रूप से भारत में रहने के इरादे से आए कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को पासपोर्ट नवीनीकरण की छूट से छूट दी गई है। यह सुविधा उन लोगों को मिलेगी, जो पाकिस्तान का कंप्यूटरीकृत राष्ट्रीय पहचान पत्र नहीं होने के कारण पासपोर्ट रिन्यू नहीं करा पा रहे हैं। इसके लिए शर्त है कि संबंधित व्यक्ति ने पाकिस्तान में शादी नहीं की हो, वहां अचल संपत्ति नहीं खरीदी हो और पाकिस्तान जाते समय उसके परिवार के सदस्य भारतीय नागरिक के रूप में भारत में रह गए हों। उसे दोबारा पाकिस्तान नहीं लौटने का लिखित आश्वासन भी देना होगा। पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों की प्रतिकूल रिपोर्ट नहीं होनी चाहिए। मलेशिया और सिंगापुर की नागरिकता लेने वाले भारतीय मूल के कुछ लोगों को भी राहत दी गई है।

# गर्मी से पहले जलसंकट रोकने के लिए प्रभावी उपाय करें - विधायक बडोले

## तालुका की 70 में से केवल 7 जलापूर्ति योजनाएं चालू; बंद योजनाओं को तत्काल शुरू करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। गर्मी के मौसम को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में संभावित पेयजल संकट से निपटने के लिए प्रशासन अभी से उचित नियोजन करे और जलसंकट निवारण के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करे। नागरिकों को पीने के पानी के लिए किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारी विशेष सतर्कता बरतें। यह निर्देश अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंजि. राजकुमार बडोले ने दिए।

पंचायत समिति सड़क अर्जुनी के सभागृह में शुक्रवार, 6 नवंबर को जलसंकट निवारण के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। तहसीलदार इंदायणी गोमासे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विधायक राजकुमार बडोले प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बैठक में ग्रामीण जलापूर्ति उपविभाग सड़क अर्जुनी के अंतर्गत तालुका की विभिन्न जलापूर्ति योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान चौंकाने वाली जानकारी सामने आई कि तालुका की कुल 70 जलापूर्ति योजनाओं में से केवल 7 योजनाएं ही वर्तमान में चालू हैं। अधिकांश योजनाएं बंद होने से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।




स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विधायक बडोले ने बंद पड़ी जलापूर्ति योजनाओं को तत्काल दुरुस्त कर दोबारा शुरू करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि तालुका के कई गांवों के साथ ही दुर्गम बस्तियों और टोलों में आगामी गर्मी के दौरान जलसंकट उत्पन्न होने की आशंका है। इसलिए संकट उत्पन्न होने के बाद उपाय करने के बजाय पहले से ही संभावित स्थिति का आकलन कर प्रतिबंधात्मक उपाययोजनाएं शुरू की जानी चाहिए। जिन गांवों में पानी की समस्या उत्पन्न होने की संभावना है, वहां आवश्यक उपाय तत्काल लागू किए जाएं।

बैठक में जलसंकट निवारण के चरण क्रमांक 1, 2 और 3 के तहत संचालित विभिन्न जलापूर्ति योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। योजनाओं की वर्तमान स्थिति, बंद होने के कारण, मरम्मत की आवश्यकता तथा आगामी समय में पेयजल आपूर्ति के नियोजन को जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली गई।

विधायक बडोले ने कहा कि जलापूर्ति का नियोजन केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि गांवों में वास्तव में नियमित पानी पहुंचे, इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभागों को लेनी होगी। ग्रामसेवक, तलाठी और जलापूर्ति विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर गांववार जलसंकट की समीक्षा करें।

उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि आगामी गर्मी में तालुका के किसी भी गांव को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े। इसके लिए अभी से ठोस कार्ययोजना तैयार कर उसका सख्ती से क्रियान्वयन किया जाए।

बैठक में पंचायत समिति सभापति चेतन वडगाये, उपसभापति निशाताई काशीवार, जिला परिषद सदस्य कविताताई रंगारी, निशाताई तोडासे, गुट विकास अधिकारी आदित्य ठाकरे, सहायक गुट विकास अधिकारी टी. एम. खोटेले, पंचायत समिति सदस्य डॉ. रुकीराम वाहाई, शिवाजी गहाणे, आझादीन राजानी, ग्रामीण जलापूर्ति उपविभागीय अभियंता टी. एम. मानकर सहित जलापूर्ति योजनाओं से संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारी, ग्रामसेवक और तलाठी उपस्थित थे।

# मिशिगन से सीनेट चुने गए अब्दुल अल-सैयद

नई दिल्ली। अमेरिका में मिशिगन से सीनेट चुने गए अब्दुल अल-सैयद को लेकर भारत में राजनीतिक बहस तेज हुई है। पूर्व राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने नवनिर्वाचित सीनेटर के पारिवारिक और राजनीतिक संबंधों को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने पोस्ट के जरिए अब्दुल अल-सैयद की पत्नी डॉ. सारा जुकाकू के परिवार के भारतीय कनेक्शन का जिक्र कर कर्नाटक के भटकल और इंडियन मुजाहिदीन का संदर्भ दिया है।

वरिष्ठ वकील जेठमलानी के मुताबिक, डॉ.जुकाकू के परिवार की जड़ें कर्नाटक के भटकल से जुड़ी हैं। यह इलाका इंडियन मुजाहिदीन के कई प्रमुख आरोपियों के नाम सामने आने के कारण चर्चा में रहा है। संगठन के रियाज भटकल, इकबाल भटकल और यासीन भटकल पर देश के विभिन्न शहरों में हुए बम धमाकों में शामिल होने के आरोप रहे हैं। वकील जेठमलानी ने भटकल को भारत में आतंकवाद के काले दौर से जोड़कर अब्दुल अल-सैयद के पारिवारिक संबंधों पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने सैयद के ससुर डॉ. तैयब जुकाकू का जिक्र किया। पूर्व राज्यसभा सांसद जेठमलानी के अनुसार, वह इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका की संस्थापक समिति में शामिल रहे हैं और सीएआईआर मिशिगन में वेतुल की भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि इन संगठनों के नाम अमेरिका के होली लैंड फाउंडेशन आतंकवाद वित्तपोषण मामले में सह-साजिशकर्ताओं की सूची में आए थे। हालांकि, किसी सूची में नाम शामिल होना अपने आप में आपराधिक दोषसिद्धि का प्रमाण नहीं है। जेठमलानी ने अब्दुल अल-सैयद के मुस्लिम ब्रदरहुड से कथित वैचारिक संबंधों का मुद्दा उठाया। उन्होंने 2012 में मिस्र के तत्कालीन राष्ट्रपति मोहम्मद मुर्सी के विवादित फैसले पर सैयद के समर्थन और उनकी सौतेली बहन इमान अब्देलहादी के पुराने लेख का हवाला दिया। उनके अनुसार, लेख में परिवार के मुस्लिम ब्रदरहुड से पुराने संबंधों का उल्लेख किया गया था।

# सारस संरक्षण के लिए गोंदिया जिले में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन; जिलास्तरीय समिति गठित

## घाटटेमनी में शुरू होगा पथदर्शी प्रकल्प; किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन के साथ प्रशिक्षण और प्रात्यक्षिकों का मिलेगा अवसर

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। जिले में सारस पक्षियों के प्राकृतिक आवास का संरक्षण एवं संवर्धन करने के साथ ही धान की खेती वाले क्षेत्रों में जैव विविधता को सुरक्षित रखने और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक खेती का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए आमगांव तहसील के घाटटेमनी में पथदर्शी प्राकृतिक खेती परियोजना शुरू की जा रही है। इस परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिलास्तरीय प्राकृतिक खेती समिति का गठन किया गया है। इस संबंध में आधिकारिक परिपत्र भी जारी किया गया है।

इस परियोजना का प्रमुख उद्देश्य सारस पक्षियों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षित रखना, धान की खेती वाले क्षेत्रों में जैव विविधता का संरक्षण करना तथा रासायनिक कृषि आदानों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करना है। इसके माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती के संबंध में तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और प्रत्यक्ष प्रात्यक्षिकों का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा।

### जिलाधिकारी होंगे समिति के अध्यक्ष

इस जिलास्तरीय समिति के अध्यक्ष जिलाधिकारी होंगे। समिति में मुख्यमंत्री कृषि एवं वन विभाग के बीच समन्वय पर जोर



सारस पक्षियों के आवास का संरक्षण, जैव विविधता की सुरक्षा और प्राकृतिक खेती का विस्तार करने के लिए कृषि विभाग, वन विभाग, आत्मा तथा संबंधित संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी भी समिति निभाएगी।

परियोजना में शामिल प्रगतिशील किसानों के अनुभवों और सफल प्रयोगों की जानकारी अन्य किसानों तक पहुंचाई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक किसान प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित हों।

### हर महीने होगी समिति की बैठक

परियोजना की प्रगति की नियमित समीक्षा करने के लिए समिति की बैठक हर महीने आयोजित की जाएगी। बैठकों में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन की भी निगरानी की जाएगी।

सारस पक्षियों के संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को एक साथ जोड़ने वाली यह पथदर्शी पहल गोंदिया जिले में पर्यावरण अनुकूल खेती के विस्तार तथा जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

कार्यालय के कृषि अर्थशास्त्री एवं वरिष्ठ सलाहकार डॉ. परशराम पाटील के साथ वन विभाग, कृषि विभाग, आत्मा, कृषि विज्ञान केंद्र, गुजरात प्राकृतिक कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, हलोल, बीएनएचएस (छह.ाई.), सेवा (स्थानीय) संस्था तथा प्रगतिशील किसान प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

समिति के माध्यम से सारस पक्षी संरक्षण के अनुकूल प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जिलास्तरीय कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इसके अलावा प्राकृतिक खेती के प्रदर्शन क्षेत्र, आदर्श गांव और लाभार्थी किसानों के चयन के लिए मार्गदर्शन किया जाएगा।

गुजरात प्राकृतिक कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के सहयोग से किसानों के लिए प्रशिक्षण शिविर, प्रात्यक्षिक, खेतों का निरीक्षण और अध्ययन दौरे आयोजित किए जाएंगे।

# सीजेआई पर विवादित पोस्ट, कांग्रेस नेताओं को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

## न्यायपालिका की गरिमा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई विवादित पोस्ट को लेकर केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी किया है। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कड़ी टिप्पणी कर कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता राजनीतिक सुविधा का विषय नहीं है। न्यायालय की गरिमा और उसके अधिकार को कमजोर करने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटा जाएगा।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम.पंचोली की पीठ ने कहा कि संविधान सर्वोच्च है और कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक संगठन इससे ऊपर नहीं है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि न्यायिक फैसलों की आलोचना करना हर व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर न्याय प्रशासन को प्रभावित करने, डराने या धमकाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि किसी व्यक्ति का पद कितना भी बड़ा क्यों न हो, उस न्यायपालिका के अधिकार को चुनौती देने का अधिकार नहीं है। अदालत की प्रतिष्ठा किसी राजनीतिक दल के समर्थन पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसकी नींव कानून के शासन पर टिकी है। जहां न्याय प्रशासन की व्यवस्था मौजूद है, वहां कानून को अपना काम करना चाहिए।

दरअसल, केरल कांग्रेस के एक्स अकाउंट से 12 अक्टूबर को सीजेआई सूर्यकांत को निशाना बनाकर विवादित पोस्ट की गई थी। पोस्ट वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी तीखी आलोचना हुई। विवाद बढ़ने पर कांग्रेस ने पोस्ट हटा दी और बताया कि इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति को पद से हटा दिया गया है। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पार्टी के सभी पदाधिकारियों को जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया है।

# भारतीय टीम दूसरे एकदिवसीय में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी

वेलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम यहां मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में भी जीत के साथ ही अपनी बढ़त बढ़ाने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहला एकदिवसीय जीतकर पांच मैचों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा के ऊपर इस मैच में रन बनाने का दबाव होगा। रोहित पहले एकदिवसीय मैच में असफल रहे थे। अर्शदीप सहित भारतीय टीम के गेंदबाजों ने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह बनाये रखने का प्रयास करेंगे।



वहीं दूसरी ओर इस मैच में मेजबान न्यूजीलैंड की टीम भी जीत के साथ वापसी करना चाहेगी हालांकि उसकी राह आसान नहीं है पहले मैच में उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी उम्मीद के अनुसार नहीं रही थी। इसके अलावा भारतीय टीम सीरीज में बढ़त मिलने से बुलंद हौसले के साथ उतरेगी। कीवी टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा।

कीवी टीम की सबसे बड़ी मुश्किल विराट कोहली पर अंकुश लगाने की रहेगी। विराट ने पहले एकदिवसीय में 74 रनों की शानदार पारी खेली थी जिसे वह फिर से फिर से अंजाम देना चाहेंगे। इस मैच में रोहित और कप्तान शुभमन गिल टीम को तेज शुरुआत देना चाहेंगे। जिससे कि मध्यक्रम क बल्लेबाज बेखौफ होकर रन बना सकें। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों ने पहले ही मैच में अपनी क्षमता साबित की है जिससे व बरकरार रखना चाहेंगे। अर्शदीप सिंह के अलावा युवा गुरनूर बराड़ और अंशुल कंबोज ने भी सधी हुई गेंदबाजी कर मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई अवसर नहीं दिया था।

दूसरी ओर कीवी टीम के लिए काफी परेशानी भरी राह है। उसके प्रमुख सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे सीरीज से ही बाहर हो गये हैं जिससे उसे नुकसान हुआ है। टीम को कॉनवे के इस मैच तक फिट होने की उम्मीदें थीं। ऐसे में डेरिल मिशेल, टॉम लैथम और ग्लेन फिलिप्स को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। कप्तान मिशेल सेंटनर को भी अपने गेंदबाजी संयोजन को बेहतर तरीके से इस्तेमाल करना होगा। मैट हेनरी और काइल जैमीसन जैसे गेंदबाजों को शुरुआती ओवरों में ही विकेट लेने होंगे।

मैदान की बात करें तो वेलिंगटन की पिच आमतौर पर तेज गेंदबाजों के लिए सहायक मानी जाती है, जहां हवा और गेंद की स्विंग शुरुआती ओवरों में बल्लेबाजों के लिए चुनौती पेश कर सकती है। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को मेजबान गेंदबाजों से सतर्क रहना होगा।

## दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**भारतीय टीम -**

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़, जुरायल गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, ऑकिब नबी, .

**न्यूजीलैंड टीम -**

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

# बड़े स्कोर भी अब जीत की गारंटी नहीं रहे

## 400 से अधिक रनों के बाद भी हारी हैं टीमें

मुम्बई । एकदिवसीय क्रिकेट में एक समय बड़े स्कोर बनाने पर किसी भी टीम की जीत तय मानी जाती थी पर आज आधुनिक क्रिकेट इतना बदल गया है कि 400 से अधिक रन भी जीत की गारंटी नहीं रह गये हैं। इसका एक बड़ा कारण टी20 प्रारुप आने के बाद आक्रामक बल्लेबाजी होने के साथ ही छोटी बाउंड्री को भी माना जा रहा है। क्रिकेट इतिहास में अब ऐसे कई मुकाबले दर्ज हैं, जहां टीमें बड़े लक्ष्य के बाद भी हारी हैं। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसी टीमों की भी उलटफेर का सामना करना पड़ा है। जिसने साबित किया कि अब क्रिकेट में कोई भी स्कोर अंतिम नहीं माना जा सकता है

ऐसा ही एक अप्रत्याशित मुकाबला साल 2006 में जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया था। तब ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान रिकी पोंटिंग की तूफानी बल्लेबाजी से 4 विकेट पर 434 रन बनाये थे। उस समय यह एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर था और ऑस्ट्रेलियाई खेमे को अपनी जीत लगभग पक्की लग रही थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने असंभव को संभव कर दिखाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ग्रीम स्मिथ के 90 रन और हर्शल गिब्स के 175 रनों की सहायता से अफ्रीकी टीम ने जीत का आधार बनाया। मार्क बाउचर और लांस क्लूजनर ने आखिर में छोटी पारियां खेलकर टीम को जीत दिलाई। इस मैच में 872 रन बने थे जो एक मैच में सबसे ज्यादा रनों का रोमांचक मामलों में गिना जाता है।

सिर्फ यही नहीं, हाल के वर्षों में भी ऐसे कई रोमांचक और विशाल स्कोर वाले मुकाबले देखने को मिले हैं। उदाहरण के लिए, कुछ समय पहले हुए एक मैच में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 429 रन बनाए थे पर विरोधी टीम ने एक गेंद शेष रहते 430 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। हैरी ब्रूक के दोहरे शतक के बावजूद, विपक्षी बल्लेबाज के शतक और दासुन शनाका की 97 रन की तेज पारी इंग्लैंड पर भारी पड़ी। इसी तरह, भारत और वेस्टइंडीज के बीच गुवाहाटी में हुए एक मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 405 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया, लेकिन भारतीय टीम ने रोहित शर्मा के 101 और शुभमन गिल के रिकॉर्ड 223 रनों की बदौलत 44वें ओवर में ही इस विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया।

इसके अलावा कभी-कभी बारिश और डकवर्थ-लुईस नियम भी जीत के समीकरण को पूरी तरह बदल देते हैं। 2023 विश्व कप में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 401 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था। हालांकि, बारिश के कारण मैच बाधित हुआ और डकवर्थ-लुईस नियम लागू होने पर पाकिस्तान ने 21 रनों से जीत दर्ज की, जबकि कीवी टीम ने एक विशाल स्कोर खड़ा किया था। ये सभी मुकाबले इस बात का प्रमाण हैं कि आधुनिक एकदिवसीय क्रिकेट में कोई भी स्कोर, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमेशा जीत की गारंटी नहीं होता। बल्लेबाजों की आक्रामक मानसिकता और पिच की बदलती प्रकृति ने क्रिकेट को और भी रोमांचक बना दिया है, जहाँ अंतिम गेंद तक परिणाम बदल सकता है।

# हसी ऑस्ट्रेलियाई टीम के नये कोचिंग सलाहकार बने

सिडनी । क्रिकट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी को सलाहकार बनाया है। ऐसे में हसी अब 2027 एशेज सीरीज और एकदिवसीय विश्व कप में भी मुख्य कोचिंग सलाहकार की भूमिका में रहेंगे। इसके अलावा उन्हें लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टी20 सलाहकार नियुक्त किया गया है। सीए को उम्मीद है कि उसे हसी के लंबे अनुभवों का लाभ मिलेगा। गौरतलब है कि हसी पिछले कुछ समय से मुख्य कोच कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के साथ सहायक के तौर पर अनौपचारिक रूप से काम कर रहे थे। रहे हैं। वह हर साल पर्थ टेस्ट से पहले टीम के साथ एक अतिरिक्त बल्लेबाजी सलाहकार के तौर पर जुड़ते रहे हैं।

# अनिश्चितताओं से घिरा रहा है सैमसन का करियर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी आज तक भी टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण निरंतरता की कमी को बताया जाता है। वहीं कई दिग्गजों कहना है कि इस अनिश्चितता के पीछे केवल उनका प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि कई अन्य कारण भी जिम्मेदार हैं। इसमें ये भी रहा कि हमेशा उनका क्रम बदला गया जिससे वह किसी भी क्रम पर अपने को स्थापित नहीं कर पाये।

उन्हें कभी पारी की शुरुआत करने भेजा गया, कभी तीसरे नंबर पर, तो कभी मध्य क्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ी। यह निरंतर बदलाव किसी भी खिलाड़ी के लिए अपनी लय खोजना मुश्किल बना देता है। इस अस्थिरता के कारण वह खुलकर नहीं खेल पाये क्योंकि उन्हें हमेशा टीम की जरूरत के अनुसार अपनी भूमिका बदलनी पड़ी है, जिससे उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ है।

खेल विश्लेषकों का मानना है कि संजू एक शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं और सोशल मीडिया पर अन्य खिलाड़ियों की तरह सक्रिय नहीं रहते। इसी कारण शायद उन्हें मीडिया और पूर्व क्रिकेटरों से वह मजबूत समर्थन नहीं मिलता जो कुछ अन्य युवा खिलाड़ियों को मिलता है। हाल ही में न्यूजीलैंड दौरे पर उनके शानदार अर्धशतक के बावजूद, कुछ ही खराब मैचों के बाद उनके करियर पर फिर से सवाल उठने लगे थे। वहीं, देखा गया है कि कुछ अन्य खिलाड़ियों को शुरुआती विफलताओं के बावजूद लगातार मौके मिलते रहते हैं, और एक बड़ी पारी उनकी पिछली कमियों को आसानी से ढक देती है। यह तुलना संजू पर अतिरिक्त मानसिक दबाव डालती है।

जब कोई खिलाड़ी एक अर्धशतक लगाकर मैच जिताता है, तो उसके लिए उतनी चर्चा नहीं होती, जबकि किसी अन्य खिलाड़ी के लिए कुछ पूर्व क्रिकेटर सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ करते हैं। यह स्थिति संजू को मानसिक रूप से प्रभावित कर सकती है, जिससे उनके खेल पर भी असर पड़ता है। यह बड़ा सवाल है कि संजू को ही क्यों हमेशा अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाया जाता है, जबकि अन्य खिलाड़ियों को उनके पसंदीदा स्थान पर खेलने का अवसर मिलता है। टीम प्रबंधन और क्रिकेट विशेषज्ञ अक्सर संजू के एक खराब मैच के बाद उन्हें बाहर करने की बात करते हैं, लेकिन यह नहीं बताते कि उन्हें भारतीय टीम में वह समर्थन और स्थिरता क्यों नहीं मिली जिसके वह हकदार थे। आखिर कोई खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे दे पाएगा, जब उसके दिमाग में यह चल रहा हो कि अगले मैच में उसे बाहर बैठना पड़ सकता है या उसका बल्लेबाजी क्रम बदला जा सकता है?

# सिराज की उपेक्षा से उठे सवाल, कहीं 2027 एकदिवसीय विश्वकप की योजनाओं से तो बाहर नहीं हुए

ऑकलैंड । तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से जहां प्रशंसकों को हैरानी हुई वहीं इससे कुछ सवाल भी उठने लगे हैं। जसप्रीत बुमराह के इस सीरीज में नहीं खेलने से सिराज ही सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। फिर भी उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से आश्चर्य हो रही है कि कहीं उन्हें अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम योजनाओं से बाहर तो नहीं रखा जा रहा। ये भी सवाल उठ रहा है कि क्या टीम प्रबंधन अब भविष्य की योजनाओं में नए तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रहा है और सिराज की अहमियत कम होती जा रही है? यह स्थिति एक ऐसे खिलाड़ी के लिए है जो पिछले कई वर्षों से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा रहा है। गौरतलब है कि सिराज ने तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी टीम के फाइनल में थे, जहां उन्होंने अपनी सटीक गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता से एकदिवसीय मुकाबलों में नियमित अवसर नहीं मिल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उनकी जगह आकिब नबी, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़ और अर्शदीप सिंह जैसे अनकैप्ड युवा गेंदबाजों को मौका दिया गया, जिसने उनकी भूमिका और टीम में उनकी स्थिति पर सवालिया निशान लगने लगे हैं।

हालांकि, सिराज को बाहर रखने की एक तात्कालिक व्यावहारिक वजह न्यूजीलैंड के काइस्टचर्च में अनौपचारिक टेस्ट मैच का हिस्सा होना हो सकती है, जो तीन नवंबर को समाप्त हुआ। इसके अगले ही दिन एकदिवसीय मुकाबला खेला गया, और तेज गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन व रिकवरी को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम देना एक तर्कसंगत कदम प्रतीत होता है। लेकिन यह कारण केवल न्यूजीलैंड के पहले मैच तक सीमित नजर आता है। सितंबर-अक्टूबर 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी सिराज को शुरुआती दो मुकाबलों में जगह नहीं मिली थी। उन्हें सिर्फ तीसरे मैच में खेलने का अवसर मिला, जहां उन्होंने आठ ओवर में 52 रन देकर एक विकेट हासिल किया। रिपोर्टों के मुताबिक, उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होने के बाद ही टीम में शामिल किया गया था। इस बात ने उन अटकलों को और हवा दी है कि क्या वह टीम प्रबंधन की पहली पसंद नहीं रह गए हैं।

गौरतलब है कि भारतीय टीम 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए निश्चित रूप से नए तेज गेंदबाजों को तैयार करना चाहती है। यह रणनीति भविष्य के लिए विकल्पों को बढ़ाने के लिहाज से सही हो सकती है, लेकिन सिराज जैसे अनुभवी और स्थापित गेंदबाज को लगातार बाहर रखने से उनके आत्मविश्वास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, साथ ही 2027 विश्व कप में उनकी भागीदारी की संभावनाओं को भी धुंधला कर सकता है। फिलहाल, कोच गौतम गंभीर या टीम प्रबंधन की ओर से ऐसा कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि सिराज 2027 विश्व कप की योजनाओं से बाहर हैं। इसलिए उनकी वर्तमान गैरमौजूदगी को अंतिम फैसला मानना जल्दबाजी होगी। आने वाली वनडे सीरीज में उन्हें मौका मिलता है या टीम प्रबंधन नए गेंदबाजों पर भरोसा जारी रखता है, इसी से उनकी भविष्य की भूमिका काफी हद तक स्पष्ट हो सकेगी। ऐसे में भारतीय क्रिकेट के लिए यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुभव और युवा प्रतिभा के बीच संतुलन कैसे साधा जाता है।

# हार्दिक अगले एक सत्र तक आईपीएल में कप्तान न करें - रायुडू

मुम्बई । ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के आईपीएल 2027 में मुम्बई इंडियंस छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स या पंजाब जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा है हार्दिक जिस भी टीमें में जायें ध्यान रखें कि अगले एक सत्र तक कप्तानी से दूर रहें। रायुडू के अनुसार हार्दिक के लिए सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स में जाना बेहतर विकल्प रहेगा पर उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में नहीं जाना चाहिये। इसका कारण है कि केकेआर को अभी कप्तान की जरुरत है और पांड्या अगर वहां जाते हैं तो उन्हें कप्तानी संभालनी पड़ेगी जिससे उनपर अनावश्यक बोझ आ जाएगा। अभी जिस स्थिति में वह है उसमें टीम की जिम्मेदारी संभालना हार्दिक के लिए आसान नहीं होगा। इसके विपरीत, रायुडू का मानना है कि चेन्नई या पंजाब में हार्दिक पर कप्तान का भार नहीं रहेगा जिससे वह अपने खेल पर ही ध्यान दे सकेंगे।

रायुडू ने पिछले आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की कमजोर स्थिति को लेकर भी अपनी बात रखी । उन्होंने कहा कि हार्दिक वहां अपने को एक कोने में धकेला हुआ महसूस कर रहे थे। इस तरह की असहजता का असर खिलाड़ी के व्यवहार और मैदान पर उसके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। साथ ही कहा कि जब ड्रेसिंग रूम का माहौल सही नहीं होता, तो खिलाड़ी कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया दे सकता है, जैसा वह स्वयं भी नहीं चाहता। रायुडू ने संकेत दिया कि हार्दिक के लिए मुंबई में कई चीजें सही नहीं रहीं, जिसके लिए उनकी अपनी गलतियां भी हो सकती हैं या कुछ अन्य कारण भी रहीं रायुडू ने साफ किया कि अगर हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी की भूमिका नहीं निभानी चाहिए। उनका सुझाव है कि हार्दिक को केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए एक मैच विजेता के तौर पर प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हार्दिक किसी दूसरी टीम में भी जाते हैं, तो कम से कम एक सत्र के लिए उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए ताकि वे नए माहौल में सहज हो सकें और अपने खेल को निखार सकें। हालांकि, इन चर्चाओं और रायशुमारी के बीच हार्दिक के ट्रेड को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

# दिल्ली टीम के कोच बोले, विजय हजारे ट्रॉफी में विराट खेलें तो हमें खुशी होगी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के आगामी विजय हजारे एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट में दिल्ली की ओर से खेलने पर अभी तक कोई फैसला नहीं आया है। इसका कारण है कि विराट को इसी दौरान श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। वहीं क्रिकेट प्रशंसक चाहते हैं कि विराट विजय हजारे ट्रॉफी खेलें। यहां तक कि दिल्ली के कोच की भी यही इच्छा है। विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबले 14 दिसंबर से शुरू हो रहे हैं। । दिल्ली के कोच ने कहा कि वह कोहली अगर खेलना चाहें तो उन्हें टीम में शामिल कर हमें खुशी होगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, अगर वह खेलना चाहते हैं, तो मैं उन्हें ड्रेसिंग रूम में देखना पसंद करूंगा। कोच ने यह भी बताया कि वे कोहली को टीम के युवा सदस्यों से बातचीत करने और उन्हें प्रेरित करने के लिए भी टीम में रखना चाहेंगे। साथ ही कहा, मैं उन्हें घर नहीं जाने दूंगा। मैं उन्हें ड्रेसिंग रूम में बैठाकर रखूंगा और लड़कों को उनकी कहानी, कड़ी मेहनत, मैंतिकता और देश के लिए खेलने के गर्व के बारे में बताऊंगा। कोच का मानना है कि कोहली के होने से युवा खिलाड़ियों को सीखने का अधिक अवसर मिलेगा। उन्होंने कोहली के करियर के हर पड़ाव को करीब से देखा है और कहा कि वह टीम के सदस्यों को बताएंगे कि कोहली ने कहां से शुरुआत की थी और आज वह किस जगह पर हैं। कोच के अनुसार, हर खिलाड़ी का अपना रास्ता होता है, और भले ही हर कोई विराट न बन पाए, लेकिन उनके समर्पण और पेशेवर रवैये से प्रेरणा लेकर वे अपने करियर में कुछ महत्वपूर्ण हासिल कर सकते हैं। यह सीख उन्हें खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और अनुशासन को मजबूत करने में मदद करेगी। हालांकि, विराट कोहली को उपलब्धता भारतीय टीम के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम पर निर्भर करती है। गौरतलब है कि भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 13 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर को समाप्त होगी, जिसमें कोहली का खेलना तय है।

# आर्यवीर और लक्ष्य के अच्छे प्रदर्शन से भारतीय अंडर-19 टीम ने नेपाल को 10 विकेट से हराया

अल अमरात। आर्यवीर सहवाग और सलामी बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी की अच्छी बल्लेबाजी से भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने यहां शुरू हुए एशिया कप मुकाबले में जीत से शुरुआत की है। भारतीय टीम ने शुक्रवार को हुए अपनी पहले ही मुकाबले में नेपाल को आसानी से 10 विकेट से हरा दिया। इस मैच में आर्यवीर और सलामी बल्लेबाज लक्ष्य ने शानदार अर्धशतक लगाकर टीम को जीत दिलायी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। भारतीय टीम की ओर से ईशान सूद और अर्जुन राजपूत ने सटीक गेंदबाजी करते हुए नेपाल टीम को केवल128 रनों पर ही आउट कर दिया। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने बिना किसी नुकसान के 19.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।



मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी नेपाल की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। शुरुआती ओवरों से ही ईशान ने सटीक गेंदबाजी कर नेपाल के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। नेपाल ने एक समय 51 रनों के स्कोर पर अपने चार विकेट गंवा दिए थे और पूरी तरह दबाव पर थी। इसके बाद दर्श सोनार ने 43 रन और आशोष लुधर ने पारी संभालने का प्रयास किया पर सफल नहीं रहे। ईशान ने 18 रन देकर 3 विकेट लेकर नेपाल की बल्लेबाजी धवस्त कर दी। पारी के अंतिम चरणों में अर्जुन राजपूत ने भी केवल 8 रन देकर 3 अहम विकेट हासिल किए। इन दोनों गेंदबाजों के शानदार खेल से नेपाल की पूरी टीम 42.3 ओवर में ही केवल 128 रनों पर सिमट गयी। इसके बाद छोटे से लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने आसानी से जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज आर्यवीर और लक्ष्य ने नेपाल के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। आर्यवीर ने 63 गेंदों में 7 चौकों और 4 छक्कों की मदद से शानदार शतक जड़ा। लक्ष्य रायचंदानी ने भी शानदार साथ निभाते हुए 63 गेंदों में 7 चौकों की मदद से नाबाद 53 रनों की पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर बिना किसी परेशानी के 19.1 ओवर में ही 129 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया।

# भारतीय टीम अगले साल की शुरुआत में कर सकती है बांग्लादेश का दौरा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अगले साल की शुरुआत में बांग्लादेश का दौरा कर सकती है। इससे दोनो ही देशों के क्रिकेट बोर्ड के बीच जारी तनाव हट सकता है। भारतीय क्रिकेट टीम जनवरी 2027 में बांग्लादेश दौर पर तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैचों की सरीज खेल सकती है। दोनो ही देशों के प्रशंसक इनके बीच क्रिकेट मुकाबलों का इंतजार कर रहे हैं। दोनो ही देशों के क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अभी तक इस दौरे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है पर रिपोर्टों के अनुसार, दोनों बोर्डों के बीच बातचीत अंतिम चरण में है।

गौरतलब है कि यह दौरा पहले कई बार टाला जा चुका है, जिसके कारण दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच संबंधों में भी तनाव आया था। पिछले साल जुलाई में यह दौरा होना था पर इसे टाल दिया गया। वहीं बांग्लादेश के भारत में हुए टी-20 विश्व कप का बहिष्कार करने के बाद संबंध और खराब हुए। हालांकि, अब दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में सुधार दिख रहा है, बांग्लादेश बोर्ड के नये अध्यक्ष तमीम




इकबाल की इसमें अहम भूमिका रही है। तमीन ने भारत दौरे को लेकर सकारात्मकता जताई है। उनके नेतृत्व में बीसीबी ने भारत के साथ क्रिकेट संबंधों को मजबूत करने की दिशा में जरुरी कदम उठाए हैं, जिससे यह प्रस्तावित दौरा संभव नजर आता है।

इस दौरे को लेकर सबसे बड़ी चुनौती भारतीय टीम के व्यस्त कार्यक्रम को समायोजित करना है। तीन से नौ जनवरी 2027 के बीच जिम्बाब्वे की टीम भारत में तीन एकदिवसीय मैच खेलने वाली है। इसके तुरंत बाद, 21 जनवरी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुरू होनी है, जो भारत के लिए एक महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज है। जानकारों के अनुसार, बांग्लादेश दौरे के लिए जगह बनाने के लिए जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के कार्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है। इस पर शेड्यूल में ऑस्ट्रेलिया सीरीज की तैयारियों को भी ध्यान में रखा जाएगा, क्योंकि टीम को टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी का समय चाहिए होगा। वीसीसीआई फिलहाल सरकार से इस दौरे के लिए आवश्यक मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहा है।

# क्रिस लिन पर लगा प्रतिबंध हटा, बिग बैश लीग से करेंगे खेल में वापसी

सिडनी। कोकोन के सेवन को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर क्रिस लिन पर लगा प्रतिबंध समाप्त हो गया है और ऐसे में अब वह खेल के मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। लिन टी20 के एक बेहतरीन क्रिकेट हैं और अब वह बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते हुए दिखेंगे। लिन पर ये प्रतिबंध जुलाई में टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के दौरान लगाया गया था। वहीं प्रतिबंध समाप्त होने से अब उनके प्रशंसकों को भी राहत मिली है। इससे अब उन्हें एक बार फिर लिन की आक्रामक बल्लेबाजी देखने को मिलेगी। लिन की डोपिंग जांच 18 जुलाई को इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट फाइनल्स के दौरान की गयी थी। उस समय वह नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स के लिए खेल रहे थे। इस जांच के दौरान उनका सैंपल पॉजिटिव पाया गया था। जिसके बाद लिन को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। यह घटना क्रिकेट जगत में खिलाड़ियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारियों पर एक बार फिर बहस का विषय बन गई थी।

लिन के टेस्ट में कोकोन के मेटाबोलाइट बेंजॉयलेगोनिन का एक बहुत ही कम स्तर पाया गया था। उन्होंने तुरंत अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया था, जिसके बाद मामले की जांच की गई। जांच में यह निष्कर्ष निकाला गया कि यह प्रतिस्पर्धा के बाहर उपयोग का मामला था और इसका खेल के प्रदर्शन को बढ़ाने से कोई संबंध नहीं था। इसी वजह से उन्हें तीन महीने के मानक प्रतिबंध की जगह केवल एक महीने के लिए निलंबित किया गया। इस दौरान, लिन ने नशे की लत से जुड़े एक पुनर्वास कार्यक्रम (रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम) को भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जो उनकी वापसी के लिए एक सकारात्मक कदम है। दाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 18 टी20 और 4 एकदिवसीय मैच खेले हैं।

# कॉनवे भारत के खिलाफ पूरी एकदिवसीय सीरीज से ही बाहर हुए

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे सिर की चोट के कारण भारतीय टीम के खिलाफ जारी पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। पहले ही अपने खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही मेजबान टीम के लिए अब कॉनवे का बाहर होना एक करारा झटका है। कीवी टीम पहले ही इस सीरीज में 1-0 से पीछे चल रही है। ऐसे में दूसरे मैच से पहले इस स्टार बल्लेबाज के बाहर होने से टीम की सीरीज में वापसी की संभावनाओं को झटका लगा है।

# मूलमंत्र 'सुनें सबकी, करें वहीं जो सही हो' के साथ डीजीपी ने एसपी बालाघाट मलय जैन को दी शुभकामनाएं

भोपाल। पुलिस मुख्यालय में पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एसओ टू डीजीपी मलय जैन को पुलिस अधीक्षक, बालाघाट के पद पर नई जिम्मेदारी मिलने पर पुलिस मुख्यालय में विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने श्री जैन को पुष्पमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा बालाघाट में नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि दिसंबर 2024 में स्टाफ ऑफिसर के रूप में मलय जैन का चयन करते समय उनके ईमानदार, कर्मठ एवं विवादरहित कार्य व्यवहार को प्राथमिकता दी गई थी। उन्होंने स्टाफ ऑफिसर के रूप में जनसुनवाई के आवेदनों की नियमित निगरानी एवं ट्रैकिंग तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को तत्काल पुरस्कृत करने की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया। डीजीपी मकवाणा ने अपने पूर्व अनुभव साझा करते हुए बताया



कि यह जिला पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्र रहा है। लगभग 32 वर्ष पूर्व वहां संचार सुविधाओं का अभाव, घने जंगलों में लंबी पैदल गश्त तथा बारूदी सुरंगों जैसे गंभीर खतरों के बीच पुलिस बल को कार्य करना पड़ता था। उस दौर में पुलिसकर्मियों ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के सतत प्रयासों से आज बालाघाट में नक्सली समस्या समाप्त हुई है। ऐसे में जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में पुलिस बल का मनोबल बनाए रखना, सतर्कता कायम रखना और उपलब्धियों को निरंतर बनाए रखना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक मलय जैन को मार्गदर्शन देते हुए डीजीपी मकवाणा ने कहा कि 'सुनें सबकी, करें वही जो सही' हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी को सभी पक्षों की बात धैर्यपूर्वक सुननी चाहिए और तथ्यों एवं नियमों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय लेना चाहिए। किसी भी अनुचित दबाव में आए बिना दृढ़ता से सही निर्णय लेना तथा अपनी संवेदनशीलता और सहजता बनाए रखना एक अच्छे पुलिस अधिकारी की पहचान है। समारोह में पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री मलय जैन के साथ कार्य करने के दौरान अपने अनुभव और संस्मरण साझा किए। वक्ताओं ने उनकी सकारात्मक कार्यशैली, सहज व्यवहार, परिपक्व नेतृत्व क्षमता तथा टीम को साथ लेकर चलने की विशेषता का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि कठिन परिस्थितियों में भी श्री जैन मुस्कुराते हुए धैर्य और संयम के साथ कार्य करते रहे। आमजन एवं फरियादियों की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनना, उनसे सहजता से मिलना और उनके निराकरण के लिए तत्पर रहना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। पुलिस मुख्यालय में विभिन्न दायित्वों के निर्वहन के दौरान जैन ने मीडिया प्रकोष्ठ एवं सोशल मीडिया प्रबंधन, नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान 'नशे से दूरी है जरूरी', साइबर अपराध जागरूकता अभियान सेफ क्लिक, नवीन न्याय संहिता की प्रदर्शनी तथा जनसुनवाई जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में योगदान दिया। वरिष्ठ अधिकारियों ने सागर, नर्मदापुरम, टीकमगढ़ एवं हरदा जिलों के साथ-साथ एआईजी (प्रशासन) तथा पुलिस अकादमी में उप निदेशक के रूप में उनके कार्य-अनुभव एवं प्रशासनिक दक्षता की भी सराहना की।

# दीपावली पर बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों का आंदोलन स्थगित, 45 हजार कर्मी काम पर रहेंगे

**ऊर्जा सचिव से सकारात्मक चर्चा के बाद लिया निर्णय, 34 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर बिजली कंपनियों से हुई बातचीत**

भोपाल। मध्यप्रदेश के करीब 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों ने दीपावली पर्व पर 7 और 8 नवंबर को प्रस्तावित काम बंद आंदोलन फिलहाल स्थगित कर दिया है। यह निर्णय ऊर्जा सचिव के साथ हुई सकारात्मक चर्चा के बाद लिया गया। मध्यप्रदेश बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव, महामंत्री दिनेश सिसोदिया और जनता यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र भदौरिया ने इसकी जानकारी दी।

प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव के अनुसार, कर्मचारियों की 34 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर मध्य क्षेत्र बिजली प्रशासन के साथ भोपाल और पावर ट्रांसमिशन बिजली प्रशासन के साथ जबलपुर में चर्चा हो चुकी है। शेष चार बिजली कंपनियों—पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण, पावर मैनेजमेंट और पावर जनरेटिंग कंपनी के साथ दीपावली के बाद चर्चा प्रस्तावित है।

उन्होंने बताया कि ऊर्जा सचिव के साथ हुई सकारात्मक बातचीत को देखते हुए आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। अब बिजली आउटसोर्स कर्मचारी दीपावली के अवकाश के बावजूद अपनी सेवाएं देंगे। वे बिजली व्यवस्था के सुचारू संचालन, संधारण, मेंटेनेंस और अन्य जरूरी कार्यों में योगदान करेंगे, ताकि त्योहार के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

# ट्विशा शर्मा मौत की ट्रायल दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग पर हुई सुनवाई

भोपाल। राजधानी में एक्टर-मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में ट्रायल भोपाल से दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने आरोपी गिरिवाला सिंह और समर्थ सिंह की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। आरोपियों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ दवे ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई आगे बढ़ा दी। जानकारी के मुताबिक ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मामले का ट्रायल भोपाल के बजाय दिल्ली में कराने की मांग की है। उनका कहना है कि गिरिवाला सिंह पूर्व जिला न्यायाधीश रह चुकी हैं, और भोपाल में उनके प्रभाव के चलते निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित हो सकती है। इस मामले में सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने जवाब में ट्रायल को मध्यप्रदेश से बाहर स्थानांतरित करने का समर्थन किया है। एजेंसी ने कहा है कि गिरिवाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह भोपाल में प्रभावशाली हैं। ऐसे में गवाहों को प्रभावित करने और उन्हें डराने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 16 अक्टूबर को ट्विशा के पिता की याचिका पर सुनवाई करते हुए भोपाल सेशन कोर्ट में चल रही ट्रायल की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

# मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना से ग्रामीणों को मिलेगा संपत्ति का कानूनी मालिकाना हक, 50 लाख निःशुल्क रजिस्ट्री का लक्ष्य

भोपाल/मुरैना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने शुक्रवार को मुरैना जिले के ग्राम करुआ में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत स्वामित्व दस्तावेजों के पंजीयन अभियान में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और रिमोट का बटन दबाकर योजना की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आजादी के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन और मकानों के पक्के दस्तावेज तैयार कराना बड़ी चुनौती थी। लोग अपनी जमीन पर लाखों रुपये खर्च कर मकान बनाते थे, लेकिन रजिस्ट्री नहीं होने से उन्हें बैंक से ऋण लेने में परेशानी होती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में ग्रामीण आबादी को अधिकार देने की पहल के बाद अब प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के माध्यम से संपत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री करा रही है। प्रदेशभर में 50 लाख निःशुल्क रजिस्ट्री कराने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री के दस्तावेज ग्रामीण परिवारों के बच्चों के भविष्य निर्माण में भी उपयोगी होंगे। उच्च शिक्षा के बाद डॉक्टर, इंजीनियर या व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंक से ऋण लेने में ये दस्तावेज मददगार बनेंगे। मुख्यमंत्री ने ग्राम करुआ के प्राथमिक स्कूल का उजवन कर माध्यमिक स्कूल बनाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान कल्याण वर्ष में किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है। 2S गाय या भैंस खरीदने पर करीब 40 लाख रुपये के निवेश में सरकार 10 लाख रुपये का अनुदान दे रही है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि योजना से ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का कानूनी मालिकाना हक मिलेगा। इससे उनके अधिकार मजबूत होंगे और आर्थिक आत्मनिर्भरता के नए रास्ते खुलेंगे।

# संतोष जैन कुंदन करोड़ो रुपये लेकर फरार!

भोपाल। जिस समाज में विश्वास को सबसे बड़ी पूंजी माना जाता है, जहां मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं बल्कि आस्था, सेवा और सामाजिक एकता का केंद्र होता है, वहां से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आने की चर्चा है।

पंचशील नगर जैन मंदिर के अध्यक्ष संतोष जैन कुंदन पर समाजजनों, व्यापारियों, गरीब परिवारों, विधवा महिलाओं और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के करोड़ों रुपये लेकर कथित तौर पर फरार होने के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार यह राशि लगभग 100 करोड़ रुपये की बताई जा रही है।

इस पूरे मामले में सबसे अधिक पीड़ा उन गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को लेकर है, जिन्होंने अपनी छोटी-छोटी बचत और जीवनभर की मेहनत की कमाई भरोसे के आधार पर सौंपी थी। विधवा महिलाओं की जमा पूंजी भी कथित तौर पर इस आर्थिक लेन-देन में फँसी होने की बात सामने आ रही है। जिनके लिए एक-एक रुपया जीवन की जरूरतों और भविष्य का सहारा होता है, उनके सामने अब आर्थिक संकट खड़ा होने की आशंका है।

मामले का एक और गंभीर पहलू पंचशील नगर जैन मंदिर की कार्यकारिणी को लेकर सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि इस मामले में व्यापारी वर्ग के साथ-साथ राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की रकम भी फँसी हो सकती है। ऐसे में प्रभावित लोगों की संख्या और आर्थिक नुकसान का वास्तविक आंकड़ा जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि गरीबों की जमा पूंजी कौन लौटाएगा? विधवा महिलाओं के भविष्य का सहारा कौन बनेगा? मंदिर की राशि का हिसाब कौन देगा? और समाज के विश्वास की जवाबदेही कौन तय करेगा?

धर्म और समाज के नाम पर अर्जित विश्वास बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो इसकी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। मंदिर की राशि का पूरा हिसाब सार्वजनिक किया जाना चाहिए और प्रत्येक पीड़ित की शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई कर उनकी रकम वापस दिलाने के प्रयास किए जाने चाहिए।

यह केवल पैसों का मामला नहीं है, यह गरीबों की रोटी, विधवा महिलाओं का सहारा, व्यापारियों की मेहनत और समाज की आस्था से जुड़ा सवाल है।

# डॉ. निशांत खरे को बनाया भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी

भोपाल । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने डॉ. निशांत खरे को प्रदेश कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारीसौंपी है। डॉ. खरे अभी प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर भी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। नई नियुक्ति के बाद संगठन में उनकी भूमिका और बढ़ गई है। अब वे प्रदेश उपाध्यक्ष के साथ प्रदेश भाजपा कार्यालय के कामकाज का दायित्व भी संभालेंगे। डॉ. निशांत खरे इंदौर के रहने वाले हैं और पेशे से प्लास्टिक सर्जन हैं। उन्होंने एमबीबीएस के बाद जनरल सर्जरी में एमएस और प्लास्टिक सर्जरी में एमसीएच की डिग्री हासिल की है। चिकित्सा क्षेत्र के साथ वे लंबे समय से सामाजिक और सार्वजनिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहे हैं।

**संघ से लेकर भाजपा संगठन तक निभाई जिम्मेदारी**

डॉ. खरे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न दायित्वों पर काम कर चुके हैं। उनका संगठनात्मक अनुभव सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ा रहा है। वे मध्यप्रदेश युवा आयोग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। इसके अलावा भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश प्रभारी के रूप में भी काम कर चुके हैं। वर्तमान में वे भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष होने के साथ ग्वालियर संभाग के प्रभारी हैं। संगठन में अलग-अलग जिम्मेदारियों का अनुभव रखने वाले डॉ. खरे को अब प्रदेश कार्यालय की कमान सौंपी गई है। प्रदेश कार्यालय प्रभारी की भूमिका में पार्टी के नियमित संगठनात्मक कामकाज, पदाधिकारियों के बीच समन्वय और कार्यालय से जुड़ी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में उनकी नई नियुक्ति को प्रदेश संगठन की व्यवस्थाओं से जुड़ा अहम बदलाव माना जा रहा है।

# मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से

**-पांच दिन के सत्र में अनुपूरक बजट समेत आएंगे कई विधेयक**

भोपाल। मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र सात दिसम्बर से 11 दिसम्बर तक चलेगा। पांच दिन तक चलने वाले इस सत्र के दौरान कोई भी



अवकाश नहीं रहेगा। सत्र की अवधि हर बार की तरह इस बार भी छोटी रखी गई है। इस दौरान राज्य सरकार दूसरा अनुपूरक बजट और विधेयक विधानसभा में लाकर पारित कराएगी। अनुपूरक बजट की तैयारियां वित्त विभाग द्वारा पूरी की जा रही हैं। सोलहवीं विधानसभा के 12वें सत्र की तैयारियां विधानसभा सचिवालय ने शुरू कर दी हैं। राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा विधानसभा का सत्र बुलाए जाने की परमिशन दिए जाने के बाद विधानसभा ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। सत्र 7 दिसंबर से शुरू होगा।

विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, सत्र के दौरान पहले चार दिन प्रश्नोत्तर और शासकीय कार्य होंगे। वहीं, शुक्रवार 11 दिसंबर को प्रश्नोत्तर के बाद दोपहर ढेढ़ बजे तक शासकीय कार्य किए जाएंगे। इसके बाद अशासकीय कार्य के लिए समय निर्धारित किया गया है। इस सत्र के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की ओर से पंचायत राज संशोधन विधेयक लाने की तैयारी है। इसके अलावा नगरीय विकास एवं आवास विभाग की ओर से कॉलोनी एक्ट में संशोधन संबंधी प्रस्ताव भी लाया जा सकता है। मंत्रालय में इसकी तैयारी चल रही है। विधानसभा में पेश किए जाने वाले विधेयकों को सत्र शुरू होने से पहले मोहन कैबिनेट की मंजूरी दिलाई जाएगी।

# राज्य शासन ने दिया होमगार्ड सैनिकों को दीवाली का उपहार

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ने होमगार्ड सैनिकों के हित में महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी निर्णय लेते हुए सिंहस्थ-2016 भर्ती के उपरांत वर्ष 2018 को विशेष भर्ती के माध्यम से नामांकित 2,790 होमगार्ड सैनिकों को प्रथम नामांकित जिले में पदस्थापना प्राप्त करने के लिए एक बार की विशेष छूट प्रदान की है। राज्य शासन के इस निर्णय से लंबे समय से अपने गृह एवं प्रथम नामांकित जिले से दूर अन्य जिलों में सेवाएं दे रहे होमगार्ड सैनिकों को बड़ी राहत मिलेगी। दीवाली के अवसर पर लिया गया यह निर्णय सैनिकों और उनके परिवारों के लिए विशेष सौगात है। इस संबंध में डीजी होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम नामांकित जिले में पद रिक्त नहीं होने के कारण संबंधित होमगार्ड सैनिकों को उस समय अन्य जिलों में पदस्थ किया गया था। अब राज्य शासन ने होमगार्ड जिला इकाइयों में वर्तमान पद रिक्तियों को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश होमगार्ड नियम, 2016 के प्रावधानों में एक बार के लिए विशेष छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत पात्र होमगार्ड सैनिक निर्धारित समय-सीमा में ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर प्रथम नामांकित जिले में पदस्थापना के लिए अनुरोध कर सकेंगे। पदों की उपलब्धता के आधार पर नियमानुसार पदस्थापना परिवर्तन की कार्यवाही की जाएगी। प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने बताया कि इस निर्णय से लंबे समय से अपने परिवार से दूर रहकर कर्तव्य निर्वहन कर रहे होमगार्ड सैनिकों को अपने गृह जिले में सेवाएं देने का अवसर



मिलेगा। इससे उनके पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन में सुविधा होगी और सेवा के प्रति उनके उत्साह एवं मनोबल भी बढ़ेगा। राज्य शासन के इस कल्याणकारी निर्णय पर होमगार्ड संगठन एवं सैनिकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा मध्यप्रदेश शासन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। सैनिकों ने कहा कि दिवाली के अवसर पर मिला यह निर्णय उनके और उनके परिवारों के लिए बड़ी खुशी का विषय है।

# मलय जैन बने बालाघाट के एसपी

**आदित्य मिश्रा को देवास भेजने के बाद भरी गई खाली कुर्सी, चार अन्य आईपीएस अधिकारियों को भी अतिरिक्त जिम्मेदारियां**

भोपाल। राज्य सरकार ने बालाघाट में नए पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति कर दी है। 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी मलय जैन को बालाघाट का नया एसपी बनाया गया है। वे अभी पुलिस मुख्यालय भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) के पद पर पदस्थ थे। उन्हें एसपी के साथ सेनानी, हॉक फोर्स बालाघाट का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। दरअसल, नौ दिन पहले राज्य सरकार ने बालाघाट के तत्कालीन एसपी आदित्य मिश्रा का तबादला कर उन्हें देवास पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी थी। उनके स्थानांतरण के बाद से बालाघाट में नए एसपी की नियुक्ति का इंतजार था। अब मलय जैन की पदस्थापना के आदेश जारी होने के साथ यह पद भर दिया गया है। मलय जैन अब बालाघाट जिले की कानून-व्यवस्था के साथ हॉक फोर्स की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। नक्सल प्रभावित बालाघाट में एसपी के साथ हॉक फोर्स का अतिरिक्त प्रभार महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गृह विभाग ने अन्य आईपीएस अधिकारियों को भी अतिरिक्त प्रभार सौंपे हैं। 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी सचिन कुमार अतुलकर, जो वर्तमान में आईजी चंबल जोन मुरैना की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, उन्हें आईजी, एसएएफ ग्वालियर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

**उज्जैन एसपी को 32वीं वाहिनी एसएएफ का प्रभार**

2014 बैच के आईपीएस अधिकारी प्रदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक उज्जैन को वर्तमान जिम्मेदारी के साथ सेनानी, 32वीं वाहिनी एसएएफ उज्जैन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

**वाहिनी सिंह को नारकोटिक्स मंदसौर की जिम्मेदारी**

2014 बैच के आईपीएस अधिकारी वाहिनी सिंह, पुलिस अधीक्षक पीटीसी इंदौर को वर्तमान कार्य के साथ पुलिस अधीक्षक, नारकोटिक्स मंदसौर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके चलते 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी अभिषेक आनंद को नारकोटिक्स मंदसौर के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी नगेंद्र सिंह, सेनानी 15वीं वाहिनी विसबल भोपाल को वर्तमान जिम्मेदारी के साथ पुलिस अधीक्षक, रेल भोपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

# पटवारी, आरआई और लिपिकों को नायब तहसीलदार बनने का मौका

भोपाल । राजस्व विभाग में कार्यरत पटवारी, राजस्व निरीक्षक (आरआई) और लिपिक संवर्ग के कर्मचारियों के लिए नायब तहसीलदार बनने का अवसर मिलेगा। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (एमपीईएसबी ) संभित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा-2026 आयोजित करेगा। इसके माध्यम से नायब तहसीलदार के 73 पदों पर भर्ती की जाएगी। पहले यह परीक्षा 14 नवंबर को प्रस्तावित थी, लेकिन राजस्व विभाग की सहमति के बाद इसकी तारीख बदलकर 10 जनवरी 2027 कर दी गई है। परीक्षा में वही कर्मचारी शामिल हो सकेंगे, जो राजस्व विभाग में पटवारी, राजस्व निरीक्षक या लिपिक वर्गीय सेवा संवर्ग के पद पर कार्यरत हैं। संबंधित पद पर कम से कम पांच साल का अनुभव होना जरूरी है। स्थायी या स्थानापन्न रूप से काम करने की अवधि को अनुभव के रूप में मान्य किया जाएगा। इसके साथ ही मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कला, विज्ञान, वाणिज्य या कृषि विषय में स्नातक होना अनिवार्य है।

**55 वर्ष होगी अधिकतम आयु सीमा**

परीक्षा में शामिल होने के लिए एक जनवरी 2026 की स्थिति में अभ्यर्थी की अधिकतम आयु 55 वर्ष निर्धारित की गई है। एक कर्मचारी अधिकतम तीन बार इस विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सकेगा। परीक्षा 100 अंकों की होगी।

परीक्षा केंद्र पर मूल फोटो पहचान पत्र ले जाना अनिवार्य होगा। इसके लिए आधार कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट में से कोई एक दस्तावेज मान्य रहेगा। परीक्षा केंद्र पर आधार आधारित बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन भी किया जाएगा। आवेदन में कर्मचारी कोड दर्ज करना जरूरी था। विभागीय परीक्षा होने के कारण अभ्यर्थियों को मध्यप्रदेश का मूल निवासी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी।

# छह महीने से वेतन का इंतजार

भोपाल। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की देखभाल से लेकर सफाई, सुरक्षा और अन्य जरूरी सेवाओं में लगे आउटसोर्स कर्मचारियों को महीनों से वेतन नहीं मिला है। कहीं दो महीने तो कहीं छह महीने से भुगतान अटका हुआ है। त्योहार के बीच वेतन नहीं मिलने से हजारों कर्मचारियों के सामने परिवार का खर्च चलाने, बच्चों की फीस भरने, मकान किराया देने और दवाइयां खरीदने तक का संकट खड़ा हो गया है।

मध्यप्रदेश राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संघ ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए शासन और स्वास्थ्य विभाग से तत्काल लंबित वेतन जारी कराने की मांग की है। संघ ने आरोप लगाया है कि एजेंसियों की मनमानी और अधिकारियों की कथित कमीशनखोरी के कारण कर्मचारियों का भुगतान अटका हुआ है। संघ ने चेतावनी दी है कि एक सप्ताह के भीतर वेतन नहीं मिला तो कर्मचारी काम बंद कर आंदोलन करेंगे।

संघ के मुताबिक प्रदेश के कई जिलों में आउटसोर्स कर्मचारियों को लंबे समय से वेतन नहीं मिला है। नीमच में छह महीने और छिंदवाड़ा में पांच महीने से भुगतान लंबित है। वहीं सागर, बैतूल, ग्वालियर और उमरिया में चार महीने, सिवनी मालवा में तीन महीने तथा कटनी में दो महीने से कर्मचारियों को वेतन का इंतजार है। इसका असर उन कर्मचारियों पर पड़ रहा है, जो अस्पतालों में नियमित रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वेतन नहीं मिलने के बावजूद काम जारी रखने की मजबूरी है, लेकिन अब आर्थिक संकट के कारण उनका धैर्य जवाब देने लगा है।

**बच्चों की फीस से लेकर दवाइयों तक का संकट**

संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने कहा कि अस्पतालों की व्यवस्था में आउटसोर्स कर्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन उन्हीं कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। त्योहार के समय भी परिवारों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों के पास बच्चों की स्कूल फीस, मकान किराया और जरूरी दवाइयों के लिए पैसे नहीं हैं।

# दीपावली पर भी नहीं मिला वेतन और बोनस

भोपाल। प्रदेश के शासकीय विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी, अंशकालीन कर्मचारियों और वन विभाग के वन सुरक्षा श्रमिकों को दीपावली के पहले वेतन और बोनस का भुगतान नहीं किया गया। इसके चलते हजारों कर्मचारियों को दीपावली फीकी रही। कर्मचारियों के संगठन मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने सरकार और विभागीय अधिकारियों से त्योहार के पहले भुगतान की मांग की थी, लेकिन इसके बावजूद कर्मचारियों को उनका हक नहीं मिल सका। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक फोदे ने कहा कि अधिकारियों के लापरवाह रवैये के कारण छोटे संवर्ग के कर्मचारियों को दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार पर भी वेतन और बोनस से वंचित रहना पड़ा। इससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि बड़े अधिकारियों को समय पर वेतन और भत्तों का भुगतान कर दिया जाता है, लेकिन दैनिक वेतनभोगी, अंशकालीन और अन्य छोटे संवर्ग के कर्मचारियों के वेतन भुगतान में हमेशा देरी की जाती है। फोदे ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छोटे संवर्ग के कर्मचारियों के अधिकारों का हनन नहीं करने और उनकी मांगों को प्राथमिकता से हल करने की घोषणा की है। इसके बावजूद विभागीय अधिकारी कर्मचारियों की समस्याओं को अनदेखा कर रहे हैं। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि प्रदेश के दैनिक वेतनभोगी, अंशकालीन कर्मचारियों और वन सुरक्षा श्रमिकों का बकाया वेतन एवं बोनस तत्काल जारी किया जाए।

विनोद / 06 नवम्बर 26

बालाघाट
शनिवार 07 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

# बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

# धान पंजीयन की तारीख बढ़ी, लेकिन पोर्टल बंद, सोसायटियों के चक्कर काट रहे किसान

## पंजीयन की घोषणा के बावजूद केंद्रों में नहीं खुल रहे पोर्टल, हजारों किसान फिर परेशान, जिला आपूर्ति अधिकारी का दावा 6 नवंबर शाम 4 बजे से शुरू हुई प्रक्रिया

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ विपणन वर्ष में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया जिले में 15 सितंबर से शुरू की गई थी। अलग-अलग निर्धारित तिथियों तक चली इस प्रक्रिया में जिले के एक लाख से अधिक किसानों ने अपनी धान फसल का पंजीयन कराया, लेकिन इसके बावजूद हजारों किसान पंजीयन कराने से वंचित रह गए। ऐसे किसानों को राहत देने के लिए विभाग ने नवंबर माह में दोबारा पंजीयन का अवसर देने की घोषणा की। इसके तहत 1 से 6 नवंबर तक तथा इसके बाद 11 नवंबर तक छूटे हुए किसानों के पंजीयन की जानकारी दी गई। तारीख बढ़ने की घोषणा से किसानों को उम्मीद जगी कि अब वे भी समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए अपना पंजीयन करा सकेंगे, लेकिन केंद्रों पर पहुंचने के बाद उनकी उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आया।**

पंजीयन की नई तारीख घोषित होने के बाद 4 नवंबर से ही किसान अपनी धान का पंजीयन कराने के लिए सोसायटियों और धान खरीदी केंद्रों तक पहुंचने लगे थे, लेकिन वहां पोर्टल ही नहीं खुल रहा था। किसान घंटों इंतजार करते रहे और कई बार केंद्रों के चक्कर लगाने के बाद भी उनका पंजीयन नहीं हो पाया। सोसायटियों और खरीदी केंद्रों के प्रभारियों के अनुसार यह समस्या किसी एक-दो केंद्र तक सीमित नहीं थी, बल्कि जिले के अधिकांश केंद्रों पर पोर्टल बंद होने की स्थिति बनी हुई थी। ऐसे में तारीख बढ़ाने की घोषणा के बावजूद किसान पंजीयन कराने के लिए भटकते रहे। सवाल यह भी है कि जब शासन स्तर से पंजीयन की अवधि बढ़ाने की जानकारी पहले ही जारी कर दी गई थी, तो फिर केंद्रों पर पोर्टल शुरू करने की व्यवस्था समय रहते क्यों नहीं की गई?, जाकपुर समिति के प्रमुख सुरेंद्र बिसेन ने बताया कि उनके क्षेत्र के किसान लगातार पंजीयन कराने के लिए पहुंच रहे थे, लेकिन पोर्टल चालू नहीं होने के कारण उन्हें 4 नवंबर से 6 नवंबर तक परेशान होना पड़ा। किसानों को उम्मीद थी कि बढ़ाई गई अवधि में उनका पंजीयन आसानी से हो जाएगा, लेकिन व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने से उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। किसानों की परेशानी इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि खरीफ की फसल तैयार करने में उन्होंने लागत और मेहनत लगाई है तथा अब समर्थन मूल्य पर उपज बेचने के लिए पंजीयन जरूरी है। ऐसे में समय पर पंजीयन नहीं होने की स्थिति में उन्हें आगे धान बिक्री को लेकर भी चिंता सताने लगी है। इस पूरे मामले को लेकर जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी संत कुमार भलावी से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि 6 नवंबर की शाम 4 बजे से पोर्टल शुरू हो गया है। हालांकि उन्होंने इस बात का स्पष्ट जवाब नहीं दिया कि 4 नवंबर से पंजीयन शुरू होने की घोषणा के बावजूद केंद्रों पर पोर्टल क्यों नहीं खुल पाया और इस दौरान परेशान हुए किसानों के लिए क्या व्यवस्था की गई है। अधिकारी ने केवल पोर्टल शुरू होने की जानकारी दी, लेकिन पहले हुई परेशानी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की। अब सवाल यह है कि यदि पोर्टल 6 नवंबर की शाम 4 बजे ही शुरू हुआ, तो बढ़ाई गई पंजीयन अवधि के शुरुआती दिनों में किसानों को किस आधार पर पंजीयन का अवसर उपलब्ध बताया गया?, फिलहाल विभागीय अधिकारी के दावे के बाद किसानों की निगाहें 7 नवंबर पर टिकी हैं। यह देखना होगा कि पोर्टल वास्तव में जिले के सभी पंजीयन केंद्रों पर सुचारू रूप से काम करता है या नहीं और छूटे हुए किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया बिना किसी तकनीकी बाधा के पूरी हो पाती है या नहीं। यदि पोर्टल शुरू होने के बाद भी तकनीकी समस्या बनी रहती है, तो किसानों के सामने एक बार फिर समय सीमा में पंजीयन कराने का संकट खड़ा हो सकता है। ऐसे में विभाग की जिम्मेदारी केवल तारीख बढ़ाने की घोषणा तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि किसान निर्धारित अवधि में वास्तव में अपना पंजीयन करा सकें।




# कॉलेज जाने निकली 18 वर्षीय छात्रा लापता

## अपहरण की आशंका, खैरी गांव की रागिनी 2 नवंबर से लापता अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम खैरी से वारासिवनी कॉलेज जाने के लिए घर से निकली 18 वर्षीय छात्रा के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। छात्रा के अचानक गायब होने से परिजन परेशान हैं। परिवार के लोगों ने रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के गांवों में उसकी काफी तलाश की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार 5 नवंबर को पिता ने खैरलांजी थाने पहुंचकर बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने छात्रा का अपहरण कर उसे किसी अज्ञात स्थान पर बंधक बनाकर रखा हो सकता है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी है।

### कॉलेज जाने की बात कहकर निकली थी घर से

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खैरी निवासी संतोष बिछोरे 51 वर्ष बढ़ई का काम करते हैं। उनके परिवार में तीन संतान हैं। जिनमें रागिनी तीसरे नंबर की बेटी है। रागिनी वर्तमान में वारासिवनी कॉलेज में अध्ययनरत है और प्रतिदिन गांव से कॉलेज आना-जाना करती थी। बताया गया है कि 2 नवंबर की सुबह करीब 9 बजे रागिनी ने अपने पिता को बताया कि वह वारासिवनी कॉलेज जा रही है और शाम तक घर लौट आएगी। इसके बाद वह घर से कॉलेज के लिए रवाना हुई लेकिन शाम होने के बाद भी वापस नहीं लौटी।

### मोबाइल बंद मिला तो बढ़ी परिजनों की चिंता

रागिनी के निर्धारित समय तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उसके मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया। हालांकि उसका मोबाइल बंद आने लगा। इससे परिवार की चिंता और बढ़ गई। पिता संतोष बिछोरे ने पहले बेटी के दोस्तों और परिचितों से फोन पर पूछताछ की। इसके अलावा रिश्तेदारी में भी संपर्क कर रागिनी के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया लेकिन किसी को उसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

### दामाद और भांजे के साथ कई गांवों में की तलाश

बेटी का कोई सुराग नहीं मिलने पर संतोष बिछोरे ने अपने दामाद अनिल कुकवासे और भांजे शंकर कुकवासे के साथ उसकी तलाश शुरू की। परिवार के लोगों ने आसपास के गांवों में जाकर पूछताछ की तथा संभावित स्थानों पर खोजबीन की। इसके बावजूद रागिनी का कहीं पता नहीं चल सका। 2 नवंबर से लगातार तलाश करने के बाद भी जब कोई जानकारी हाथ नहीं लगी तो 5 नवंबर को संतोष अपने परिजनों के साथ खैरलांजी थाना पहुंचे और पुलिस को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया।

### अपहरण कर बंधक बनाए जाने की जताई आशंका

पिता की शिकायत में आशंका व्यक्त की गई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा रागिनी का अपहरण कर उसे किसी गुप्त स्थान पर बंधक बनाकर रखा गया हो सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए खैरलांजी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस छात्रा की तलाश के साथ ही उसके लापता होने की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

### छात्रा की तलाश में पुलिस ने आमजन से मांगा सहयोग

लापता रागिनी की पहचान और तलाश में पुलिस ने उसका हुलिया भी जारी किया है। रागिनी का रंग गेहुआं, कद करीब 5 फीट 6 इंच बताया गया है। घर से निकलते समय उसने स्काई ब्लू रंग का सलवार-सूट पहना हुआ था। खैरलांजी थाना प्रभारी शशांक राणा ने जिलेवासियों से छात्रा की तलाश में सहयोग करने की अपेक्षा की है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को रागिनी के संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो तत्काल पुलिस को सूचित करे ताकि लापता छात्रा का पता लगाया जा सके और उसे सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाया जा सके। फिलहाल इस मामले में पुलिस की जांच और तलाश जारी है। बेटी के अचानक लापता होने से परिवार का बुरा हाल है और परिजन उसकी सुरक्षित वापसी की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

# आठ दिन बाद बालाघाट पुलिस को मिला नया कप्तान, मलय जैन के हाथों में जिले की कमान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में नए पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति को लेकर चल रहा इंतजार आखिरकार 6 नवंबर को समाप्त हो गया। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार पुलिस मुख्यालय भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी मलय जैन को बालाघाट पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही उन्हें सेनानी हॉक फोर्स बालाघाट का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। अब जिले की पुलिस व्यवस्था की कमान मलय जैन के हाथों में होगी। हालांकि वह बालाघाट पहुंचकर कब पदभार ग्रहण करेंगे, इसे लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि 27 अक्टूबर को तत्कालीन पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा का स्थानांतरण देवास जिले में कर दिया गया था। इसके बाद 29 अक्टूबर को उन्होंने जिले की पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निलेश भार्गव को सौंप दी थी। हालांकि गृह विभाग की ओर से नए पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति नहीं किए जाने के कारण जिले में यह पद औपचारिक रूप से रिक्त बना हुआ था। इस दौरान चर्चाओं का दौर भी चलता रहा कि संभवतः अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निलेश भार्गव ही जिले की कमान संभालेंगे, लेकिन करीब आठ दिन बाद 6 नवंबर को जारी आदेश ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया। नए पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति में हुई देरी के बीच जिले की कानून व्यवस्था और पुलिस कार्रवाई को लेकर भी चर्चाएं सामने आती रहीं। विशेषकर दो हाईप्रोफाइल मामलों में एफआईआर दर्ज नहीं होने को लेकर सवाल उठाए जा रहे थे। कुछ लोगों का मानना था कि पुलिस अधीक्षक का पद रिक्त रहने से महत्वपूर्ण मामलों में निर्णय और कार्रवाई प्रभावित हो सकती है। हालांकि इन मामलों में देरी का कारण केवल एसपी की नियुक्ति न होना था, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अब नए पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति के बाद जिलेवासियों की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि लंबित और चर्चित मामलों में पुलिस किस तरह आगे बढ़ती है। मलय जैन के बालाघाट पुलिस अधीक्षक के रूप में पदभार ग्रहण करने को लेकर अब इंतजार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार वह जल्द ही जिले की कमान संभाल सकते हैं। ऐसे में उनके सामने जिले की कानून व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ चर्चित मामलों की जांच और लंबित शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की चुनौती रहेगी। अब देखना होगा कि नए पुलिस अधीक्षक जिले में अपनी कार्यशैली से किस तरह की छाप छोड़ते हैं।









स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट